



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

145
2

सं. 14] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 7, 1979 (चैत्र 17, 1901)
No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 7, 1979 (CHAITRA 17, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—संख्या 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसद और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

मं. प० 32014/1/78-प्रशा०-अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग गवर्नरारा स्थाई अधीक्षक (हान०) श्री एम० एन० धर्मन को उप नियंत्रक (तथ्य भंसारन) के पद पर 2-3-1979 से 31-5-1979 तक की अवधि के लिये अधिकारी आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सोम
उप सचिव

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 मार्च 1979

मं. प० 12019/2/78-प्र०-II—प्रचिव, संघ लोक सेवा आयोग गवर्नरारा इस कार्यालय के स्थाई अनुसंधान महायक (हिन्दी) श्री जै० एन० एस० त्यागी को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 27-2-1979 से 26-5-1979 तक

की अवधि के लिये अधिकारी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 मार्च 1979

मं. प० 12019/2/78-प्रशा०-II—प्रचिव, संघ लोक सेवा आयोग इस कार्यालय के स्थाई अनुसंधान महायक (हिन्दी) श्रीमती मुधा भार्गव तथा श्री अन्द किरण को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 2-3-1979 से 31-5-1979 तक की अवधि के लिये अधिकारी आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सोम
उप सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी, 1979

सं. पी०/1837-जिल्द-II-प्रशा०-I—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रीडर डा० बी० एस० मिश्र को संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ)

विनियमावधी, 1958 के विनियम 4 के परामुक के अधीन 27-12-1978 के पूर्वान्तर से 2 वर्षों की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव (प्रशास्त्र)
कूटे सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० ए० 32018/2/78—प्रशास्त्र-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतदूरा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई अनुसंधान सहायक (अनु० और मा०) और स्थानापन्थ अनुसंधान अन्वेषक श्री राम मिहू को 2-3-1979 से 31-5-1979 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में श्रीमती राजकुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसंधान और मा०) के, जिन्हें अवकाश स्वीकृत किया गया था, स्थान पर कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसंधान और मा०) के रूप में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

एम० बालचन्द्रन
अवर सचिव
कूटे सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 32014/1/79—प्रशास्त्र-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामने दशायी गई अवधि अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी प्रेड में स्थानापन्थ रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

क्र० सं०	नाम	अवधि जिसके लिये टिप्पणी अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया	टिप्पणी
1	2	3	4

सर्वश्री

1. आर० के० अमूजा 1-3-79 से का० तथा प्र० 30-4-79 तक सु० विभाग के
2. एम० के० अरोड़ा 1-3-79 से का० आ० स० 30-4-79 तक 12/1/74-
सी० एम० (I)
दिनांक 11-12-
75 के अनुसरण
में श्री अरोड़ा को,
जो डेस्क अटेंची

1	2	3	4
			नियुक्त किये गए हैं, 1-3-79 से 30-4-79 तक डेस्क अधिकारी पुनर्पदित किया
			गया - है तथा वह रु० 75/- प्रति माह विशेष बेतन लेंगे।
3 एम० एन० शर्मा		1-3-79 से 30-4-79 तक	
4. जय नारायण		1-3-79 से 30-4-79 तक	
5. एम० आर० बन्ना		2-3-79 से 30-4-79 तक	
6. गन० के० ढीगारा		20-2-79 से 30-4-79 तक	
7. श्री० एम० शर्मा		1-3-79 से 30-4-79 तक	
8. के० पी० शैयर		1-3-79 से 9-4-79 तक	
9 एम० श्री० एम० मिनहाम		19-2-79 से 18-4-79 तक	
10. जे० एल० मुद्र		19-2-79 से 5-4-79 तक	

दिनांक 9 मार्च 1979

सं० ए० 32014/1/79—प्रशास्त्र-III—इस कार्यालय की मममंड्यक अधिसूचना दिनांक 16-2-79 के आशिक भंगोधन में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थाई सहायक श्री आर० पी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 26-2-79 से 12-4-79 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/79—प्रशास्त्र-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई सहायकों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामने दशायी गई अवधि अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं० नाम अवधि जिसके लिये अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया।

1. श्री कृष्ण कुमार 1-3-1979 से 30-4-1979 तक
2. श्री जी० पी० भट्टा 28-2-79 से 18-4-79 तक
3. श्री एस० एन० घोष 1-3-79 से 16-4-79 तक

2. इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-2-1979 द्वारा श्री एम० एन० अरोड़ा की 5-2-79 से 22-3-79 तक अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्ति को रद्द कर दिया गया है।

आ० ना० सोम
उप सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/2/78-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I दिनांक 30-11-78 और 16-12-78 में आंशिक आणोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कें० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थाई अधिकारी सर्वश्री टी० एन० चक्रवर्ती, बी० आर० वर्मा और बी० एस० जगापोता को, राष्ट्रपति द्वारा 17-11-78 से, आगामी आदेश तक, उक्त सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के कें० स० सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा इनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1. बी० एम० कपूर	10-1-79 से 28-2-79 तक	
2. प० सी० माथुर	1-1-79 से 28-2-79 तक	

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के कें० स० स्ट० सेवा संवर्ग के, ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० बी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा 19-1-79 से 28-2-79 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, कें० स० सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एस० आलचन्द्रन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
(का० एवं प्र० स० विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० एम०-19/85-प्रशा०-5—भारत के महापंजीकार के कार्यालय में जनगणना प्रवालन के उप-निवेशक के रूप में प्रतिनियुक्त पर नियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर, श्री एम० एल० गुलाटी ने दिनांक 26-2-79 के पूर्वाह्न में कार्यालय-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार द्वारा दिया गया है।

सं० ए० 19035/1/79-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिम महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री श्याम बिहारी लाल शर्मा को दिनांक 28-2-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० ए० 35018/13/78-प्र०-I—पुलिम उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान राज्य पुलिम के उप निरीक्षक श्री लोकनाथ को दिनांक 30-1-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिम स्थापना प्रभाग की जयपुर शाखा में अस्थाई रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिम निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिशेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 मार्च, 1979

सं० ओ० दो०-261/89-स्थापना—भारत सरकार यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 18-12-78 को श्री बी० एम० सिंह, कमांडर, 46 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल, का देहांत हो गया है।

दिनांक 19 मार्च, 1979

सं० ओ० दो० 98/69-स्था०—श्री जे० ईपन ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप कमाण्डर, 58 बाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल, के पद का कार्यभार दिनांक 28-2-79 के प्रणालू को त्याग दिया।

सं० ओ० दो०-१५१/७७-स्था०—भारत सरकार दुःख के माथ यह अधिसूचित करती है कि दिनांक ३-२-७९ को से० कर्तव राजेन्द्र मिह, संयुक्त महायक निदेशक (फ्रिप्पे), महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुस्तिकाल, नई दिल्ली का बेहत हो गया है।

ग० क० बन्धोपाध्याय
महायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-११००१९, दिनांक १५ मार्च १९७९

म० ई० १६०१३/२/७७-कार्मिक—यूह मवालय में निदेशक के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री नरेन्द्र प्रमाद, भा० पु० से० (म० प्र० ६२) ने २४ फरवरी, १९७९ के अपराह्न से क० ओ० सु० ब० मुद्रालय, नई दिल्ली के महायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के पद का कार्यभार लोड़ दिया।

म० ई०-१६०१३/२/१७८-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री आर० बी० श्रीकुमार, आई० पी० एम० (गुजरात-७१) ने ९ फरवरी, १९७९ के पूर्वाह्न से क० ओ० सु० ब० यूनिट, एफ० ए० सी० टी० (उद्योग मंडल) के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक १७ मार्च, १९७९

म० ई० ३८०१३/३/२/७८-कार्मिक—गोवा में स्थानांतरित होने पर, श्री क० ए० वेलिणा ने दिनांक २३ फरवरी, १९७९ के पूर्वाह्न से क० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० एम० आर० ओ०, थुम्बा, के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीय
महानिरीक्षक/क० ओ० सु० ब०

वित्त मंत्रालय

(प्रथम कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक १३ मार्च १९७९

म० १७८५/ए—श्री एस०जी० कानडे निम्नान्कित अधिकारी को अवार्य पक्ष मुद्रणालय में द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर मुधारीत देनन श्रेणी द० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-ई० बी०-३५-८८०-४०-१०००-ई० बी०-४०-१२०० में निर्यामित रूप में दि० १-३-१९७९ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाना है।

डी० सी० मुखर्जी
महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय, देवाम

देवाम, दिनांक १० मार्च १९७९

सं० बी० एन० पी०/सी०/५/७९—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/५/७८ दिनांक १०-१२-७८ के अनुक्रम में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक १-३-१९७९ से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

क्र० सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किये गये
१	मर्वश्री	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
२	एम० पोन्नुयुराई	—यथा—
३	डी० आर० कोडावर	—यथा—
४	बहाय० जनार्दनराव	—यथा—
५	रामपालमिह	—यथा—
६	एन० आर० जयरामन	—यथा—
७	समरेन्द्र दास	—यथा—
८	एम० दत्ता	तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)
९	अरुण डंगले	तकनीकी अधिकारी (स्पाही कारखाना अनुसंधान एवं प्रयोगशाला)
१०	जे० एन० गुप्ता	तकनीकी अधिकारी (स्पाही कारखाना उत्पादन)

पी० एस० शिवराम,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक—महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक १५ मार्च १९७९।

म० ३८३-सी० प० १/१७०-७८—अवर उप नियंत्रक-प्र०लेखापरीक्षक (वाणिज्यिक), महालेखाकार-१ आंध्र प्रदेश, हैदराबाद, कार्यालय के श्री बी० श्रीनिवास राव ए० अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) जो इलेक्ट्रोनिक्स कार्सोरेजेन आफ ट्रिया नियमित मे प्रतिनियुक्ति पर है को २९-११-१९७८ (पूर्वाह्न) मे “तश्वित नियम” के अन्तर्गत स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते है।

मं० 384-सी० एफ०/1/173-78—ग्रापर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को महर्य पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा। अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 5 में उल्लिखित निधियों से प्रत्येक नाम के नामने कालम 4 में लिखे गये कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में नैनात किया है।

क्र० सं० अनुभाग अधिकारी (वा०)	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की निधि
का नाम			
1	2	3	4
5			
सर्वश्री			
1. ग्राम सी० नैन	मदस्य लेखापरीक्षा। बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। नई दिल्ली।	मदस्य लेखापरीक्षा। बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। बम्बई।	24-12-78 (पूर्वाह्न)
2. हरप्रसाद मुख्यार्जी	मदस्य लेखापरीक्षा। बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। राची।	मदस्य लेखापरीक्षा। बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। राची।	14-12-78 (पूर्वाह्न)
3. रजीत चक्रवर्ती	महालेखा कार्यालय, अहमदाबाद।	मदस्य लेखापरीक्षा। बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। राची।	27-12-78 (पूर्वाह्न)
4. केंद्र सी० परमार	महालेखा कार्यालय, अहमदाबाद।	मदस्य लेखापरीक्षा। बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। राची।	23-1-79 (पूर्वाह्न)
5. प्रिय व्रत मन मजूमदार	मदस्य लेखापरीक्षा बांडूएवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। कलकत्ता।	महालेखा कार्यालय-II पण्डित बगाल, कलकत्ता।	18-1-79 (पूर्वाह्न)
6. ग्राम सी० नागेश्वरन्	महालेखा कार्यालय— तमिलनाडू, मद्रास।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा। राची।	3-2-79 (पूर्वाह्न)
7. करवंद नैन	महालेखा कार्यालय, राजस्थान, जयपुर।	,,	12-2-79 (पूर्वाह्न)
8. वी० रामाचन्द्र गव	महालेखा कार्यालय-II आध्र प्रदेश, हैदराबाद।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई।	9-2-79 (पूर्वाह्न)

दिनांक, 16 मार्च 1979

मं० 416-सी० एफ०/1/161-78—ग्रापर उपनियंत्रक महालेखापरीक्षा (वाणिज्य) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को महर्य पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 5 में उल्लिखित निधियों से प्रत्येक नाम के नामने कालम 4 में लिखे गए कार्यालयों में आगे के आदेश होने तक इसी रूप में तैनात किया है।

क्र० सं० अनुभाग अधिकारीयों (वा०)	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में सेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की निधि
का नाम			
1	2	3	4
5			
सर्वश्री			
1. वी० ग्राम समादार	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा। कलकत्ता।	मदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा। कलकत्ता।	10-11-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
2.	के० ए० मनिषान कुट्टि	महालेखाकार, केरल।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	15-12-78 (पूर्वाह्नि)
3.	ए० ए० प्रकाशम	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास।	महालेखाकार, उड़ीसा।	29-11-78 (पूर्वाह्नि)
4.	चौधे लाल	पीपुल्स एक्शन फार डेवलमेंट इंडिया में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर।	महालेखाकार-II विहार, पटना।	12-12-78 (पूर्वाह्नि)
5.	टी० ए० शेपाद्रि	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	13-12-78 (पूर्वाह्नि)
6.	श्रीरेण्ड्र पाल मिह	महालेखाकार-II, म० प्र०, खालियर।	„	28-12-78 (पूर्वाह्नि)
7.	ए० सत्यनरायण मूर्ति	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।	महालेखाकार, उड़ीसा	12-12-78 (पूर्वाह्नि)
8.	मनोग कुमार	नागानैडू पल्ल्य एंड पेपर क० लि० में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	14-12-78 (पूर्वाह्नि)
9.	जे० पी० श्रीवास्तव	महालेखाकार-II उत्तर प्रदेश, लखनऊ।	„	12-12-78 (पूर्वाह्नि)
10.	गोपाल चन्द्र दत्त	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।	महालेखाकार-II पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।	10-11-78 (पूर्वाह्नि)
11.	सी० ए० ए० स्वामी	महालेखाकार (वैशानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई।	महालेखाकार (वैशानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई।	1-12-78 (पूर्वाह्नि)
12.	ए० मध्यर्थी	महालेखाकार-II तमिलनाडु, मद्रास।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची।	4-12-78 (पूर्वाह्नि)
13.	ब्रज मोहन मेहता	महालेखाकार, पंजाब।	„	29-11-78 (पूर्वाह्नि)
14.	विश्वनाथ चक्रवर्ती	निदेशक लेखापरीक्षा (खाली) में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा कलकत्ता।	29-11-78 (पूर्वाह्नि)
15.	ब्रज राज शर्मा	महालेखाकार, राजस्थान।	महालेखाकार, गुजरात	12-12-78 (पूर्वाह्नि)
16.	शुभ्मुनाथ सिंह	महालेखाकार-II उत्तर प्रदेश, लखनऊ।	महालेखाकार-II बिहार, पटना।	27-11-78 (पूर्वाह्नि)
17.	वाई० बी० श्री० रमण मूर्ति	महालेखाकार-II आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून के अधीन निवासी लेखापरीक्षा कार्यालय (ओ० ए० जी० सी०), बड़ोदा।	5-1-79 (पूर्वाह्नि)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

डाक-तार शाखा

दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० प्रशा०-III-21-23(ए) (2) प्रधिसूचनाएँ—
डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय मद्रास के स्थाइ
लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जी० नटगजन दिनांक 31-12-78
(अपराह्न) से निवर्तन पर सेवा निवृत हो गये हैं।

एम० कृष्णन,
वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० 23011(1)/66/प्रशा०-I—भारतीय रक्षा लेखा
सेवा के कनिष्ठ ममयमान के युप ए० में निम्नलिखित
अधिकारियों की उनकी नाम के सामने लिखी तारीख में
पुष्टि की जाती है :—

क्र० सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1.	श्री धीर सिंह मीना	21-8-1978
2.	श्री यमवन्त एस० नेगी	21-8-1978
3.	श्री कैहव वायके	1-6-1978

सं० 86016(16)/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय
रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री स्टीफन लकरा को
उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणालीनिक घेड (रुपये 1500-60-
1800-100-2000) में स्थानापन रूप में कार्य करते के
लिये दिनांक 28 फरवरी, 1979 (पूर्वाल्प) में, आगामी
आदेश पर्यन्त, महर्ये नियुक्त करते हैं।

आर० एस० बर्मी,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

महानियंत्रालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1979

सं० 11/जी०/79—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को
उनके सामने दर्शायी गई तारीख में प्रग्रहित आदेश न
होने तक, स्थानापन उपमहानियंत्रक, आर्डनेन्स फैक्टरियां
स्टर-II के पद पर नियुक्त करते हैं :—

श्री आर० आर० वान्सु, स्थानापन उपमहानियंत्रक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां/स्टर-II—9 फरवरी, 1979।

सं० 12/जी०/79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों
को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, प्रग्रहित आदेश न
होने तक, स्थानापन उप-प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते
हैं :—

(1) श्री जोपाल्लाल मलिक, महायक प्रबन्धक (परखा-
वधि)—9 जनवरी, 1979।

(2) श्री एस० एन० सरकार, महायक प्रबन्धक (परखा-वधि)
—9 जनवरी, 1979।

सं० 13/79/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित अधिकारी
को स्थानापन ए० डी० जी० ओ० एफ०/ग्रेड—I के पद
पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश
न होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री के० द्वारकानाथ, स्थायी ए० डी० जी० ओ० एफ०/
ग्रेड-II—4 जनवरी, 1979।

सं० 14/जी०/79—तारीख 3/15-11-1978 के
381/ए०/जी० मंत्र्यक पत्र द्वारा भेजे गये इस महानियंत्रालय
के तारीख 3-11-1978 के 74/जी०/78 संख्यक राजपत्र
अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किये जाते हैं :—

क्रम सं० 10 में

वास्ते :—श्रीमती मीनाक्षी मेठ, म० प्र० (परखा-वधि)
—10वीं अगस्त, 1978।

पढ़ा जाए :—श्रीमती मीनाक्षी मेठ, स्थायी म० प्र०—
10वीं अगस्त, 1978।

दिनांक 12 मार्च 1979

सं० 16/79/जी०—वार्धक्य निवृति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री एम० बी० चौधरी, स्थानापन टी० एस०
ओ० (मौलिक एवं स्थाई ए० एस० ओ०) दिनांक 28
फरवरी, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत हुए।

सं० 17/79/जी०—वार्धक्य निवृति आयु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री आर० एन० बोम, स्थानापन आफिसर
मुपश्वाइजर (मौलिक एवं स्थाई ए० एस० ओ०) दिनांक
28 फरवरी, 1979 (अपराह्न) में सेवा निवृत हुए।

बी० के० मेहता,
महायक महानियंत्रक आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1979

आयात और नियंत्रित व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1087/75 प्रशा० (राज०)/2315—सेवा-निवृत्ति
की आयु होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधि-
कारी श्रेणी के स्थानापन अधिकारी श्री पी० एस० वर्मा

ने 28 फरवरी, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजेन्द्र तिहा,
उप-मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

उद्योग मंत्रालय

श्रोताओंगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई विल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० 12(133)/61-प्रशा० (राजपत्रित) — राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन के स्थाई उप निदेशक (श्रोताओंगिक प्रबन्ध एवं प्रणिक्षण) तथा निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री जे० के० डे० को निवृत्ति की आवश्यकता पर दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

2. सेवानिवृत्त होने पर श्री जे० के० डे० ने दिनांक 31 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन के निवेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/369/78-प्रशा०-(राजपत्रित) — राष्ट्रपति, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण संस्था, कलकत्ता के श्री वी० एस० कर्णाकरण, स्थाईवृत् यात्रिक अधिकारी (कनिष्ठ) को दिनांक 23 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप निदेशक (यात्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मार्च 1979

सं० 12/709/72-प्रशा० (राजपत्रित) — लघु उद्योग विकास संगठन, तजानिया में विशेषज्ञ के रूप में दो वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति पर चले जाने पर श्री एम० मुन्दरशराजन ने दिनांक 20 दिसंबर, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के उप निदेशक (यात्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त,
उप निदेशक (प्र०)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 13 मार्च, 1979

सं० ई०-11(7) — इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में

श्रेणी-2 नाइट्रेट मिश्रण के अधीन

(i) प्रविष्टि "मोनोएक्स" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

- (ii) प्रविष्टि "पी० ई०-१-ग० ई०" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे;
- (iii) प्रविष्टि "पी० ई०-IX" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे, और
- (iv) प्रविष्टि "पल्वरेक्स" में "1979" अंकों के स्थान पर "1980" अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

श्रेणी 3—भाग 1 के अधीन

- (i) "जिलेटिन" खण्ड के पूर्व "डी सेगुरिदाद" (20-एम० आर०) स्वेनिश मेक—भमिगत कोल/गैसी माछन्म में अभिप्रयोग हेतु । अगस्त, 1979 तक" को जोड़ दिया जावे।

इंगुव नरसिंह मूर्ति,
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—1)

नई विल्ली, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० प्र०-१(485) पूर्ति निदेशक (वस्त्र) — बम्बई के कार्यालय में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III में सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड I) श्री मी० ए० वेंकटेश्वरन् निवर्त्तमान आयु होने पर दिनांक 28-2-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये।

दिनांक 12 मार्च 1979

सं० प्र०-१/१(10/8) — पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड-II सर्वेश्वरी एम० नागराजन और एम० के० बैनर्जी दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से अवर प्रगति अधिकारी के अराजपत्रित पद पर अवनत कर दिये गये।

2. मुख्यालय गे० महायाक निदेशक (ग्रेड 2) सर्वेश्वरी गम किणन, बलवीर मिह और साधु राम 28-2-79 के अपराह्न से अवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवनत कर दिये गये हैं।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक, (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग—6)

नई विल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

सं० प्र०-6/247(230)/595-III — गाष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा (ग्रुप ए) के ग्रेड-II की धातुकर्म शाखा के महायक निदेशक निरीक्षण श्री एम० डी० बेबीलोनी को दिनांक 24-1-79 से सेवा के ग्रेड-II की धातुकर्म शाखा में उपनिदेशक निरीक्षण के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बेवीनोंती से निरीक्षण निदेशक, जमशेदपाल
कार्यालय में महायक निदेशक, निरीक्षण का पद
दिया और दिनांक 24 जनवरी, 1979
कार्यालय में उग निदेशक निरीक्षण (धारु)
संभाल लिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासा०)
कूतौ महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1979

मं० प्र० 6/247(226)/76—राष्ट्रपति, भारतीय
निरीक्षण भेवा (ग्रुप ए) के ग्रेड III की धातु-रसायन
शाखा के महायक निदेशक निरीक्षण श्री एच० अनन्थपद्मनाभुलू
को दिनांक 29 जनवरी, 1979 में एक वर्ष के लिये भार-
तीय निरीक्षण भेवा के ग्रेड II की धातु-रसायन शाखा में
उप निदेशक निरीक्षण के रूप में तदर्थे आधार पर नियुक्त
करते हैं।

श्री अनन्थपद्मनाभुलू ने निरीक्षण निदेशक (धारु) जम-
शेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-
रसायन) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 29 जनवरी,
1979 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण
(धातु-रसायन) का पदभार संभाल लिया।

पी० जी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासा०)

सं० सी०-5474/707—निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के भासने दी गई तारीख से भारतीय सरकार विभाग में
अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-
1200 रु० के बेतनमान में पूर्णतः तष्ठर्थ आधार पर अनंतिम रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1. श्री टी० एम० राणा, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड .	सं० 15 पार्टी (म० प्र० सं०) हैदराबाद	26-9-78	(पूर्वाह्न)
2. श्री एस० बी० ममगाई, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	सं० 67 (एफ० एस० पी०) पार्टी (सर्वे० हृषाई)	3-10-78	(पूर्वाह्न)
3. श्री एम० आर० भिडे, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	कोयम्बतूर।	27-10-78	(पूर्वाह्न)
4. श्री राम लाल, ड्राफ्टसमैन डि०-१ मिलें० ग्रेड	सं० 31 पार्टी (द० म० स०) हैदराबाद।	27-10-78	(पूर्वाह्न)
	मं० 2 आरेखण कार्यालय (उ० स०) देहरादून।	18-1-79	(पूर्वाह्न)

मं० सी०-5475/579-ए०—निम्नलिखित अधिकारी जो
स्थापना एवं लेखा अधिकारी (मा० मि० भेवा ग्रुप 'बी०'
पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये गये थे,
27 फरवरी, 1979 से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की जाती
है।

1. श्री एम० पी० जैन
2. श्री एम० एम० चक्रवर्ती
3. श्री जै० पी० शर्मा
4. श्री कै० सी० भद्राचार्जी

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

मं० 4-159/78/स्था०—भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण
के निदेशक, श्री विलियम एक्का को इस सर्वेक्षण के मुख्यालय
कलकत्ता में महायक मानव विज्ञानी (मास्टर्स) के पद
पर 13 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न में अस्थाई आधार पर
अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

सी० टी० योगम
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

वेहरादून, दिनांक 19 मार्च 1979

मं० सी०-5473/594—श्री टी० सी० हमदा, तकनीकी
महायक, मिलें० ग्रेड को दिनांक 25 जनवरी, 1979 में
भारतीय सर्वेक्षण विभाग में महायक प्रबंधक मानवि० नृ-
पुनरुत्पादन (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०
40-1200 रु० के बेतनमान में स्थानापन्न रूप से नियुक्त
किया जाता है।

5. श्री एस० एम० बिखांदानी
6. श्री एस० डी० करारिया
7. श्री आर० एन० शर्मा
8. श्री बी० एन० नैपाली

कै० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महायक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1979

मं. गा. 12028/1/78-स्टाफ-३—महानिदेशक,
श्राकाशवाणी, पानद्वारा श्री एम० एच० मुमुद, वरिष्ठ प्रशासन
अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास को तदर्थं आधार पर,
12 मार्च, 1979 से, अगले आदेश होने तक, श्राकाशवाणी,
नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० बी० मेषाद्रि
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1979

मं. गा. 19019/13/78-(मुख्या०) प्रणा०-१—
श्री बाई० के० अश्रवाल ने अपनी बड़ी सरकारी चिकित्सा
मामग्री भण्डार, बम्बई में हो जाने के परिणामस्वरूप
1 फरवरी, 1979 की पूर्वान्त में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1979

मं. 7(7)/77-स्थाईकरण/522—नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इसके द्वारा 1 जनवरी 1979 से भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में महायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं—

क्र० मं०	नाम	अधीकारी का पद	यनिट जिधर अधीकारी काम करते हैं।	स्थाई पद
1.	श्री एम० मुकुंदन	महायक कार्मिक अधिकारी	बी० ए० आर० सी०	बी० पी० ई० डी० पूल में एम० जी० सी०
2.	श्री पी० पी० पै	जनसंगर्क अधिकारी	बी० ए० आर० मी०	बी० ए० आर० सी० में महायक
3.	श्री बी० ए० एम० प्रमाद	महायक कार्मिक अधिकारी	बी० ए० आर० मी०	बी० ए० आर० सी० में वरिष्ठ आशुलिपिक
4.	श्री के० गुरुमण्ड	महायक कार्मिक अधिकारी	बी० ए० आर० मी०	बी० ए० आर० सी० में सहायक।
5.	श्री पी० आर० राजगोपालन	महायक कार्मिक अधिकारी	बी० ए० आर० मी०	बी० ए० आर० सी० में वरिष्ठ आशुलिपिक
6.	श्री मी० जी० सुकुमारन	महायक कार्मिक अधिकारी	बी० ए० आर० मी०	बी० ए० आर० सी० में वरिष्ठ आशुलिपिक।
7.	श्री एच० आर० रेनुषे	अनुभाग अधिकारी	डी० ए० ई०	बी० ए० आर० सी० में सहायक।

बी० आर० पटगाँवकर
उप-स्थापना अधिकारी

नई दिल्ली में उप महायक महानिदेशक (स्टोर्ज), के पद
का कार्यभार छोड़ दिया।

श्राम भाल कुठियाला
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं मिचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषयन एवं तिरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 16 मार्च 1979

मं. गा. 31014/3/78-प्र०—कृषि विषयन मलाहकार
भारत सरकार, निम्नलिखित अधिकारियों को विषयन एवं
निरीक्षण निदेशालय में विषयन अधिकारी (वर्ग III)
के स्थाई पदों पर, मूल रूप में उनके नाम के आगे विनिर्दिष्ट
तारीख में नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्री म० म० प्रसाद राव—15-7-76
- (2) श्री अ० का० शास्त्री—11-11-77
- (3) श्री म० ब० नीलाश्रीवर्म—11-11-77

2. उपरोक्त अधिकारियों का निम्न पद पर ग्रहणाधिकार
यदि कोई हो तो, विषयन अधिकारी के पद पर स्थाई होने
की तारीख में समाप्त हो जायेगा।

बी० ए० मनिहार
निदेशक, प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग
परमाणु विद्युत् परियोजना
बम्बई-5, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/७८-प्रणा०-२४७४—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थाई उच्च श्रेणी निपिक और स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी श्री के० शंकरन कुट्टी, उम परियोजना से अपना तबादला हो जाने पर, 13 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में महायक प्रणाली अधिकारी के ग्रेड (650-900 रुपये) के अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 6 मार्च 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/३(283)/७८-प्रणा०—विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थाई उच्च श्रेणी निपिक तथा स्थानापन्न महायक लेखा-पाल श्री ई० ए० गवतकर को 5 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से 28 अप्रैल, 1979 के अपराह्न तक की अवधि के लिये उसी प्रभाग में अस्थाई रूप से महायक लेखा अधिकारी नियुक्त करने हैं। यह नियुक्ति महायक लेखा अधिकारी श्री ए० ए० के० अध्यर की लेखा अधिकारी-II के पद पर पदोन्नति होने के स्थान पर की गई है।

बी० बी० याटे
प्रशासनिक अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना

नरोरा, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० ए० पी० पी० पी०/प्रणा०/I/(III)/७९-ए०/२६६०—नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थीरत् वैज्ञानिक महायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० बी० श्री आर० ए० भारद्वाज को 15 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० बी० नियुक्त करते हैं।

ए० कृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

नाभिकीय ईंधन ममिश

हैदराबाद-५०० ७६२, दिनांक 22 जनवरी 1979

सं० पी० पी० आर०/०७०१/२४०—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन ममिश, श्री बी० ए० ए० जी० शास्त्री

ओद्योगिक अस्थाई आशुलिपि (प्रवरण कोटि) को 6-1-1979 से 22-1-1979 तक स्थानापन्न रूप से छुट्टी रिक्ति पर, महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1979

सं० पी० पी० आर०/०७०४/३८८—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन ममिश, श्री बी० ए० ए० जी० शास्त्री ओद्योगिक अस्थाई आशुलिपि (प्रवरण कोटि) को 30-1-1979 से 13-3-1979 तक नाभिकीय ईंधन ममिश में स्थानापन्न रूप से महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० आर०/०७०४/३८९—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन ममिश, ओद्योगिक अस्थाई आशुलिपि (प्रवरण कोटि) श्री बी० ए० ए० जी० शास्त्री को 23-1-79 से 29-1-79 तक छुट्टी की रिक्ति पर स्थानापन्न रूप से महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गू० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपाकम-८०३ १०२, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० ए० पी० पी० पी०/४(१६)/७८-भर्ती—विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, स्थायी उच्च श्रेणी निपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण श्रेणी निपिक श्री के० जी० बालचन्द्रन को 7 प्रवृत्ति, 1978 से 28 फरवरी, 1979 तक की अवधि के लिये मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना में महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री बी० के० मन्थानम, जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई, के स्थान पर की गई है।

के० बालचन्द्रन
प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ए० ३२०१२/१/७८-ए०—राष्ट्रपति ने डा० पी० के० दाम को २५००-१२५/२-२७५० के बेतनमान में ९ मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेशों तक मौसम विश्वान का महानिदेशक नियुक्त किया है।

ए० गूर्जनारायण
अवर सचिव

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ए० 32013/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैभानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री आर० सम्पत कुमारन्, तकनीकी अधिकारी को श्री एस० कुण्णास्वामी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, वैभानिक संचार स्टेशन, मद्रास जिन्हें 62 दिन की अर्जित छुट्टियाँ मंजूर की गई हैं, के स्थान पर दिनांक 4-12-78 से 3-2-79 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ब्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/3/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 18-10-79 तथा 6-2-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने महा-

सं० ए० 38013/1/77-ई० सी०—निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, नागर विमानन विभाग के वैभानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है—

क्र० सं०	नाम एवं पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख
1.	श्री आर० ए० राघवन, सहायक संचार अधिकारी	वैभानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-4-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एन० बी० नव्यर, महायक तकनीकी अधिकारी	वैभानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-5-78 (पूर्वाह्न)

सत्य देव शर्मा
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1979

सं० ए० 12032/3/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम के विमानक्षेत्र अधिकारी, श्री जे० के० बर्मन का दिनांक 28 फरवरी, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 9 मार्च 1979

सं० ए० 39013/3/79-ई० ए०—महानिदेशक, नागर विमानन ने कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम के श्री बी० के० केशवानी, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी का दिनांक 4 मार्च, 1979 से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

बी० बी० जौहरी
महायक निदेशक प्रशासा०

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 1/183/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एनडार्य मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री बी० ए० राव को तदर्थ आधार पर अल्कालिक रिक्त स्थान पर 23-5-78 से 6-7-78 (दोनों दिनों

निदेशक, नागर विमानन (मुख्यालय) में कार्यरत निम्नलिखित तीन महायक निदेशकों (संचार) की तदर्थ नियुक्ति को 31-5-79 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है—

1. श्री आर० ए० अजमानी
2. श्री के० रामलिङ्गम
3. श्री एच० बी० सुरदर्शन

सं० ए० 32014/5/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री बी० के० बीवनी, तकनीकी महायक, वैभानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 19-2-79 (पूर्वाह्न) से महायक तकनीकी अधिकारी के ब्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 38013/1/77-ई० सी०—निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, नागर विमानन विभाग के वैभानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है—

क्र० सं०	नाम एवं पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख
1.	श्री आर० ए० राघवन, सहायक संचार अधिकारी	वैभानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-4-78 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एन० बी० नव्यर, महायक तकनीकी अधिकारी	वैभानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-5-78 (पूर्वाह्न)

समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशासा०)
कूले महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक मई 1979

सं० 4/79—श्री बी० ए० देमाई ने, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक एकक में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) युप 'ब' के पद से वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर दिनांक 28-2-79 को (दोपहर बाद से) उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम० बी० ए० राव
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क समाहतलिय

भुवनेश्वर, दिनांक 5 मार्च 1979

सं० 4/79—गदोन्नति होने पर श्री सुरेन्द्र नाथ पात्र, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क निरीक्षक (सीनियर ग्रेड) भुवनेश्वर हेडक्वार्टर्स में स्थानापन्थ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क (श्रेणी 'ब') पदवी का दिनांक 21-2-79 को कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 5/79—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के भुवनेश्वर हेडक्वार्टर्स में स्थापित हुए निम्नलिखित अफसरों 28 फरवरी, 1979 अपराह्न में इस विभाग में प्रवारपर लिये:—

अफसरों का नाम	पदनाम और जिस स्थान से प्रवारपर लिये
1. श्री लिंगराज रथ	प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क समाहतलिय, भुवनेश्वर।
2. श्री ब्रह्मानन्द पात्र	अधीक्षक वर्ग 'ब', केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क समाहतलिय, भुवनेश्वर।
	पात्र० वुम्बोथांग समाहता केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क भुवनेश्वर

पटना, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० II (7) 2-स्था०/79/2793—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहतलिय, पटना के स्थानापन्थ मुद्दों नेतृत्व अधिकारी श्री सी० डी० तिवारी अपने सेवा की आयु पूरी कर दिनांक 31/1/79 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हुए।

डी० के० मरकार
समाहता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और महानातुर ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1979

सं० 4393/560(5)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि महानातुर ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काठ दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो गयी है।

मी० अच्युतन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 तथा दि
दक्षिण भारत अलकाली कार्पोरेशन लिमिटेड के विषय
में

(कम्पनी अधिनियम, 56 की धारा 445)

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1979

सं० 4379/लिक्व०/445/77—एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 97/1976 में उच्च न्यायालय, मद्रास, की फाइल पर दिये गये दिनांक 24-11-1977 के अदेश द्वारा कम्पनी दि दक्षिण भारत अलकाली कार्पोरेशन लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पांडिचेरी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 13 मार्च 1979

सं० 134/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुमरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर "पांडिचेरी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल नाम दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आमफलो मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/11/जुलाई-51/2662/
78-79/6717—अत्. मुझे, आर० बी० ए८० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

झीर जिसकी सं० एच०-55 है तथा जो राजौरी गाँड़न, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व स्पष्ट
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 19-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत म प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या घर्या प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात्:—

1. श्री सोहन लाल महगव, मुपुत्र श्री भगत रामजी
सहगल, निवासी मकान नं० 1, रोड नं० 61,
पजाबी ब्रांग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह कालसी, मुपुत्र श्री सरदार बीर सिंह
कालसी, निवासी एन०-6, रजौरी गाँड़न, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 197. 4/10 वर्ग गज
क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है। प्लाट का नं० एच०-56 है,
राजौरी गाँड़न, बमागदारापुर गांव, दिल्ली राज्य में निम्न
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० एच०-56

पश्चिम : प्लाट नं० एच०-54

उत्तर : प्लाट नं० एच०-17 तथा 18

दक्षिण : रोड ।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज- , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०

शायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आमकाली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/जुलाई-37/2712/
78-89/6718/17-3—यतः मृगे, आर० बी० ए८० अग्रवाल,
शायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जियकी मं० एच०-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूली में पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16)
के प्रधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित भवी लिया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी धार्य की बाबत 'उक्त
भ्रष्टिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में करने या उससे उच्चने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धार्य पा किसी धन या मन्य प्रास्तियों
को जिसे भारतीय शायकर भ्रष्टिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भ्रष्टिनियम,
या उन्कर भ्रष्टिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपरामे
में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त भ्रष्टिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, ये, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-व की
उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री राम लाल चावला, मुपुन्न श्री नाथु गम नावला,
निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. लेडी डाक्टर मरोज गुलाटी, पत्नी डा० जीतेन्द्रा
मोहन गुलाटी, निवासी एच-60, कीर्ती नगर,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटो पदों का, जो उक्त
भ्रष्टिनियम के प्रयोग 20-क में
परिभ्राष्टित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस प्रायाध
में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० एच-60 का 1/2 अविभाजित हिस्सा जोकि
पहली मंजिल पर है का क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (कुल 300
वर्ग गज) है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित
है:—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लाट नं० एच-59 पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० एच-61 पर मकान।

आर० बी० ए८० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , दिल्ली-1

4/14क, आसफाबाली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/II/जुलाई-38/78-
79/2711/6718/17/3—यतः मुझे, आर० वी० एल०
अग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एच-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पात्र गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बदेश से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या, किया जाना चाहिए या, प्रियांत्र में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—

1. श्रीमती मुधा शनी, पत्नी श्री राम लाल चाहला निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री डा० जीनेन्द्रा मोहन गुलाटी, सुपुत्र श्री जी० एल० गुलाटी, निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ऐसी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अवधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० एच-60 की पहली मंजिल का 1/2 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (कुल 300 वर्ग गज) है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लाट नं० एच-59 पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० एच-61 पर मकान।

आर० वी० एल० अग्रवाल,
मक्षम प्राधिकारी,

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोद्दर :

प्रकाश ग्राही ० श्री० एन० एस०---
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/ जुलाई-35/2714/
78-79/6718/—यह सुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० एच-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्वव्य से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भागीदीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको)
और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिहा जाता जादिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अपार्त:—

३ ६G/79

1. श्री मति बेद प्रकाश गान्धी जनी श्री जय राय गान्धी,
निवासी 16/25, ईम्ड पटेल नगर, नई दिल्ली।
(प्रत्यक्षक)
2. श्रीनारायण गुप्त नाना पता ना. १३१, निवासी
ठी-७५ न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के म-व्यवहार में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० एच-60 की पहला मजिल जिसका क्षेत्रफल
150 वर्ग गज (कुल 300 वर्ग गज है), कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में निम्न प्रकाश से स्थित है:—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लाट नं० 59

दक्षिण : प्लाट नं० 61

श्रीर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१
तारीख . 17-3-1979
मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली - 1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/जुलाई-36/2713/
78-79/6718/—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एच-60 है, तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यक्षिती-
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण निवित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री राम लाल आवला, सुपुत्र श्री नाथु राम आवला,
निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० जीतेन्द्रा मोहन गुलाटी, सुपुत्र श्री जी० एल०
गुलाटी, निवासी एच-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्समांदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद नं० एच-60 का 1/2 अविभाजित हिस्सा जोकि
पहली मंजिल पर है का क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल
300 वर्ग गज) है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लाट नं० एच-59 पर मकान

दक्षिण : प्लाट नं० एच-61 पर मकान

आर० बी० एल० अग्रवाल
संथान प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1989

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफाबादी मार्ग

नई दिल्ली, दिनांक 77 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/जुलाई-137/2857/
78-79/6718—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० के-1/29 है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-7-1978 को

पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दहृ
प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रक (मन्त्रकों) और मन्त्रिती
(मन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) मन्त्रण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

1. श्री आत्मा राम गर्ग, सुपुत्र श्री राम स्वरूप गर्ग,
निवासी के-1/29, माडल टाऊन, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देवी गुप्ता, पत्नी श्री दलीप सिंह
गुप्ता, निवासी के-1/29, माडल टाऊन, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमेंटेशन :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 282 वर्ग गज है, और
नं० 29, ब्लाक नं० के-1 है, निवासी कालौनी माडल टाऊन,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० के-1/30 पर ब्लिंडिंग

पश्चिम : प्लाट नं० के-1/28 पर ब्लिंडिंग

उत्तर : रोड़

दक्षिण : प्लाट नं० के-29 पर ब्लिंडिंग।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई विल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

दोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भास सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, दिल्ली-1

4/14 क, आमफथनी मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1979

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/II/जनाई-82/2589/
78-79/6718—यत मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी म० एफ-2/9 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 14-7-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी माय की बाबन, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बाने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या प्रम्य आस्तियों को,
जिन्हे सार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 के मनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्त :—

1. श्री जै० एम० गगौली, मुपुत्र श्री बी० बी० गगौली,
निवासी मकान नं० 49, कालकाजी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री सुरज भान, मुपुत्र श्री चन्द्र भान, निवासी मकान नं०
1346, कृष्ण गली, गली गुलयान, डरीबा कालन,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

3. श्री एम० क० अग्रवाल तथा श्रीमती इला बैनर्जी।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
(है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदम्ताकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20 के परिभासित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एफ-2/9 जिसका क्षेत्रफल 227.57 वर्ग
गज (272.22 वर्ग मीटर) है, निवासी कालौनी माडल
टाउन, किंगजवै कैम्प के पास, माल रोड, दिल्ली में तिम्न
प्रकार में स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० एफ2/10

पश्चिम : जायदाद नं० एफ2/8

उत्तर : जायदाद नं० एफ-3/9

दक्षिण : रोड।

आर० बी० एन० अग्रवाल
ग्राम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-3-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 28 दिसंबर 1978

निर्देश स० मी०आर० नं० 62/19202—यत्. मृगे पी०
रंगानाथन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० 132 है, तथा जो पटानदूर अगराहार गांव
के० आर० पूरम होबली बंगलूर दक्षिण तालुक-560048 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर दक्षिण
दस्तावेज नं० 1762/78-79 तालुक में रजिस्ट्रीकर्ता०
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख
21-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे पी०
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर्व (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया गया है:—

(व) प्रन्तरण प हुँ रिसी प्राय का वाचन उक्त प्राय
नियम, ने अधीन रुर देने के अन्तरकों के व्यापक
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) एसी किसी ग्राम पा. फिसी धन या धन आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
सनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम ११ धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्यात :—

1. मै० छारनू इंडस्ट्रीज और अब वाईट फील्ड हैंडस्ट्रीज
के नाम से हैं। तथा जो स० 41-43 लाखले रोड
बंगलूर-1 में है उनके पारटनर श्री बागर नागमोषण
रेप्रेजेन्ट कर रहे हैं।

(अन्तरक)

2. मै० योकेब इवडिया लिमिडेड वाइट फील्ड रोड,
बंगलूर-560048।

(अन्तर्निती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त नहीं होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होता, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1762 ता० 21-7-78)

3755.65 स्क० मीटर खाली जगह जो सर्वे स० 132
पटानदूर अगराहार गांव के० आर० पूरम होबली बंगलूर दक्षिण
तालुक और उसके साथ 393.50 स्क० मीटर घर बना हुआ
है।

पूर्व : श्रीनिवासा स्टेट (पी) लिमिटेड की सम्पत्ति जो
अलग दस्तावेज से।

परिज्ञम : वही

उत्तर : सर्वे स० 135

दक्षिण : सर्वे स० 131।

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी

ग्रामीक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर।

नारीख : 28-12-1978

मोहर :

प्रलम्प आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

निवेश सं० सी०आर० नं० 62/19204/78-79/एक्य०/

भी—यतः मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 132 है, तथा जो पटानदूर अगराहर गांव के० आर० पूरम होबली बंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ट अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर दक्षिण तालुक दस्तावेज सं० 1761/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-7-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. मैसर्स श्रीनिवासा एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड जो उनके डाइरेक्टर रेप्रेस्ट कर रहे हैं पता सं० 74, नरासिम्हराजा रोड बंगलूर-560002।

(अन्तरक)

2. मैसर्स यूकेन इंडिया लिमिटेड वाइट कीलड रोड बंगलूर-560048।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

(दस्तावेज सं० 1761/78-79 ता० 17-7-78)

19514.35 स्क० मीटर खाली जगह जो सर्वे सं० 132, पटानदूर अगराहर गांव के० आर० पूरम होबली बंगलूर दक्षिण तालुक में है।

बौनडारीस पूर्व: गांव का रोड़

12265.69 पश्चिम: छारलू इंडस्ट्रीज की सम्पत्ति जो स्क० मीटर मैसर्स इंडियाने अलग दस्तावेज से ली है।

उत्तर: सर्वे सं० 135

दक्षिण: सर्वे सं० 131

7248.73 पूर्व: छारलू इंडस्ट्रीज की सम्पत्ति जो याकेन इंडिया ने अलग दस्तावेज से ली है।

पश्चिम: श्री एम० रामचंद्रन सम्पत्ति

उत्तर: सर्वे सं० 135

दक्षिण: सर्वे सं० 132।

पी० रंगनाथन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 28-12-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/19412/78-79/एक्य०/
बी—यतः मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 98/1 है तथा जो VI मेन रोड मल्लवरम,
बैंगलूर-560003 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज सं 1543/78-79
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 5-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के प्रनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिसूचियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सी० अन्नमौली
(2) श्री सी० अशोक सं० 112-ए, 11 क्राम रोड,
मल्लवरम, बैंगलूर-560003।
(अन्तरक)

2. श्रीमती एच० आर० सुनदा पत्नी श्री रंगास्वामी, सं०
116, मागडी रोड, धोरड रोड, बैंगलूर-560040।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1543/78-79 नं० 5-7-78)

धर सम्पत्ति और जो क्यू० जमीन तथा जो सं० 696
बी और नया सं० 98/1, मेन रोड मल्लवरम बैंगलूर-
60003 (डिवीजन सं० 4)।

पी० रंगानाथन

सभाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 31-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1979

निर्देश स० सी० आर० स० 62/19973/78-79/प०
सी० क्य०/बी—यतः मुझे पी० रंगनाथन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० 79/4 है, तथा जो 10 फ्लॉर, मागडी रोड,
बैंगलूरबृ23 में स्थित है (और इस से उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
राजाजी नगर, बैंगलूर दस्तावेज स० 1132/78-79 में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, तारीख
4-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बात, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या घन्य प्रासिनियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देमू रामप्रानजातेयेलू स० 770, ब्लाव,

राजाजी नगर, बैंगलूर-5600101

(अन्तरक)

2. श्री डी० आर० मतां माटनग ने गरडियन ऑमती
डी० आर० अमवथमा 770, ब्लाक, राजाजी
नगर, बैंगलूर-5600101

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ है, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1132/78-79 तारीख 4-7-1978)

घर सम्पत्ति दक्षिण ओर पर है स० 79/14 तथा जो 10
फ्लॉर मागडी रोड डिवीजन 13 बैंगलूर-23 में है।

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 31बी-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० डी० एन० एम०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सदृश्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1979

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/19988/78-79/एक्य०/
बी—यतः मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 79/4 है, तथा जो 10 काम मागड़ी रोड
बैंगलूर डिवीजन-13 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर्स अधिकारी के
कार्यालय राजाजी नगर, बगलूर दस्तावेज सं० 1197/78-79
ना० 11-3-78 में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख 11-7-1978 को

मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
अधीन निम्नसिद्धि अधिकारी अर्थात्:—

4—6GI/79

1. श्री देसू रामआनजानेलू सुपुत्र देसू नारायणस्वामी
चडी सं० 770, V ब्लाक, राजाजी नगर, बैंगलूर-
101
(अन्तरक)

2. श्री डी० आर० नातेष बाबू माइनर सुपुत्र देसू रामआन-
जानेलू में गारडियन श्रीमती डी० आर० असव-
यमा सं० 770, 5 ब्लाक, राजाजी नगर, बैंगलूर-
101
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यालयां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भवात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी भन्य अस्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के त
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क्रमावेज सं० 1191/78-79 ना० 11-7-78)
वर सम्पत्ति तथा जो पश्चिम ओर पर है जिसका
भन्स्पील सं० 79/4 है परा 10 काम मागड़ी रोड, बैंगलूर-
डिवीजन-13।

पी० रंगनाथन
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 31-1-1979

मोहर :

प्रकल्प आई०टी०एम०एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
289-प (1) के प्रधानी सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलर

बैंगलर, दिनांक 1 फरवरी 1979

निर्देश सं० नं० सी०आर० 72/230360/78-79/प्रश्न०
 दी—यतः मुझे पी० रंगनाथन
 भायकर ग्रन्थिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त ग्रन्थिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य
 के ग्रन्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी म० न० 227/26, 39 है, तथा जो 'सी' कास
ब्लाक, जयनगर, बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपायद्र
श्रान्तुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जायनगर, बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कफ़ के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और भूते यह विवाहास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तररक्षे) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अम्तरण से हुई किसी प्राय की वादत उससे अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमाणरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी भाष्य या किसी सम या अन्य आहितयें
को, जिन्हे भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगात्मक
अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आहिए या, लिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 200-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 200-ए की उपलारा (1) अघीत, विस्त्रित व्यवस्थों, अवशि ।—

1. श्री जे० एच० एम० खाल्या मुपूत्र हीराचंद, न०
226/39, सी कास, 5 ब्लाक, जयनगर, बंगलुरु।
(प्रतिरक्त)

२. श्रीमती जयलक्ष्मी कृष्णन, पत्नी श्री के० सी० कृष्णन
 नं० १३०, मुवेता स्ट्रीट, अव्वासबाद, तेहमन, इमर
 रिप्रोजेटड वाय हर जी० पी० ए० होल्डै, श्री गम० ५०
 बैंकटवरन सुपुत्र अप्पावोरै अव्यर, नं० १२/१०,
 विश्वेश्वरम्प्या लोअर ४ ब्लॉक, पूर्व जयनगर, बंगलूरु।
 (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्वय समिति के अधिकारी के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थात् के संबंध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूल्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपीकरण :—इसमें प्रभुकृति सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधानियम के अध्याय 20वें में परिभाषित हैं, वहीं पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रदर्शनी

(दस्तावेज सं० 1170/78-79 ता० 10-7-78)

मारा सम्पत्ति का नं० 227/26, 39 'सी' काम , 5
ब्लॉक, जयनगर, बैंगलुर - 11।

उत्तर : रोड

दक्षिण : खाली जगह का नं० 238

पर्व : खाली जगह का नं० 228 और

प्रथित्यसः दोह ।

पी० रंगानाथन
सक्षम अविकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञत रजौ बगालूर

तारीख : 1/2/79

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1979

निर्देश सं० मी०आर० 62/20060/78-79/पक्य०/बी—
यतः मुझे पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1389ए/52 है तथा जो बुल्ल टेपल रोड, पूर्व बंगलूर-19 में स्थित है (और इससे उत्तरदू प्रन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, बम्बन गुडी बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के पश्चीम कर देने के प्रत्यारक के बायित्य में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी घन पा अथवा आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था पा पा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्चात् :—

1. श्री तिजुण स्वामीगुल मठाधिपति अंगमठ मुद्देन-हल्लि) गविपुर एक्स्टेन्सन पेन II रोड बंगलर-19।

(अन्तरक)

2. अधिकार भारत श्री राघवेंद्र सेशा समिति (Regd.), नं० 101 आर० बी० रोड, बसवनगुडी बंगलूर-4, रिप्रेजेटेड बाई श्री एच० आर० मुक्कामण्यम आयर और श्री वाई० बी० केशवमूर्ति प्रेजीडेंट और Hon. मंत्रीटरी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अन्तर्न के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी प्राच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1044/78-79 तारीख 3/7/78)

मारा सम्पत्ति का नं० 1389ए/52 बुल्ल टेपल रोड पूर्व बंगलूर-19।

चकवंदी पूर्व: बुल्ल टेपल रोड

परिचय: खाली जगह का नं० 1388 और बी० एम० एस० कालेज

उत्तर: रोड और

दर्शकाण: बी० एम० एस० हंजीनियरिंग कालेज।

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज बंगलूर

तारीख: 14-2-79

मोहर:

प्रकाश नं. ८०००१००५६/७८-७९/एस-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
26०४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 17 फरवरी 1979

निर्देश सं. सी०आर० ६२/२००५६/७८-७९/एस००५ (बी) —
यतः मुझे पी० रंगनाथन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
26०४ (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रु. वे प्रधिक हैं

और जिसकी सं. ५६६ और है, तथा जो नया नं. १७
मजजनमत रोड, बी० वि पुरम बैंगलूर-५६०००४ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वसवनगुडी बैंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्यह
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्कं) और प्रत्यक्षिती
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय का किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की आरा 26०४ (1) के अनु-
मत में, मैं, उक्त अधिनियम को आरा 26०४ (1) की उपस्थाता
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अपत्ति :—

1. श्रीमती बी० पष्ठावसम्मा पत्नी रामदया सेट्टी नं. १७
बुर्गलमठ रोड बी० बी० पुरम बैंगलूर-५६०००४।
(अन्तरक)
2. श्री बालकृष्ण सुपुत्र श्री एस० दोडानंजप्पा नं. ५
नारायण सेट्टी पेट बैंगलूर।
(अन्तरिती)
3. (1) श्री पी० आर० भुतिरंत
(2) श्री डी० टी० नारायण मूर्ति
(3) श्री कृष्णमूर्ति
(4) श्री टी० एस० मल्लद्या मेट्टी।
(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

4. (1) श्री टी० आर० जीकटप्पा सेट्टी
(2) श्रीमती टी० एस० परिमला पत्नी टी० आर०
श्रीकटप्पा।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह समाज में हितबद्ध है)
को यह सूचना जाए कर्ता गुरुका गमानि व रंगन के
लिए कार्यवाहियां करता है।
उक्त कार्यता के प्रत्येक में कोई भी आवेदन :—
(क) इस सूचना के गत्रवत में पक्ष्यह की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से ३० दिन की अवधि, और भी प्रत्यक्षित
बाब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
में किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही अब होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1145/78-79 ता० 11-7-78)

मारा सम्पत्ति का पुराना नं. ५६६ और नया नं. १७,
मजजनमठ रोड बी० बी० पुरम बैंगलूर-५६०००४।

चकवंदी पूर्व : रोड
परिचय : श्री वेकटजंथपा सेट्टी का घर
दक्षिण : श्रीमती गिरिजमा का आस्ति
दक्षिण : श्री टुवथ्या सेट्टी का घर।

पी० रंगनाथन्

सक्षम प्राधिकारी

महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 17-2-79

मोहर :

प्रस्तुप्राप्ति दो० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269य(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० पी० आरा० 645/प० एक्यु० 23-1220/6-1/
78-79—यतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्यावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. में यथिक है और जिसकी सं० रे० स० नं० 65 खुली जमीन है तथा जो नागरवाडा कारेली बाग विस्तार बडोदा में स्थित है (अर्थात् इसमें उत्तरवाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन 1-7-78 और 4-7-1978 की पूर्वान्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिमान प्रतिफल के निए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबन, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी नन्हे प्राप्ति अन्तरिती की भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269य के अनुसरण में, ऐसे, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाईलालभाई जीमजीभाई पटेल नागरवाडा

गेट फालिया बडोदा।

(अन्तरक)

2. प्रेजीडेंट अध्यापक नगर को० आपरेटिव हाउसेंग सोसाइटी लि० मारकत: डेकोलाईट बडोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रूफोफ मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त मम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी प्रश्निय बाब्द में समाप्त होती हो, के भावतः प्रूफोफ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भावतः उक्त न्यावर मम्पति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्त्र के पास निवित में किए जा सकेंगे।

उत्तरांकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदा वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो रे० स० न० 65, नागरवाडा कोरली बाग विस्तार, बडोदा में स्थित है जिसका कुल माप 1 एकड़ 31 गुणा (पक्की) है जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बडोदा द्वारा दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2458/1-7-78 और 2458/4-7-78 में प्रवर्णित है।

प्रभा० मी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 22-1-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एम० एस०—

1. श्री गोरीण कुमार काकुभाई वार्डन रोड, सूर्योपास्टमेंटम
ब्लॉक नं० 304, बंगलॉ०-26।

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-I-1799(773)/16-6/
78-79—यतः मुझे ए० सी० परीबृ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बीमल राऊस नामक तीन मंजिल का मकान है तथा जो गोडल रोड, बैंबईगेरेस के मामते रामकोट में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 26) के अधीन तारीख 6-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपावड़ (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधानतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'बीमल राऊस' नामक मकान जो गोडल रोड, बैंबई गेरेस के मामते राजकोट में 285-5-85 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 2756/6-7-78 में दिया गया है।

एस० सी० परीबृ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 23-1-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्बनिय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1979

निक्षण स० पा० आर० 646/पर्सीक्यु-23-1253/19-2/
78-79—यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० न्लाक नं० 15, श्री चलथान चिमोग खांड
उद्योग महकारी मड़ली लिमिटेड है तथा जो चलथान रेलवे स्टेशन
के पास चलथान में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में
और पूर्णा रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कामरेज में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जुलाई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण में तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचन में मुविष्ठा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरमें, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उचितारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, प्रवाति:—

1. श्री खेडन सहकारी जिनिग एण्ड प्रेसिंग सोमाइटी, लि०
प्रेसोइंड मंगुभाई लालुभाई देसाई, पलमाना, मनेजर:
मंगुभाई भीखाभाई पटेल, बालन।
(अन्तरक)

2. श्री चलथान विभाग खांड उद्योग सहकारी मंडली लि०
प्रेसोइंड: ठाकोर भाई नरोत्तमभाई पटेल खांभासाला,
डि० सूरत, मनेजिंग डायरेक्टर: भानु प्रसाद छोटा
लाल ज्ञा, चलथान।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्बन्धि के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों
में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ अविक्षित द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

विवरण:—इसमें प्रदूषन शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही मर्यादा होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

न्लाक नं० 15 चलथान रेलवे स्टेशन के पास, चलथान
जिला सूरत में स्थित जमीन और मकान जो 6 एकड़ 6 गढ़ा
जमीन पर स्थित हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कामरेज
द्वारा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 183/78 में प्रदर्शित है जो
दस्तावेज 15-7-1978 के परखवाड़े में दर्ज है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 2-2-979

मोहर:

प्रकृष्ट श्राईं टी० एन० एम०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1979

निवेदण सं० पी० आर० 647/ए सी० क्य० 23-1254/19-7/
78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

ओर जिसकी मं० 127 में से 96-97 हैं तथा जो सुलतानाबाद, झुमस के पास, सूरत में स्थित है (ओर इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिक्षी बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों अवधि :—

1. श्री विमललाल मूलचन्द रेशमवाला चन्द्रकांत मूलचन्द रेशमवाला, नवापारा गोलवाड़, फरीरा पुजा नीं घोरी, सूरत।
(अन्तरक)

2. श्री गोविंदभाई जाहियाभाई पटेल, गांव भीमपोर, ता० चोरियासी, जिला सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सर्वे नं० 96, 97 सुलतानाबाद, झुमस के पास, जिला सूरत में स्थित है जसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा 17-7-1978 को दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3084 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस्—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1079

निवेद सं. पी० आर० 648/एसी-क्यू 23-1255/6-1/
78-79—यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयर
से प्रधिक है

और जिसकी सं० नं० 335/18 है तथा जो दिघबाई माता
रोड, प्रताप नगर, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन 21-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रमाणण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रधारण निवित में शास्त्रिय रूप से कठिन नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा को बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रस्ताव के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आत्मियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अविक्षयों, अवैत् ;—

5—6G1/79

1. श्री मंजूला पूतम चन्द शाह, बोटम विल, 41 पालीहिल
रोड, बादा (पश्चिम) बम्बई-400050।
(अन्तरक)

2. ममर्स शांति पार्क को० आ० हाउसीग मोमायटी न्य०,
मारफत: निर्माण कम्लटेन्ट, 17, गोकुल मोमायटी,
प्रतापनगर, बड़ोदा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी
अविक्षय द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यय अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 335/1 वी मिघबाई माता रोड,
प्रतापनगर, बड़ोदा कसबा, बड़ोदा में स्थित है और जिसका
कुल माप करीब 1 एकड़ 1 गुथा है जो 43.674 वर्ग फुट
के बगबर है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बम्बई द्वारा दर्ज
किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० आर०-671/78 में प्रदर्शित
है।

एस० सी० परीख
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 2-2-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1979

निदेश सं० ए०सी० क्य० 23-1/1889/1-I(पी०आर० 777)/78-79—यतः मुझे प्र० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 66-2-2-टी०पी० ए०स० नं० 20 ए०फ० पी० न० 167 पैकी लाट न० 2 है तथा जो मीठाखड़ी एलियाड चंगीसपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपागढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ;—

1. श्रीमती मुवता गौरी, जेठालाल वृचराम ई की दर्ता; कैलाश कुंज गोमायटी, लाल बंगले के पीछे, गलिग त्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 (1) श्री श्रविद चतुलाल शाह
(2) हेमेश्वर चंद्रलाल शाह पांजरापोल, रिलीफ रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो सं० न० 66-2-2 ए०फ० पी० न० 167 पैकी सब-लाट न० 2 टी० पी० ए०स० न० 20 मे 419 वर्ग गज जमीन पर स्थित है और मीठाखड़ी एलियास चंगीसपुर, एलियास त्रिज, अहमदाबाद में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदाबाद द्वारा दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4437/जुलाई 1978 मे प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राईंट टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1979

निदेश सं० पी० आर० 644/ए०सी वयु० 23-1195/
19-8/78-79—यतः मुझे प्र० सं० सी० परीक्ष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ने अधिक है।

और जिसकी सं० सं० नं० 195, उधना जिला सूरत है तथा
जो मुगर डार्हग लेन, बेस्ट चेनलम के सामने सूरत म स्थित
है (और इसमें उपावड़ अनुसुचि में और पूर्ण स्प से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन 11-7-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(र) प्रभारण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी हिसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभारित:—

1. श्री हरीनाल धाकड़ी लीमजा झेरा, हरिपुर, सूरत।
(अन्तरक)

2. श्री ग्रहण कुमार नारनदास निवेदी अर्धान नरान
दाम शाह वसत गांडाभाई चपतथाला 11-किरण
एपार्टमेंट्स, अठवागेट, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

जमीन और मकान जो सं० नं० 195 उधना, जिला सूरत
(उधना से लगभग 4 कि० मी० दूर मुगर डार्हग लेन के पास,
बेस्ट चेनलम के सामने) स्थित है जिसका कुल माप 1076-90
वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा जुला
1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकर विलेख नं० 3031 में
उदर्दिश्यत है।

एस० सी० परील
सभम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख: 15-1-1979
मोहर :

प्रकाश प्राईटी टी.एन.एस. 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं. ए. सी. क्यु-23-1-1806(779)/16-1/
78-79—यतः मुझे एम. सी. परीख,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 56 गंगासीनेमा प्रख्यात सीनेमा
थीटेटर (15% हीस्मा) दुनाने महिने है तथा
जो भाकुंभाजीपरा, धोराजी, जिला राजकोट में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1978
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की वावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
आया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
प्रत्यक्षरूप में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की
उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवक्तुः—

1. श्री महेंद्री हरीभाई बुधवानी खाकरापुर, धोराजी
जिला-राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीलावती हीराजी राधीया बीरा स्टोर्स मारकत
कार्फॉर्म आरकेट वर्स्ट्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या स्तरांतरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही प्रथम हीगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुनाने सहीत मकान जो प्लाट नं. 56 में स्थित है तथा
गंगा सीनेमा नाम से प्रख्यात है (पैकी जमीन जिसका अकेलफल
3562-7-6 वर्ग गज है) (15% हीस्मा) जो भाकुंभाजीपरा
धोराजी जिला राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
धोराजी द्वारा बिक्री दस्तावेज नं. 489/7-3-1978 से
रजिस्टर्ड किया गया है याने जिसमें प्राप्ती का पूर्ण वर्णन दिया गया
गया है।

एस. सी. परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

तारीख: 9-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी-एन-एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० प० सी० क्य०-23-I-1807 (780)/16-1/78-
79—यतः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० ल्लाट न० 56 गंगा मिनेमा नाम से प्रख्यात
थीपेटर (15% हिस्मा) दुकाने स्थित है तथा जांआकुंभाजीपरा
धोराजी जिला राजकोट में स्थित है (ओर इसमें उपावड्ह अनु-
मूल्यी में और पूर्ण मूल्य में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय धोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन 7-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरग में दुई हिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उमं बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवक्षियों प्रष्ठातः—

1. श्रीमती कुलसुम एम० धारानी गलेवसी सिनेमा
मारकत धोराजी जिला राजकोट।

(अन्तरक)

2 श्री नरेन्द्र लीलाधर थीरा स्टोर्स मारकत आकर्ड
मार्केट बम्बई।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान गंगा भीनेमा नाम से प्रख्यात और दुकाने सहित
प्लॉट न० 56 में (वैकी जमीन 3562-7-6 वर्ग गज क्षेत्रफल
वाली) (15% हिस्मा) जो आकुंभाजीपरा धोराजी जिला
राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धोराजी
द्वारा बिक्री दस्तावेज न० 488/7-7-78 रजिस्टर्ड किया गया है,
याने जिसमें प्राप्ती का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीख
मकान अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

आजंन रेज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1979

निर्देश मं० ए० सी० क्य० 23-2-1800(784)/16-6/78-
79—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ड० में अधिक है।

और जिसकी सं० नाला में खुला प्लाट है तथा जो के बड़ाबाड़ी
मेन रोड, केनाल रोड के पास राजकोट में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यारोपण में दुई छिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिसी आय पा छिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पा किया जाना चाहिए या, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, पर्याप्त :—

1. श्री मोहनलाल नरणीभाई टंकारीया अम्बई के।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रमागौरी मनसुखलाल टांक 7, लक्ष्मीवाड़ी,
राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवालियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नाला में खुली जमीन प्लाट जिसका थेनफल 245 वर्ग-
गज है जो के बड़ाबाड़ी मेन रोड केनाल रोड के पास राजकोट
में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज
नं० 2767 जुलाई 1978 में रजिस्ट्री किया गया था यानि उसमें
मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आजंन रेज 1 अहमदाबाद

तारीख: 23-2-1979
मोहर:

उक्त प्राइवेट टीएन० एम०-----

1. श्री मोहनलाल मंत्रीभाई टंकरीया बम्बई के।

(अन्तर्गत)

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

निर्देश मं० ए०सी०ब्य० 23-1-1800(785)/16-6/
78-79—यतः मुझे एम० सी० परीक्षा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० नामा में खुला भार है तथा जो केवडाडाडी
मेन रोड केनाल रोड के पास राजकोट में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् अन्तिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में,
में उक्त प्रधिनियम, को धारा 269 वा की उपाया (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अधारतः :—

2 श्री मनमुखलाल नरेशीभाई टाकरीया बम्बई के।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी
अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा अधीक्षणीय के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नामा में खुली जमीन का 'लाट जिसका क्षेत्रफल 245
वर्ग गज है जो केवडाडाडी मेन रोड केनाल रोड के पास
राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा
ब्रिक्षी दस्तावेज नं० 2766/जुलाई 1978 से रजिस्ट्री किया गया
है याने उसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीक्षा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीखः 23-2-1979

मोहरः :

प्रकृष्ट आई० टी० एस० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश नं० ए०सी०क्य० 23-I-1904(791)/1-1/
78-79—यत् मुझे एस० सी० परीख
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी नं० एफ० पी० नं० 94 सब-फ्लॉट नं० 3 टी०
पी० एम० 19 है तथा जो उसमानपुरा नवरंग हाई स्कूल के
पीछे अहमदाबाद में स्थित है (ओर डमसे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908वः 16)
के अधीन 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से मुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के व्यधीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में कमी करने
वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षता
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अविषयों, अर्थात् :—

1. श्रीमती डाक्टरेन मानेकलाल ठोटालाल की विधवा
लाल वर्वा नो टिम्बो दरियापुर अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. मैमके जगन्निर्माण को० आ० हाउसीग सो० लि० की
ओर मे—

चैयरमैन : गिरीशभाई मगनलाल भानानी
पथिक सोमाईटी नारनपुरा अहमदाबाद
मेकेटरी भीखालाल कान्तीलाल शाह जननी पोन
मांकडीषोरी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति, यदि कोई
हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वये व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो एक० पी० नं० 94 सब-फ्लॉट नं० 3
टी०पी० एम०-19, उमानपुरा, नवरंग हाई स्कूल के पीछे,
अहमदाबाद में स्थित है जैसा कि 31-7-1978 को दर्ज किये
गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7511 में प्रदर्शित है (जिसका
कूल माप 2100 वर्ग गज है)।

०८० सी० परीख

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1979

मोहर :

प्रमुख प्राइवेटी ० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस० आर० करवीर/नोट० 78/419—यह: मुझे श्रीमती पी० ललवानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एग मर्व० क० 1325/204 है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्हापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6-6GI/78

1. मैंने न्यू युनाइटेड हिन्दौनियरिंग वर्क्स पार्टनर्स (1) श्री गोपाल दत्तामय चहाण ज्लाट क० 8, प्रतिभानगर, आर वार्ड कोल्हापुर
(2) श्री पांडुरंग गोविंद पाटील, हौय क० 2508 ए वार्ड कोल्हापुर।

(अन्तरक)

2. घंटकांत केशवराव जाधव 2267, बी० वार्ड कोल्हापुर:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्धेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुकड़ी जिला कोल्हापुर, पोट तुकड़ी, तहसील करवीर इ. वार्ड, उद्यमनगर कोल्हापुर, सीटी मर्व० क० 1325/204 शेन्कर 245 वर्ग मीटर (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेव न० 2795 दिनांक 3-11-78 को सब रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-3-79

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

फ्लाट श० 31, भावकर, भवन, गणेश खिड रोड

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० ५/एम० आ० ८० सोलापुर/दोनोई-७८/
४१८—यत् भूमि, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिम्मी सं० सीटी संब० ८६३६ थोव ७८ है तथा
जो सोलापुर में स्थित है (ग्रा० छगगे उपाबद्ध अनुसूची में ओर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालय
मध्य रजिस्ट्रार सोलापुर रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 1-11-78
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथातौक्षित सम्पत्ति ना उचित बाजार
मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रतिशत (प्रतिशतों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पारा गए गोठन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किमी भाय की बाबन उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उसमें बचने में मुश्यिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्यिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लक्ष्यारा (1)
अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, पर्यातः:—

1. श्री अब्दुल वारिन
2. श्री प्रद्वृत वार्मी
3. श्री अबु जुहर
4. श्री अहमद अरजजि शेख
5. रेनवे लाइन्स मोलापुर।

(अन्तरग)

2. 1. श्री नंदकुमार
2. श्री गजाराम
3. श्री प्रकाश भिकाजी
4. श्री पंतोप व्यक्टेश भिकाजी
5. श्रीमती अनावाई भिकाजी रेवणकर, 98
गोल्डफिल्ड मेठ मोलापुर।

(अन्तर्गत)

को प्रदृश सूचना जारी करके पुर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाद्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्षति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इच्छाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हाया जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मीटी पर्व नं० 8636, होम श० 98, गोल्ड फिल्ड मेठ,
मोलापुर शेवकल-461 4 वर्ग मीटर (जैमे की रजिस्ट्रीकृत
विनेक्र नं० 2138 दिनांक 1-11-78 को भव-रजिस्ट्रार मोला-
पुर दफ्तर गे लिखा है।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

नामिक्र 7-3-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, पुना

पुना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश मं० मी० प० 5/एग० आर० मिवडी/साटे 78/423—
यतः मुझे, श्रीमती पौ० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण दे
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी मं० गवर्नर नं० 131 हिस्सा नं० 1 है, तथा, जो
मिवडी में स्थित है (और इसमें उपावढ़ यनुसूची भी और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एग०
आर० मिवडी में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 1-9-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यदृ विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पब्लिक प्रतिशत से अधिक है
और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) प्रन्तरण से दूरी जिसी आय को बाजार उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिनियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्जतः :—

1. श्री कुट्टमल रमेश जैन प्र० एड श्रादमं भिवंडी, ला०
ठाना।

(अन्तररु)

2 श्री अमृतलाल गनमल दोडिया मन प्र० गनमल
दोडिया कर्म प्र० मैमर्म गनमल एत० दोडिया
मिवडी।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीत के लिए
कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीत के लिए मैं होइ मी ग्राहनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्यास्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भे मे
किसा व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, गधोहस्ताक्षरी के पास निवित
में किए जा सकें।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, या प्रधानीकरण 20-क में परिभासित है,
इडा पर्यं होगा, जो उस प्रधानीकरण में दिए गये हैं।

अनुसूची

मर्वेन० 131 हिस्सा नं० 1, भिवंडी, श्रेत्रफल-1780 वर्ग
याडेस। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 739 दिनांक 1-9-
78 को सब रजिस्ट्रार भिवंडी के दफ्तर में लिखा है।

श्रीमती पौ० ललवानी,
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, पुना

तारीखः 7-3-79

मोहर :

प्रस्तुता आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रब्रह्मकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्लाट अ-31, भावकर भवन, गणेशाखिड रोड,

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निरेंग मं. भी० ए० 5/एम० आर० भिवंडी/पितम्बर-78/
421—यत् भुजे, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

ओर जिपकी मं. सर्वे नं. 131 हिस्सा नं. 1 है, तथा जो
कामतवर ना० भिवंडी में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मध्य-रजिस्ट्रार भिवंडी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-9-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है ओर भुजे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कठिन नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

1. श्री राजेन्द्र कुमार फुटरमल तर्फे फुटरमल सबमलजी
172, जैन पार्क, ब्लाक नं. 301-ए, म्यूनिसिपल
हाउस नं. 27, भायरखला मुर्बदी।
(अन्तरक)

2. मैमर्स रमल डाहिंग एण्ड प्रिटिंग वर्क्स नारपोली,
भिवंडी, ता० ठाणे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं. 131 हिस्सा अ० 1, कामतवर ना० भिवंडी
ता० ठाना (जैमे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 737, दिनांक 1-9-
78 को मध्य-रजिस्ट्रार भिवंडी इप्नर में निवा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 7-3-79
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश मं० मी० ग० 5/एस० आर० करबीर/नोहे 78/
420- यन. मुझे, श्रीमती पी० लक्ष्मीनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मीटी सर्वे न० 2094 है तथा जो कोल्हापुर
में स्थित है (ओर डमपे उपाबड़ ग्रन्तमुक्तो में आंग पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय नव-रजिस्ट्रार करबीर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः—

1. श्री यन्तन गणेश जामसंडेकर 1113-ई वार्ड स्काईस
एकेस्टेन्शन कोल्हापुर। (अन्तरक)

2. मैमसै टेबे स्टील हंडस्ट्रीज प्राइवेट लि० श्री मंदार
माधव टेबे मी० वार्ड सीटी सर्वे नं० 1355
लक्ष्मी पुरी, कोल्हापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और पिटो सर्वे न० 2094 ई० वार्ड कोल्हापुर
क्षेत्रफल -31400 वर्ग फुट
(जैविक रजिस्ट्रीकर विवेत्र न० 2873 दिनांक 9-11-78
को सव-रजिस्ट्रार करबीर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० लक्ष्मीनी,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 7-3-79

मोहर :

प्रस्तुत अई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

फ्लाट क्र० 31, भावकर भवन गणेशखिड रोड, पूना-411005

पूना-411005, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश स० सी० ए० 5/पम० आर० मिवडी/मितम्बर-78/
422—या भुजे, नीमती पौ० ललवानी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
मक्षम प्राधिकारी को यह विस्तार करने का कारण है कि स्थावर
मम्पति जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० सर्वे न० 131, हिस्सा न० 1 है तब जो नामतवार
गाव मिवडी में स्थित है (अर्थात् इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय
मध्य-रजिस्ट्रार मिवडी गे, रजिस्ट्रीरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नारंख 1-७-७८ को
पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार रूप से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझ इह विस्तार मूल्य, उनके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्वय गति ११
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षित किये जाना चाहिए तथा विविध लिखित में
वास्तविक रूप से लिखा जाना चाहिए है :—

(क) प्रत्यक्षित किया जाना का वाक्य, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायदि में उपार बताने या उपरे बताने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे लिखी आए या कियी गयी या अन्य प्राप्तियों
का जिन्हें सारलौय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
मैं, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पोटलाल फुटरमल तर्फे फुटरमल सरेमल जैन
172, मर्नीपा जैन पार्क, ब्लाक के 301 ए०
प्रृत्तिसंपत्ति होम न० 27 भायरवला मुर्बई।
(अन्तरक)

2. श्री मैमर्क कमल डाईंग गाडे प्रिटिंग वर्क्स नारपेठी
मिवडी ना० राजा।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पति के प्रत्येक के प्रत्येक में लाई प्रो प्राप्तें :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भा भवधि बाद में
ममाप्त हो गे तो, के भीतर रुपैँक्त व्यक्तियों में से निसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योत्पाता री के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :——इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के मध्यात 20-क में परिमाणित हैं, वहाँ
अर्थ होगा, जो उक्त प्रधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

नवं न० 131, हिस्सा न० 1 ना० मिवडी थोकफल
7381 वर्ग यार्डम में से 4933 वर्ग यार्डम।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 738 दिनांक 1-९-७८
की गव-रजिस्ट्रार मिवडी दफतर में लिखा है)।

श्रीमती पौ० ललवानी,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना

नारीख 7-3-79

मोहर :

प्रसूप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/
426—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० गट अ० 56 सर्वे क्र० 42/13 है तथा जो
मौजे पंचपाखड़ी में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अनुसूचित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अनुसूचित
(अनुसूचितयों) के बीच ऐसे अनुसूचित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण निष्क्रिय में
बास्तविक रूप संकरित रूप संकरित होता है।—

(क) अनुसूचित सम्पत्ति से हुई किसी प्राय की वाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसूचित के दायित्व में
इसी करने या उसमें भवन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी प्राय संतुली धन या अन्य आस्थाओं वा
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त प्रतिनियम, वा वन-या
प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अनुसूचित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
से अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती कीमलयादेवी वर्मा 15, मेफेप्र, बीर नरीमन
रोड़ मुंबई-20।

(अन्तरक)

2. मैमर्म डॉन्यू जी० फोर्ज एण्ड अलाईड हैंडस्ट्रीज क०
लि० ठाना।

(अन्तर्गत)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर
मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में बमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविकल्प में से कियी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
कियी अन्य अविकल्प द्वारा, अषोद्याक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-क में प्रथा परिभ्राषित हैं,
वहीं प्रयुक्त होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा :—गट अ० 56 सर्वे क्र० 42 हिस्मा क्र०
1/2 3 38 1/12 हिस्मा मौजे पंचपाखड़ी ना० दि० ठाना।

(जिसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 498 दिनांक 4-12-
78 को मब-रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिम्बर-78/
425—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० गट क्र० 56, मर्वे क्र० 42 है तथा जो मौजे
पंचपाँचडी में स्थित है (ग्रोर दृम्यमें उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
सब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक टेकचन्द वर्मा 6, रवीश मैन्शन, दिनेश
वाच्छा रोड़, मुर्हद-20।

(अन्तरक)

2. मैमर्स डक्लय० जी० फोर्ज गाइ अनाईड इंडस्ट्रीज क०
लि० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्वंवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा :—गट क्र० 56 मर्वे क्र० 42 हिस्सा
क्र० 1/2 पार्ट परिया 3.38 1/6 हिस्सा मौजे पंचपाँचडी,
ठा० ठाना।

(जैसे की रजिस्ट्रीकून विलेव क्र० 499 दिनांक 4-12-78
को सब रजिस्ट्रार ठाना के दफतर में निखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-3-79

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस० आर० ठाना/दिसम्बर-७८,
४२—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 56 सर्वे क्र० 42/12 है तथा जो
मौजे पंचायती में स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध ग्रन्तुमूच्ची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मब-रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)
और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए
वर्त पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम्य की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के ग्रन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन लिखित व्यक्तियों, वर्णन :—
7-6GI/79

1. श्री धर्मेन्द्र टेकचन्द वर्मा वीर नरीमन रोड, 15 मेफेश्वर,

मुंबई-20 ।

(ग्रन्तरक)

2. मैमर्स डब्ल्यू० जी० फोर्ड एण्ड ग्रलाइंड इंडस्ट्रीज
कॉ० लि० ठाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रन्तोद्धस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्तुमूच्ची

जमीन का टुकड़ा :—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42/12
पाट० एरिया 3.38 1/2 हिल्मा मौजे पंचायती ता० एण्डडी०
ठाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 497, विनांक 4-12-
1978 को मब-रजिस्ट्रार ठाना के दफतर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना,

तारीख : 16-3-79

मोहर :

प्रैरुप माई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निवेदन सं० सी० ग० 5/एस० आ॒० ठाना/दिसप्वर.८८/४३०—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० गट क्र 56, सर्वे क्र० 42 हिस्सा क्र० 1/2 है तथा जो मौजे पंचपाखड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-12-78 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और भ्रस्तरक (भ्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रस्तरण से दूर्हि किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री हरदयाल वर्मा तर्फे दीपक टेकचंद वर्मा ८, रवींद्र मेन्शन, दिनेश वाज्ञा रोड मुंबई-२०।

(अन्तरक)

2. मैसर्स डब्ल्यू० जी० फोर्ज एण्ड अलाईड इंडस्ट्रीज क० लि० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में मापाप होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन :—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42, हिस्सा क्र० 1/2 पार्ट एरिआ 3.38 1/6 हिस्सा, मौजे पंचपाखड़ी, ता० ठाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 503, दिनांक 4-12-78 को सब-रजिस्ट्रार ठाना के वफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 16-3-1979

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश स० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/
431—यत्. मुझ, श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42/ हिस्मा क्र०
1/2 है तथा जो मौजे पचपाँचड़ी में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण स्वयंपात्र है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ठाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तः—

1. श्रीमती वीरवाला रेडी 15 मेफ़अर, वीर नरीमन रोड
मुंबई क्र० 20।
(अन्तरक)
2. मैमर्स डल्लू० जी० फोर्ज अलाईड इन्डस्ट्रीज क० जि०
ठाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा.—गट क्र० 56, सर्वे क्र० 42 हिस्मा
क्र० 1/2 पार्ट एरिया 3 38 1/6 हिस्मा, मौजे पचपाँचड़ी
ता० डिं० ठाना।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 500 दिनांक 4-12-78
को सब-रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में निवारा है)।

श्रीमती पी० ललवानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 16-3-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411005, दिनांक 16 मार्च, 1979

निवेश सं० सी० ए० 5/एम० आ० सोलापूर/सितम्बर-78/
424—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है।

और जिसकी मं० सीटी सर्वे क्र० 4148 है तथा जो सोलापुर
में स्थित है (और इसमें उपाखद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरोग से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवान लाला बुलबुले 202/7 शुक्रवार पेठ,
सोलापूर।

(अन्तर्गत)

2. श्री फकीर अहमद महमद शरीफ, नाडेवाले श्रीमती
झुबेदाबाई पाणा मिया हाजी 612, मंगलवार पेठ,
सोलापूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती:—सीटी सर्वे क्र० 4148, सोलापूर

क्षेत्रफल — 68.6 वर्ग मीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2273 सितम्बर 78
को मध्य रजिस्ट्रार सोलापुर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 16-3-79

मोहर:

प्रमाण आई० टो० पृ० ३४८०-----
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
 26७८ (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश स० सी० ग० ५/एम० आर० ठाना/दिसम्बर-78/
 427—यत्. मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७८-ख
 के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
 से अधिक है

और जिसकी स० गट अ० 56, मर्वे क्र० 42 हिस्मा 1/2
 है तथा जो मौजे पचपाँचड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण स्वयं भें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय भव रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके बृह्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अतरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के अतरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिसे आस्तीय आय-कर प्राधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए,

प्रतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 26७८-ग के अनुसरण
 में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 26७८-घ को उचावारा (1)
 अधीन निम्नलिखित अवक्षितग्रंथ, अर्थात् :—

1 श्रीमती सावित्री हरदयाल वर्मा श्री दीपक टेकचद
 वर्मा, ६ वीं प्रमुखता दिनेश वाच्छा गोड मुर्वद-२०
 श्रीमती कीमत्यादेवी टेकचद वर्मा, १५ मफेअर
 वीर नरीमन गोड, वर्मे-३०।

(अन्तर्गत)

2 श्री डॉल्डू० जी० फोर्ज एण्ड अनाईड डॉल्डू० जी०
 लिं० ठाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
 सूचना की तामील से ३० विन को अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्षियों में से किसी अविक्षियत द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य अविक्षियत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
 भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

प्रनुसारी

जमीन का टुकड़ा —गट अ० 56, मर्वे क्र० 42 हिस्मा
 क 1/2 प्रिंग्रा —३ ३८ १/१२ हिस्मा मौजे
 पचपाँचड़ी ता० ठाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकून लिलेख क्र० 502 दिनाक 4-12-78
 को मब रजिस्ट्रार ठाना के दफतर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
 मक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, पुना

तारीख: 16-3-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411005, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम० आर० ठाना/दिसंबर-78/
429—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रतीत प्रत्येक अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 56 मर्व० 42 हिस्सा क्र० 1/2 है तथा
जो मौजे पंचाखड़ी में स्थित है (और इस उपावक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मध्य रजिस्ट्रार ठाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
गतिकरण के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिकी (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नियम में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ii) अन्तरण ने दुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के
शापितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(iii) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री दीपक टेक्कद वर्मा
- (2) श्रीमती मात्रिवी ब्राई द्वारा द्वारा वर्मा 6 नवीद्र
मैन्यन दिनेश वाञ्छा गोड़ मुंबई-201
- (3) श्रीमती कौसल्यादेवी टी० वर्मा 15, मेफेओर
वीर नरीमिन रोड, मुंबई-201।
2. मैमर्से डब्ल्यू० जी० फोर्ज ग्रृष्ण अलाईड इंडस्ट्रीज क०
लि० ठाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिनियमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा—गट क्र० 56 मर्व० क्र० 42 हिस्सा क्र०
1/2 पार्ट एस्ट्रिया 3.38, —1/6 हिस्सा।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 503 दिनांक 4-12-78
को मध्य रजिस्ट्रार ठाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पीसें ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 16-3-79

मोहर:

प्रस्तुप मार्ई० टी० एन० एस०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411005, विनाक 16 मार्च 1979

निर्देश स० सी० ए० 5/एस० आर० करवीर/नवम्बर 78/
423—यत्. मुझे श्रीमती पी० ललवानी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिमकी स० गट क्र० 609 है० आर० 7.58 है तथा
जो तहसील करवीर मे स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची
मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय सब रजिस्ट्रार करवीर मे, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये प्रतिफल का गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है :—

(६) उत्तरा मे इसीही रात ही बातत उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;
और/या

(७) ऐसी किसी भाय या किसी वन या अन्य आस्तिरों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्त-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
बासा आदि था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

प्रतः पृ०, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प के अनुसरण मे
मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के
प्रधीन लिखित व्यक्तियों, अवधार :—

1. श्रीमती रनजीता विष्वासगव धोरपूडे वॉर्ड १०
334, दत्तवाड हाउस, न्यू शाहपुरी कोलहापुर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री भिंगापा रत्नापा हिमगिरे
(2) श्री रामचंद्र महादेव भगदुम
(3) श्रीपाल कल्लपा चौगुले
(4) श्री चरित्र कल्लपा चौगुले, 3/4 दत्तवाड
ता० शिरोल डि० कोलहापुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अध्यन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध मे कोई भी भ्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास
लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभाषित
है, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय मे विद्या
गया है।

मनुसूची

जमीन का टुकड़ा —गट क्र० 609 है० आर० 7.58
तहसील करवीर ता० शिरोल, डि० कोलहापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 66 नवम्बर 1978 को
सब रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर मे लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख 16-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, जयपुर कार्यालय

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी, 1979

निर्देश मं० राज०/महा० आ० अर्जन/514—यतः मुझे
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० गोदाम नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण स्थ से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारी० 1-8
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, यै, जहाँ अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. कुमारी राजमा, पुत्री श्री कुरुण ब्रह्मल प्लाट नं०
ए-27, कान्तीचन्द्र रोड, बनीपांक, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री महेश कुमार, ई-8,
बनीपांक, जयपुर।
(अन्तरिती)

3. मैमर्से मेटोडेक्स मिस्ट्रम (प्रा०) लिमिटेड, जयपुर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. (किरायेदार)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोंप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुलाब पथ, चौमृ हाउस, जयपुर में स्थित गोदाम नं० 1
पर एक फ्लेट जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा नमांक 1785
दिनांक 1-8-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
में विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 29-1-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/515—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्रिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुद्रिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपलारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—
8—6GI/79

1. कुमारी राधिम बंगल पुर्खी श्री किसन बंसल निवासी ज्ञात
नं० ८१२७, कालानीनगर रोड, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्री विदेश कुमार पुर्ख श्री गोपालदाम खंडेलवाल ई-८
बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरिती)

3. ममर्म पोदार स्थानिंग मिल्स, जयपुर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्रष्टेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही भर्य होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

गोदाम नं० 1 का ग्राउन्ड फ्लोर पोरसन, गुलाब पथ, चौमू
हाउस, मरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर
द्वारा क्रमांक 1784 दिनांक 1-8-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र
में और विम्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख : 29-1-1979
मोहर :

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

प्रख्युप प्राइंटी० टी० एन० एस०—
भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/516—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम न० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अनुसूचि :—

1. कुमारी राधिम बंसल पुत्री श्री कृष्ण बंसल, प्लाट नं०
प-27, कान्तीचन्द रोड, बर्नीपार्क, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्री ओमप्रकाश एवं दामोदर पुत्रान श्रम बिलास राय
बागोरिया 144 ई, महारानी गायत्री देवी मार्केट
जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

इष्टाकारण :—इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गोदाम नं० 2, गुलाब पथ, चौमूलाउम, मरदार पटेल भाग
जयपुर पर स्थित एक फ्लैट जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा
क्रमांक 1693 दिनांक 24-7-78 पर पंजियद्व विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 29-1-1979
मोहर :

प्रकल्प प्राइंट टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/517—यतः, मुझे, हरी शकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-1978

को पूर्वोत्त सम्भाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्त सम्भाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय के बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी छन या अन्य आस्तियों को बिन्दे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. कुमारी रश्मि पुत्री श्री कृष्ण बंसल प्लाट न० ए०२७, कान्तीचन्द्र रोड, बनीपार्क, जयपुर।

2. श्री बिलासराय बागोरिया एवं श्री राजेश कुमार पुत्र श्री बिलासराय बागोरिया, ई० 144, महारानी गायत्री देवी मार्केट, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्त सम्भाति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संभाति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त सम्भितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर पोरशनआफ गोदाम न० 2, गुलाब पथ, चौमू हाउस, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर एवं जो० उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1694 दिनांक 24-7-78 द्वारा पंजियक विक्रय पत्र म और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात् ।—

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निदश स० राज०/महा० आ० अर्जन/78-79/530—यतः,
मुझे, हरी शंकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है (और इसमें उपाखड़ा अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन:—

श्री मनफूल राम पुत्र चेतन राम कुम्हार, चक सं० 6-ई छोटी

तहसील श्री गंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री ठगन लाल नागौरी पुत्र कालूराम द्वारा नागौरी
आयकर स्टोर, धान मंडी, श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य विक्रिद्धारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बीचा श्रीर 17 बिस्वा कृषि भूमि जो 6 ई छोटी श्री
गंगानगर में स्थित है और उप पंजीयक श्री गंगानगर द्वारा क्रमांक
1536 दिनांक 22-8-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 6 मार्च, 1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राइ० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निवेदण भं० राज०/महा० आ० अर्जन/78-79/531—यतः,
मुझे, हरी शंकर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिमकी भं० 31 है तथा जो श्री गगानगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्वप से वर्णित है), गजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, श्री गगानगर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रिटिश अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थि—

1. श्री मनकुल राम पुत्र श्री चेतन राम कुम्हार चक्रवाल छोटी, श्री गंगानगर

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री छगनलाल अग्रवाल द्वारा नागीरी ग्राम में, श्री गंगानगर (राज०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्धोद्दनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीघा क्षेत्र भूमि खाता न० 31, जो 6-ई छोटी श्री गगानगर में स्थित है और उप पंजियक, श्री गगानगर द्वारा क्रमांक 1745 दिनांक 14-8-78 पर पंजियक विक्रय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

हरी शंकर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

मराठी : ०-३-१९७९

मंडिर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/78-79/532—
यतः मुझे, हरी शंकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 16 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित
(और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
6-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्घ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री मनकूल राम पुन चेतन राम कुम्हार चक 6-ई
छोटी, श्री गंगानगर (राज०) । (अन्तरक)

2. श्रीमती मीना देवी पत्नी छगनलाल अग्रवाल द्वारा
नागौरी आयरन स्टोर धान मंडी, श्री गंगानगर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

किला नं० 16 की एक बीघा झुषि भूमि जो चक 6-ई
छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजियक श्री गंगानगर
द्वारा कम सं० 1744 दिनांक 6-9-78 पर पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर
तारीख : 6 मार्च, 1979
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/533—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 15 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
27-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मूल्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यरूपी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रन-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपषारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मनकूल राम पुत्र वेतन राम कुम्हार धक 6-ई छोटी,
श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

2. श्री मुस्तिर बुमार पुत्र छगन लाल श्रग्राम द्वारा
नागौरी आयरन स्टोर, धान मंडी, श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ रखता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
मूल्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीमा कृषि भूमि जो किला नं० 15, जो धक 6-ई
छोटी श्री गंगानगर में स्थित है और उपपंजियक, श्री गंगानगर
द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र सं० 1535 दिनांक 27-7-78 में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 6 मार्च, 1979
मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर कार्यालय

जयपुर, दिनांक 19 मार्च 1979

निर्देश सं० राज/महा० आ० अर्जन/537—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी मू० है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित
है (और इसमें उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़
में रजिस्ट्रीररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9 अगस्त 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अत्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अनवारी लाल पुत्र श्री बदरी चन्द जाति अग्रवाल, निवासी
हनुमानगढ़ टाउन, जिला श्री गंगानगर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मन्तो पद्मिनी श्री द्वूल मिह जाति राजपूत, निवासी
रोड़वाली, नहमील हनुमानगढ़, जिला श्री गंगानगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

12 बीघा कृषि भूमि जो चक नं० 11, एस०एल० उड्लू०
तहसील हनुमानगढ़ में स्थित है और जो उप पंजियक, हनुमानगढ़
द्वारा क्रमांक 1228 दिनांक 9-8-78 पर पंजियक विक्रम
पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर
तारीख : 19-3-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 मार्च 1979

निवेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/536—यत., मुझे,
हरींशंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित
(और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-8-1978

पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी धारा की बावत उक्त
प्रधिनियम न अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में स्थी करने या उसमें बचन में मुकिधा
नीलए, भौंर्या।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धारा की बावत उक्त
प्रधिनियम के अन्तरक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या विधा द्वारा चाहिए था, छिपाने में मुकिधा के
लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 209-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अवान् .→

9-6GI/79

1. श्री बनवारी साल पुत्र श्री बदरी चन्द जाति अन्नवाल
निवासी हनुमानगढ़ टाउन, ज़िला श्रीगगानगर
(अन्तरक)

2. श्री द्वैत सिंह पुत्र श्री खूम मिहू निवासी रोडावाली तहसील
हनुमानगढ़ ज़िला श्री गगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए लायबिलिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्पत्ति में नाई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तिगत पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर उक्तोंका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अपोन्टमेंटर (राय/प्रिलिक्षित में से किए जा सकेंगे।

लायबिलिया:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

12 बीघा कृषि भूमि जो चक नं० 11, एन० एस० डब्ल्यू०,
तहसील हनुमानगढ़ में स्थित है और उप पजियक, हनुमानगढ़
द्वारा क्रम संख्या 1227 दिनांक 9-8-78 पर पजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरींशंकर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख . 19-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइडी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० अर्जन/175/कानपुर/78-79—यतः, मृष्णे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के,
कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बावजू, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसा किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्रीमती कमला देवी शर्मा विधवा भगवती प्रसाद
शर्मा 13/387 सिविल लाइन्स जिं. कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्री राम कुमार गुप्ता विधवा द्वारका प्रसाद गुप्ता
अवधीश कुमार गुप्ता, सुधीर कुमार गुप्ता (ना०
बा०) द्वारा माता श्रीमती फूलमती देवी स्त्री स्व०
द्वारका प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम व डा० कोड़ा,
जहानाबाद जिला फतेहपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्रन के संबंध में कोई भी घाटेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, पश्चोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रत्य होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि व भवन नं० सी० 29 सर्वोदय नगर
कानपुर 70000 रुपए में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभम अधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 29-9-1978

मोहर :

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निवेदण सं० 699-ए—यतः, मूल्य, भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं..... है तथा जो..... में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इसके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नहीं गया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या हिस्सों या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशास्त्र (1)
के अधीन तिम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः:—

1. डॉक्टर वी० रंगनाथन पिता स्वर्गीय जी० बैन्कटरामा
आड्यर, सी० 198, चिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा खन्ना, श्रीमती मवीना खन्ना, श्रीमती
रीता खन्ना, 6/62 निलक नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 573 फाकादेव, कानपुर में 50,000 रुपए
में बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 74,000 रुपया
आया गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत शार्ट टी० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश मं० 726-ए-यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'जफ्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं०.... है, तथा जो..... में स्थित है (और इसपे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीलर्ड प्रधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल वे लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निर्मान-विन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में रखित रही किया गया है:—

(क) अन्तरण गहरी किसी धारा को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरको के दायित्व में कभी बदलने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए,

अन: एवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) प्रधीन निम्ननिवित व्यक्तियों वर्तन:—

1. श्री कृष्णचन्द्र पुत्र अमीचन्द्र निवासी आम व पोस्ट निहालब्रेड़ा फाजलका जिला फिरोजपुर मुख्तार आम मि० जा० श्रीमती जमूना देवी पत्नी अमीचन्द्र निवासी उक्त ग्राम निहालब्रेड़ा द्वारा मुख्तार नामा आम रजिस्टर्ड व सूरजमल एडवोकेट पुत्र चौ० खेता राम मू० आम मि० जानिन लक्ष्मीचन्द्र पुत्र हरी राम उक्त ग्राम निहालब्रेड़ा।
(अन्तरक)

2. गूजर भवन धर्मशाला हरिद्वार रजिस्टर्ड जिला सहारनपुर द्वारा चौ० भरत भिह मंत्री उक्त भवन पुत्र चौ० पृथ्वी भिह निवासी कस्बा व पोस्ट जनरेडा तहमील रुड़की जिला सहारनपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयी करना है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संवध में कोई भी प्राप्तेप :—

- (क) इस पूर्वोक्त संपत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधिया बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह संपत्ति स्थित ग्राम अहमदपुर कलड़ जिला सहारनपुर में 17,500 दारा में वेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 38,200 रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सधम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण
प्रज्ञन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 647-ग—यतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी मं..... है तथा जो..... में स्थित है (और इसमें उगावद्वय अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का मे नहीं निया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रसीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए। घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

कल: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरमें, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दुर्गा प्रसाद खागला पिना न्दू० गंगा प्रसाद जी निवासी नवन हान्ड कार्श पुरा हरिद्वार, परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की, जिला महारानपुर (अन्तरक)

2. श्री गंगा समा रजिस्टर्ड हरिद्वार जिला महारानपुर द्वारा सरदार पाननद प्रकाश गर्मी महामंत्री युक्त समा पुत्र सरदार कृपाराम निवासी मोहन० चाकलान (अन्तरियी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान स्थित रेलवे लाइन रेतन भिनेमा के पास रुपए 1,25,000 में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,60,000 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रस्तुत याई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० 725ए—यतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को ओरा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं०.....है तथा जो.....में स्थित
है (प्रौद्योगिकी उक्त अधिकारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
15-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
मिहनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बादत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के दृश्यमान वें,
उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपशारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ता:—

1. श्री सूरजमन रेड्योकेट पुत्र खेताराम निवासी ओम
व पोस्ट निवालखेड़ा तहसील फाजलका जिला
फिरोजपुर मुख्यार ओम मिं जानिन राजाराम पुत्र
चौ। राजाराम निवासी उक्त ग्राम निहाल खेड़ा।
(अन्तरक)

2. श्री गूजर भवन धर्मगाला हरिद्वार रजि० जिला सहारन
पुर द्वारा चौ। भरत सिंह मंडी उक्त भवन पुत्र चौ।
पूर्वी मिह निवासी कस्बा व पोस्ट भावरेड़ा तहसील
हड्डी जिला सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई वो आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरों व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होणा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सम्पत्ति स्थित ग्राम अहमद कडा सहारनपुर में 17,500
रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 38 200 रुपए
आंकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट दो० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 499-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आधा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं०.....है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-7-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया जाया प्रतिफल मिम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिम्नसिद्धि में कालिक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय पा किसी घन या प्रम्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की आधा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की आधा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नसिद्धि अवित्ती, पर्वतः—

1. श्री फूडनु पृष्ठ श्री दल्लु निवासी ग्राम वाजू डाकघर खास परगना शामली जिला—तुक्कफरनगर।
(अन्तरक)

2. श्री राम नारायण व राम रत्न पिता श्री राम स्वरूप निवासी ग्राम वाजू डाकौ खास परगना शामली जिला—मुजफरनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तसम्बन्धी अवित्तीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अप्रोहस्तावधीरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि नूमि स्थित वाके ग्राम वाजू पर शामली में 50,000 रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 67,500 रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सकाम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रक्ष प्राइंटी०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं 593-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं..... है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जानकाठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उत्तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसूचणा लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसूचना से तुर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भवित्व के पायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, प्रयोग्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अनुसूचित द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

यतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूचणा में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धातः—

1 श्री सोमदत्त व मदन सिंह व मंगल मिह पुक्षगण अमीन मिह निवासी व डॉ मुम्मा परगना मु० स० तहसील जानकाठ जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्री वेदपाल मिह पुत्र मलखान मिह व रघुवीरी पत्नी वेदपाल सिंह, सोहन पाल व ओमवीर व चन्द्रपाल पुत्र वेदपाल सिंह नि० हाल व डॉ मुम्मा (मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना की समीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्याद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित मौजा मुम्मा परगना मुम्मा (मुजफ्फरनगर में 35,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 8,51,600 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रध्यं प्राइंट टी० एन० एग०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 596-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकर्थ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नामीख 28-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्: —

10—6GI/79

1. श्री योगेन्द्र सिंह पुत्र गमेश्वर दयाल निवासी सम्बलहेड़ा डा० खाम जिला मुजफ्फरगढ़
(अन्तरक)

2. श्री करतार मिह पुत्र प्रीतम मिह व मु० अमर कीठि पत्नी करतार मिह व माधु मिह व उजागर मिह व महेन्द्र सिंह पुत्र कृष्ण सिंह व भगवान दास व शिव लाल पुत्र खुशी राम निवासी सम्बलहेड़ा डा० खाम जिला मुजफ्फरगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे म किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रहणाय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रहणाय मे दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित सम्बलहेड़ा मे 48,000 रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,800 रुपया आंका गयी है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
गम्भम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप्य प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1979

निर्वेण स० 595-ए—यत्, मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो मैंनिधन है (और उस उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकर मैं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

15-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरित) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री गुरेंद्र मिह पुत्र रामप्रसाद द्वारा। (निम्नलिखित)

तहूँ जानकार जिला मञ्जरनगर

(अन्तरक)

2 श्री मण्डार वरतार मिह पुत्र प्रीतम मिह, श्रीमती उमा कौर पत्नी मण्डार करतार मिह, माधु मिह, उजागर मिह, महेन्द्र मिह सुपुत्र कृपान मिह, भगवान दाम, शिव लाल पुत्र द्वारा राम निवासी मञ्जरनगर तहूँ जानकार जिला मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

संपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

कुपि भूमि मिधन गञ्जलहेड़ा जै 48,000 रुपा में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,800 रुपा आका गया है।

भगत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

तारीख 23-2-1979
मोहर

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1979

निर्देश सं० 663-ए—यह, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इस उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अंतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्ताव के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के प्रनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 69-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त

1. श्रीमती शकुन्तला रानी, रवी कुमार, विजय कुमार, सुरेन्द्र पाल विनोद कुमार पुत्र ओम प्रकाश सबरवाल निवासी 1 माउन्ट वियू कुलरी मन्सूरी (अन्तरक)

2. श्री श्रीयन्स प्रसाद जैन पुत्र कोमल प्रसाद जैन निवासी "लांग साईट" कुलरी मन्सूरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रबोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दूसारत जिसको "लांग साईट" मन्सूरी में नाम से जाना जाता है उसको 55,500 रुपए में बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,100 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 589-ए—यह, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. श्री सुखन पुत्र शिवमन सकिन सम्बलहेडा डाक-खाना खास परगना मुम्मा सम्बलहेडा जिला मुजफरनगर
(अन्तरक)

2. श्री मूलचन्द व तिरलोक चन्द्र पिसरान राम चन्द्र सकिन सम्बलहेडा डा० खास परगना भुम्मा सम्बलहेडा जिला मुजफरनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित सम्बलहेडा में 50,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 74,300 रुपया आंका गया है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री विरेन्द्र मिह पुत्र रामेश्वर दयाल निवासी सम्बलहेडा
डा० खाम जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र प्रीतम सिंह व मुस्मात श्रमरकोट
पत्नी करतार मिह, साधु मिह व उजागर मिह व महेन्द्र
मिह विगण कृष्ण मिह व भगवान दाम व शिवपाल
पुनर्गण काशी राम निवासी सम्बलहेडा डा० खाम
जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 फरवरी 1979

निर्देश सं० 594-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी मं० है नथा जो में स्थित
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानकारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-7-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के म कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी
अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तिः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्पति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताधीरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

म्पटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऋषि भूमि स्थित सम्बलहेडा में 48,000 रुपये में वेची
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,800 रुपये आंका गया
है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. कानपुर

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रकाशक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1979

निम्नें सं 685-ए—यत्, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी मं। है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, तारीख 4-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री रामा नन्द पुन्न श्री छोतर मल निवासी 111 मोहन्ला कनहैया लाल जानिव देहली गेट, गाजियाबाद (अन्तरक)

2 श्री विनोद कुमार पुन्न श्री श्याम सुन्दर लाल निवासी मकान नं 74 मोहन्ला छत्ता देहली गेट गाजियाबाद श्रीमती मरला देवी पत्नी स्व० श्री विश्वनाथ निवासी कस्बा दादर्श व हैकियत मला वनिया कुदरसी व सरकार श्री गौरी रंगकर उर्फ अजय कुमार आयु 15-16 वर्ष पुन्न श्री विश्वनाथ निवासी दादर्श परगना व तहमीन दादरी

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जागे करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मावन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्तियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर 129-190 देहली गेट गाजियाबाद में 100,000 रुपया की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,93,094 रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
महाप्रकाशक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-2-1979
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सार्वजनिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1979

निवेद 686—ए० यतः मझे भारत चन्द्र जतुर्बंदी

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिमकी में ० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखा नहीं रिया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिनियम, अर्थात् :—

। श्रा उपदेश प्रोविन्य पत्नी ग्राह० एम० संविराय सी०-110
डिफेल वालोनी, न्यू देहली
(अन्तरक)

2 श्री केवल किशन मिनल व श्री मुमाय चन्द्र मित्तल
निवासी 1716 गली मदरसा मिर जुमला, लाल कुआ
देहली-६
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सांकेतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री इमारत स्थित 128 प्रकाश इंडस्ट्रीप्ल स्टेट जी० टी० रोड, गाजियाबाद में 1,10,000 रुपए में बेची गई जिमका उचित बाजारी मूल्य 1,32,100 रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्बंदी
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख . 27-2-179
मोहर :

परम्परा प्राइंट दी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 फरवरी 1979

निर्देश सं० 864-ए—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूसरे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिगकी मं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गणितिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और, पा

(ख) एसी फिरो ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया देवी पुत्री नं० बाज चन्द्र व पत्नी डा० द्वारा कुण्डलाना साक्षिन जल्दी कोठी कालोनी पटेल नगर शहर मेरठ

(अन्तर्क)

2. दिनेश कुमार रस्तोगी 1/4 व सुमाष रस्तोगी 1/2 पिरशन व श्रीमती चन्द्रवती रस्तोगी 1/4 हिस्सा धर्मपत्नी श्री विश्वामित्र भायाय रस्तोगी 20 ए पटेल नगर शहर मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना (जारी हुके पूर्वान सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाप 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक यह सम्पत्ति न० 20-ए वी न्यू नम्बर 111 वाके जल्दी कोठी पटेल गर शहर मेरठ में 1,00,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 2,14,000 रुपया आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एस० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश मं० 358/अर्जन/कन्नोज/78-79—प्रतः मुझे
भरत चन्द्र चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि द्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नोज में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-7-1978 को

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पक्षह प्रतिक्षेप से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अत्यरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी शन या प्रत्य व्यक्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसारण में भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—6GI/79

1. श्रीमती ऐनूलरजा व पहलन रजा गुलागण अलीरजा
ग्राम वैद्यापुर पट्टी डा० कलिमापुर परगना व तहसील
जिला—फरुद्दाबाद
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र शिव कुमार मुहन्ला दिपटी डा०
छिपती परगना व तह० कन्नोज जिला फरुद्दाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रत्यंत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी सम्पत्ति द्वारा, प्रघोहस्तानरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के व्यायाम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस व्यायाम में दिया गया है।

अनुसूची

कृपया भूमि 3 मिति म्यन वैद्यापुर पट्टी डा० मलिकापुर परगना तहसील कन्नोज जिला फरुद्दाबाद 31,000 में बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 81070 रुपए श्रांका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
मक्षम अधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
तारीख : 28-2-1979
मोहर

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश मं० 374/अर्जन/भर्थना/78-79—यतः, मुझे,
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (प्रौद्योगिकी उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भर्थना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

12-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री राजाराम पुत्र बृद्धीमाल तिं० पुरावली परगना भर्थना जिला इटावा

(अन्तरक)

2. श्री माधो प्रसाद पुत्र प्रभुदयाल, श्री देवी स्त्री माधो प्रसाद मंवी पुत्र छोटू, प्रेमराम व छोटे पुत्रगण शुद्धे निवासी ग्राम पुरावली परगना भर्थना जिला इटावा (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन का लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई सी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इन्हीं करण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

कृपि सम्पत्ति खंसरा नं० 159 स्थित मौजा पुरावली परगना भर्थना जिला इटावा अंकित मूल्य 129700 है और 45000 में बेची गई।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 28-2-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 385/अर्जन/भर्थना/78-79—यतः, मुझे,
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269वा
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक हैऔर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित
है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, भर्थना (इटावा) में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 13-7-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण
में, जै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा(1) की उपलापा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असौं :—1. श्री श्याम बिहारी पुत्र रुपही निवासी बहेड़ा पो० महेवा
परगना भर्थना जिला इटावा
(अन्तरक)2. श्री बदन सिंह पुत्र हमीर सिंह निवासी बहेड़ा पो० महेवा
परगना भर्थना जिला इटावा
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यालयान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिक व्यक्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति स्थित ग्राम बहेड़ा परगना भर्थना जिला इटावा
अक्रित मूल्य 107,000 है जो कि 9,3500 में बेची गई।भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 28-2-1979

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 391/अर्जन/छिवरामऊ/78-79—यतः, मुझे
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, छिवरामऊ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में,
म उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राम कुमारी बेवा विलाम ग्राम ऐराली परगना
सकतपुर तहसील छिवरामऊ जिला फरेखाबाद
(अन्तरक)

1. श्री रमेश चन्द्र, राम प्रकाश, चतुर्भुज, मनोज कुमार
अजय कुमार ना० बा० बली सरपरस्त पुत्र गमचन्द्र
मा० ऐराहो परगना मकनपुर तहसील छिवरामऊ
जिला फरेखाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांशु शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास
लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 कित स्थित मौजा ऐराहो गना सकतपुर
तहसील छिवरामऊ जिला फरेखाबाद 22000 में बेची गई जिसका
कि उचित बाजारी मूल्य 55100 आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप मार्फ़ाइ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश मं० 412/ग्रजन/भर्थना/78-79—यतः, मृश्वे,
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो में स्थित
है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भर्थना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-8-1978

को पूर्योक्त मम्पति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उन्नित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गम्भीर
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी प्राप्त की बाबत, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता राहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति --

श्री कौशल किशोर टन्डन पुत्र जुगल किशोर टन्डन निवासी
कुंज शहर जिला इटावा
(अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार, विजय कुमार बालिग व ब्रिनोद
कुमार व प्रमोद कुमार नां० बा० पिसरान गम लखन
गुप्ता की संरक्षिका माता शकुतना देवी स्त्री रामलखन
गुप्ता निवासी होम गंज परगना भर्थना जिला—
इटावा
(अन्तरिती)

को यह सूचना द्याये करके पूर्योक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधिया हस्तमब्द्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, और भी
प्रबंधि ग्राइ में भास्त आयी हो, के भीतर उक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति 7 किनां स्थित मौजा तकपुरा परगना भरथना
जिला इटावा अंकित मूल्य 95800 है और 24000 में बीची
गई।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज, कानपुर

तारीख : 28-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० 451/अर्जन/हाथरस/79-79—यतः, मुझे,
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची और पूर्ण स्वप्न से अर्णत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में धारात्विक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य अस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाके में सुविधा
के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम प्रसाद पुत्र रामेश्वर लाल निवासी सादाबाद,
हाथरस जिला अलीगढ़
(अन्तरक)

2. श्री विश्वन स्वरूप पुत्र लक्ष्मी नरायन राधेश्याम, रामबाबू,
दिनेश कुमार पुत्र विश्वन स्वरूप निवासी सादाबाद तह०
हाथरस जिला अलीगढ़
(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी भव्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ दोगो जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसकी कि पूर्व सीमा पर मकान द्वारिकाधीश
जी महाराज का है स्थित सादाबाद में तह० हाथरस जिला
अलीगढ़ 50000 में बेचा गया जिसका कि उचित बाजारी मूल्य
153800/- रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राप्तिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 28-2-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टो० एन० एस०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, महानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1979

निवेदण सं० 411ए—यत., मुझे, भगत चन्द्र चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि
धारा 269-ष के अधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो मेरे स्थित
है (और इसमें उपावद्व अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्डी अधिकारी के कार्यालय, महानपुर में रजिस्ट्रीर्डी
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिक्षेप से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
देना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनु-
सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिमित्त अधिनियमों अन्तः:—

1. श्री नन्द हिंगो वाजोरिया, बड़ी प्रगाढ़ वाजोरिया,
एग० एन० वागला, शिव शाह वाजोरिया 125 अग्राम प्रमाद
मुकर्जी रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. मैमर्स स्टार पेपर मिलम लिमिटेड 27 ब्रावोरनी रोड,
कलकत्ता।

(अन्तर्गती)

को पढ़ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रधोड़स्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ डॉगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, बंगलो, गोडाउन तथा स्टाफ बर्टर जवालापुर रोड,
हरिद्वार रोड जवालापुर शहर महानपुर में 700,000
रुपय की बेची गई जिगान। उचित वाजारी मूल्य 9,81,670
रुपय अंका गया है।

भगत चन्द्र चतुर्वेदी
मशम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 6-3-1979

मोहर :

प्रखण्ड आई० डी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना ;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश मं० 295/अर्जन/मथुरा/78 79--यन०, मुझे,
भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिमकी मं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माट (मथुरा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 31-7-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या निमी घन या अन्य आविष्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रक्षा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्याजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवक्षिप्तों अनुसार :—

1. गुरुवर्ष ग्रह पुत्र वस्त्री फिर तिरायी माट भूला डा० माट जिला मधुग वर्षमान 17/18 विण्डमर में नहीं जन्म लेने नहीं दियती।

(अन्तरक)

2. श्री भूधर मिह, उदय मिह, श्याम बाबू पुत्रगण चिरमोली निवासी माट भूला परगणा व तहसील माट जिला मधुग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अवैत के मंदिर में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवक्षिप्तों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षिप्तों में से किसी अवक्षिप्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवक्षिप्त द्वारा अध्योहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत अवक्षिप्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित है, वही अवधि होगा, जो उस अन्तर्याम में हितवद्ध दिया गया है।

अनुसूची

द्वितीय संपत्ति रक्वा 11.93 स्थित मौजा माट भूला बांगर तहसील माट जिला मधुग 30000/- में बेची गई ग्रिमका कि अनु-मानित उचित बाजारी मूल्य 79280/- है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 7-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1979

निर्देश सं० 129/ग्रन्ति/एत्मादपुर/78--79--यत, मुद्रा,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

ओर जिसकी स० है तथा जो मेरिथत
है (ओर डमम उपावड़ ग्रनुसूची में ओर पूर्णरूप मेरिथत
है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी का कार्यालय, एत्मादपुर आगरा मेर
रजिस्ट्रीर्ड अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 15-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मेर
वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
मेर कभी करने या उससे बचने मेर सुविधा के लिए;
ओर/था

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मेर सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1)
मेर गैर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवति :—
12—6GI/79

1. ओर ग्राम कुगार पुत्र नगवान निहनिवासी नगना। हरीम
मजरा खाड़ा पो० खाड़ा परगना एत्मादपुर जिला
आगरा। (ग्रन्तरक)

2. ओर ग्रामीर गिह पुत्र भूरी मिह बालिगान नफा गिह
न० बा० पुत्र व बिलायत चोबे मिह पुत्र अंगद मिह
पिना हमीसी स्वयं निवासी ग्राम नगना धोकल मंजग
ग्राम खाड़ा, पो० खाड़ा परगना एत्मादपुर, जिला
आगरा।

(ग्रन्तरकी)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रमेय
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रमेय के प्रबन्ध मेर कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबन्ध या तस्वीरन्वयी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबन्ध, जो भी
प्रबन्ध बाद मेर समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों मेर से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेर हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित
मेर किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमेर प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मेर परिभ्राष्टिय हैं, वही
पर्यंत होगा जो उस अध्याय मेर दिया गया है।

ग्रनुसूची

हुपि भूमि खमरा नंवरी 1289 ग्रिह ग्राम खाड़ा परगना
एत्मादपुर जिला आगरा 82000 मेर बेची गई जिमान कि
अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 69000 है।

भ० च० चतुर्वेदी
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्ति रेंज, कानपुर

तारीख 7-3-1979
मोहर

प्रस्तुप्राई० ई० एन० एम०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा
269 प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर बाधिकारी

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 278/अर्जन/एन्मादपुर/78—79—पतः, मुझे,
भ० न० नतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रवोत् सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर मन्त्री, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

श्रीर जिमकी सं० है तथा जो में स्थित
है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में अंग पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्री नं० धिलारी के कार्यालय, एन्मादपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विभिन्न में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
विद्या के लिए;

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर चन्द्र शिंह व किशो चन्द्र शिंह व ओंकार
शिंह पुत्रगण दर्गत शिंह नवामी पिपली तहसील एन्मादपुर
हात निवासी वर्गेरी मिक्कड़र तहसील किंवली पो०
फैनटपुर मौजी जिला आगरा

(अन्तरक)

2. श्री वंसीधर पत्र पीताम्बर शिंह व रवीन्द्र कुमार
पुत्र वंसीधर निवासीगण विवरण नीजा धर्मा डा०
तहसील एन्मादपुर जिला आगरा,

(अन्तर्गती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथमें गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं
अप होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपा भूमि खाता नं० 29 विधि भौजा खैरानी तहसील एन्मादपुर
जिला आगरा 47000 में वेंगों गयी जिमका कि अनुमानित उचित
बाजारी मूल्य 91500 है

भ० न० नतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 9-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निवेदन सं 695ए—यत्, मुझे, भरत चन्द्र चन्द्रेंदी, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

यांग निवेदन सं 695ए—यत्, मेरे जिवन में इन हैं (प्रोटोडेंपे उमाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीर्ड करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधार्ति:—

1. श्री महेश फरीदउद्दीन पुत्र जमानद शाह मोहम्मद खां ग्राम कायरीट मुख्तार आम महम्मद जदी निदाल अलीगढ़ दुधपुर डा० खाम ग्राम कीपरीट परगना अदरर बुलन्दशहर

(अन्तरक)

2. श्रीमती नादरा आरीफ पत्नी आरीफ बशीर निवासी बुलन्दशहर मोहल्ला कोने तालाब बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

कृपि भूमि ग्राम कीपरीट में 33000/- रुपए में बेची गई जिम्मा उचित बाजारी मूल्य 65,000/- रुपए आर्की गई है।

भरत चन्द्र चन्द्रेंदी,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, कानपुर

तारीख: 9-3-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
आधार 269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथालय, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश नं० 584-ग—यत, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के प्रधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जानसठ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांडुलिपि से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक कार्यित्व में कमी करने या उससे बचने में पुरिधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प के अन्तरण में, मैं 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों :—

1. श्री जोग मिह पुत्र प्यारा मिह निवासी कवाल परगना जौनी जानसठ तहसील जानसठ जिला—मुजफरनगर (अन्तरक)

2. श्री इण्ठताक हुसैन व प्रशफाक हुसैन व अकबर हुसैन पुत्रगण हुसैन निवासी कवाल परगना जौनी जानसठ तहसील जानसठ जिला मुजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए रायबादिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मध्यवर्त में कोई भी ग्रामपेतः :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया सत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ अक्षित द्वारा, अघोषिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि स्थित ग्राम कवाल परगना जौनी में 60,000/- रुपया में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 81,200/- रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथालय, कानपुर

तारीख 9-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० पृ० ०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनोंक ९ मार्च 1979

निर्देश सं० ६०२-१—यतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी मूल्य है तथा जो मे मिलता है (और इसमें उपावल्ल अनुमूल्यी मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, हापुड मे रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, तारीख 12-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यसका पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित अधियों, अर्थात्—

1. श्री कर्नेल भिंड पुत्र अवत गिह, वचन गिह, गुरुबल्ला भिंड पुत्रगण कर्नेल मिह निः ग्राम निकोकरा व श्रीमती माया देवी पुत्री नायथन मिह निवासी ग्राम नवरपिंड वरकी लालान नहर्मील बतारा, जिला— गुरदामपुर

(अन्तरक)

2. गुरदीप मिह, गन्धरा मिह, दरगान मिह पुत्रगण अदम मिह व महेन्द्र भिंड पुत्र माया मिह श्रीमती जामीर कौर पुत्री नवाब मिह कलवत्त मिह कृलवन्त मिह पुत्रगण महेन्द्र गिह, ग्राम बाकर की जिला व तहसील अमृतमर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वज्ञानिक निपुणता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

इसी भूमि स्थित सालाबाद मे 95,475 रुपया मे बंधी गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,40,000 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

मोहर :

प्रख्या आई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 665-ग—यत्, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उच्चत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफरनगर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख 6-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है : —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् : —

1. श्री मगन मिह व नेजामिह पुत्रगण जवाहर मिह निं० ग्राम कुवाँ नहमील समगला जिला लुधियाना हाल निगावी ग्राम आमद नगर मंजरा मंडूरा (मुजफरनगर)।

(अन्तरक)

2. श्री जमपाल मिह व हरवंण मिह व भगवत मिह व उपकार मिह व मर्जीत मिह पुत्रगण वचना मिह निवासी अमदनगर मंजरा मंडूरा मुजफरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपया भूमि स्थित ग्राम मंडूरा में 50,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 66,600 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० 678-ग—अन्॒, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त ग्रधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और उसमें उपांग अनुसूची में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती प्राधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1978 को पूर्खित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मासितियों को जिन्हे भारतीय ग्रामकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त अन्तरण की धारा 269-ग के अनुसूचना में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ष को उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती जगद्दुनारी पत्नी श्री भीताराम गुप्ता निः
पान-184 पंचशील पाली नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री मैनपाल पुब श्री केदार मिह निवासी दश्त फतहपुर
तहसील कैराना जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित ग्राम दश्त फतहपुर तहसील कैराना में 24,502-50 रुपा में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 78,000 रुपा आकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सभी प्राधिकारी
महायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

माहर :

प्रह्ल प्राई. टी. एस. एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

मारत भरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं. 679-ए—यह, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो में स्थित है (श्रीरहमें उपावड़ अनुगृहीत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, और यह कि प्रन्तरक (बन्तरक) और प्रन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या छन्द-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनावां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, यैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवार्ता :—

1. श्रीमती ग्रामलता पत्नी कृष्ण कुमार जोदगी सं. गु. जोडगी ठाना इलाहाबाद

(अन्तरक)

2. श्री अनंगपाल मिहं पुत्र केदार मिह का हरड़ फतहपुर प० थाना भवन तहसील कैराना जिसा मुजजफरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंद्धन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंद्धन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अवधं द्वारा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि क्षिति ग्राम हरड़ फतहपुर प० थाना भवन में 26865 रुपए में वेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 85,000 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
समाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट दी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प्र (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश मं० 720ए—यत् मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को वारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, देवबन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरोधन विधित में वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रतिरोधन, के प्रधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी निता प्रार या किसी छन वा मन्य अवस्थितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अधिकृतः—

13—6G I/78

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुतला० प्रकाश चन्द्र निवासी सहारनपुर गौ० बौधरीलाल मुख्यार याम गज जानिन्द्र संतोष कुमार रमेश कुमार याम गज जानिन्द्र संतोष कुमार पुतला० महान् कुमार निल नारायण व मुकुर युगार पुतला० प्रमाद निल कमल नानना मोहन ना जेवलाल प० यामया द्वाक याम जिया यहारनपुर
(अन्तरक)

2. श्री अभय याम व मुशीलाल व किरण याम व पूर्णचन्द्र पुतलाल हरवंश लाल निवासी कम्बा यामली भोहला यामशाला तहसील केराना जिला मुजफरनगर
(अन्तर्गती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त समाति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारियों पर पूर्वना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में में किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिरोधन के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित दावनपुर में 1,00,000 रुपए में बेशी गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,42,520 रुपये आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राइडी० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० 580-ए—यत्, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत्: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात्:—

1. श्री कल्यान सिंह पुत्र सूरजमल निं० नीहामुड़ मोदीनगर परगना जलालाबाद तह० हापुड़ जिला—गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी भुला निं० मछरी पो० दीनगर प० जलालाबाद त० हापुड़ जिला गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित वाके मछरी जलालाबाद में 16,000 रुपए में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 27,333 रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-3-1979

मोहर :

प्रस्तुप घाई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० 581-ए—यह, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमूली मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड मे रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुकूल प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्ननिवित उद्देश्य म उक्त अन्तरण निवित न बास्तविक रूप से होवा तो किया गया है—

(क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ठिपान मे सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा के अधीन निनलिवित अवित्यों, अर्थात्—

1. श्री नर्थू सिंह पुत्र बदाम सिंह नि० बीघापुर मोदीनगर प० जलालाबाद तह० हापुड जिला—गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तुरी देवी पत्नी मूला नि० मछरी प० मीदीनगर प० जलालाबाद तह० हापुड जिला—गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके तुर्जीवत मम्पति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त संपत्ति के अवत ने संबंध मे कोई भी आमेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी भन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिवित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभ्रामित है वही प्रये होंगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित बाके मछरी प० जलालाबाद मे 16,000/- रुपए मे बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 27,333/- रुपए आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 12-3-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०--

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० 582-ए—यत, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है नथा जो में स्थित है (और इसमें उपाधित अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथार्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वितीय एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश ने उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण ने ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरक के द्वायित्व ने कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए पौरया

1. श्री विजय कुमार पुन्न रिसाल सिंह विधापुर पो० मोदीनगर प० ज० जलालाबाद तहसील हापुड़ जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कस्तूरी देवी पत्नी मूला नि० मठरी पो० मोदी नगर प० जलालाबाद तहसील हापुड़ जिला-गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मध्यति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त मध्यति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में क्षितिवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य शास्त्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उक्तों में सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृपय भूमि स्थित बाके मछरी प० जलालाबाद में 16,000/- रुपए में बेची जिसका उचित बाजारी मूल्य 27,334 रुपए, आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
गहायक आयकर शायक (निरीक्षण),
ग्रंजन रेज, कानपुर।

तारीख : 12-3-1979
मोहर :

ग्रन्त: पर, उक्त अधिनियम का धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रति :—

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली

4/14 क, आफ्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/जुलाई-118/2502/
78-79/6717—अत्. मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० एम०-7 है तथा जो 3-मैटकाल्फ रोड़, शकरा-
चार्य मार्ग, सिविल लाईंस, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नारीख 10-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के निये तथ पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रतिकल लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बातें उक्त उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिये;
प्रोटोटाय

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इरा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपबारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों प्रथान्:—

1. मै० विश्वा ईस्टेट्स प्राइवेट लिं०, बी००६, आसफ
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गम बाबू गुप्ता (3/4 हिस्सा), सुपुत्र स्वर्गीय
श्री हरी शंकर तथा श्रीमती नर्मदा देवी (1/4
हिस्सा), विश्वा पत्नी श्री शंकर, निवासी 1124,
कूचा नटवन, चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के
लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्रम—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट जोकि ब्लाक न० 7 में है की दूसरी मंजिल जिसका
क्षेत्रफल (कर्वेण) 2072 वर्ग फुट है, 3-मैटकाल्फ रोड पर जोकि
3-शंकराचार्य मार्ग से जानी जाती है, सिविल लाईंस, दिल्ली
में निम्न प्रकार में स्थित है—

पूर्व : ब्लाक न० 8

पश्चिम : खुला

उत्तर : 30 फुटी चौड़ी मडक

दक्षिण : अन्य की जायदाद।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख : 17-3-1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st March 1979

No. A.32014/1/78-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Hindi) to officiate on an *ad hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 2.3.79 to 31.5.79 or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Dy. Secy.,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 1st March 1979

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. N. S. Tyagi, permanent Research Assistant (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 27.2.79 to 26.5.79 or until further orders, whichever is earlier.

The 13th March 1979

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran, permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2.3.1979 to 31.5.1979, or until further orders, whichever is earlier.

B. N. SOM
Dy. Secy.,
for Secy.,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 6th February 1979

No. P/1837-Vol.II-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Dr. V. S. Misra, Reader in the University of Allahabad, to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 2 years w.e.f. the forenoon of 27-12-1978 or until further orders, whichever is earlier, under proviso to Regulation 4 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 26th February 1979

No. A.32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 2-3-79 to 31.5.79, or until further orders, whichever is earlier, vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th March 1979

No. A. 32014/1/79-Admn III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer in the same cadre for the period

indicated against each or until further orders, whichever is earlier

Sl. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
1.	Sh. R. K. Jasuja	1-3-1979 to 30-4-1979	
2.	Sh. S. K. Arora	1-3-1979 to 30-4-1979	Sh. Arora, who has been appointed as Desk Attache, will be redesignated as Desk Officer from 1-3-1979 to 30-4-79 and shall draw a special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of Deptt. of Personnel & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.
3.	Sh. S. N. Sharma	1-3-1979 to 30-4-1979	—
4.	Sh. Jai Narain	1-3-1979 to 30-4-1979	—
5.	Sh. S. R. Khanna	2-3-1979 to 30-4-1979	—
6.	Sh. N. K. Dhingra	20-2-1979 to 30-4-1979	—
7.	Sh. B. L. Sharma	1-3-1979 to 30-4-1979	—
8.	Sh. K. P. Iyer	1-3-1979 to 9-4-1979	—
9.	Sh. S. D. S. Minhas	19-2-1979 to 18-4-1979	—
10.	Sh. J. L. Sud	19-2-1979 to 5-4-1979	—

The 9th March 1979

No. A.32014/1/79-Admn.III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 16.2.79, the President is pleased to appoint Shri R. P. Sharma, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Section Officer, on an *ad-hoc* basis, in the same cadre from 26.2.79 to 12.4.79 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/79-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Period for which promoted as S. O.
1.	Sh. Krishan Kumar	1-3-1979 to 30-4-1979
2.	Sh. G. P. Bhatta	28-2-1979 to 16-4-1979
3.	Sh. S. N. Ghosh	1-3-1979 to 16-4-1979

2. The promotion of Shri M. N. Arora as Section Officer, from 5-2-1979 to 22-3-1979 vide this Office Notification of even number dated 16-2-1979, has been cancelled.

B. N. SOM
Dy. Secy.
(Incharge of Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 17th February 1979

No. A. 32013/2/78-Admn.I.—In partial modification of Union Public Service Commission Notifications No. A. 32013/1/77-Admn.I dated 30-11-78 and 16-12-78, the President is pleased to appoint S/Shri T. N. Channa, B. R. Verma and B. S. Jagopota, permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS Cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of the service w.e.f. 27.11.78, until further orders.

The 21st February 1979

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name & Period

1. Shri B. S. Kapur—10.1.79 to 28.2.79.
2. Shri P. C. Mathur—1.1.79 to 16.2.79.

No. A. 32012/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Mehra, a permanent Officer of Grade A of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade of the CSS for the period from 19.1.79 to 28.2.79, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN.

Under Secy.
Union Public Service Commission

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 17th March 1979

No. M-19/65-Ad.V.—On his selection for appointment on deputation in the Office of Registrar General, India as Deputy Director of Census Operations, Shri M. L. Gulati, relinquished charge of the office of the Office Superintendent, C.B.I. with effect from the forenoon of 26.2.1979.

No. A. 19035/1/79-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Sham Bihari Lal Sharma to officiate as Office Supdt. in the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity with effect from 28.2.79 (F.N.) and until further orders.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 19th March 1979

No. A-35018/13/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police Special Police Establishment, hereby appoints Shri Lok Nath, Sub-Inspector of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Jaipur Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 30.1.79 until further orders.

JARNAIL SINGH,
Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 17th March 1979

No. O. I-261/69-Estt.—The Govt. of India regret to notify that Shri B. M. Singh, Commandant, 46 Bn., CRPF expired on 18-12-78.

The 19th March 1979

No. O.II-98/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service Shri J. Eapen relinquished charge of the post of Commandant, 58 Bn, CRPF on the afternoon of 28.2.79.

No. O.II-151/77-Estt.—The Government of India regret to notify the sudden death of Lt. Col. Rajinder Singh, Joint Assistant Director (Crypto) in the Directorate General, CRPF, New Delhi on 3-2-79.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-19, the 15th February 1979

No. E-18013(2)/2/77-Pers.—On his appointment as Director in the Ministry of Home Affairs, Shri Narendra Prasad, IPS (MP-62) relinquished the charge of the post of AIG (Pers), CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the afternoon of 24th Feb, 1979.

No. F-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri R. B. Sreekumar, IPS (Guj-71) assumed the charge of the post of Commandant/CISF Unit, FACT (Udyogamandal) w.e.f. the forenoon of 9th Feb 1979.

The 17th March 1979

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from Goa Shri K. A. Belliappa assumed the charge of the post of Asstt. Commandant/CISF Unit ISRO Thumba, with effect from the forenoon of 23rd Feb. 1979.

Sd. ILLEGIBLE
Inspector General/CISF.

**MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS**

Nasik Road, the 13th March 1979

No. 1785/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. G. Kanade, Inspector Control, Currency Note Press, Nasik Road (Class III Non-Gazetted), to officiate as Dy. Control Officer (Class II Gazetted) in Currency Note Press, Nasik Road in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis with effect from 1st March 1979 F.N.

D. C. MUKHERJEA
General Manager.

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th March, 1979

No. BNP/C/5/79—In continuation to this Department's Notifications number BNP/C/5/78 dated 10-12-1978, the following ad hoc appointments have been confirmed for a further period of three months with effect from 1-3-1979 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions:

Sl. No.	Name	Post to which appointed on ad- hoc basis	1	2	3
			S/Shri		
1.	A. S. Vhatkar	Technical Officer (Printing & Plate making)	.	.	.
2.	M. Ponnuthurai	Do.	.	.	.
3.	D. R. Kondawar	Do.	.	.	.
4.	Y. Jarirdan Rao	Do.	.	.	.
5.	Rampalsingh	Do.	.	.	.
6.	N. R. Jayraman	Do.	.	.	.

1	2	3
7.	S. Samaddar	Technical Officer Printing and Platemaking
8.	M. Dutta	Technical Officer (Designing & Engraving)
9.	Arun Kumar Ingle	Technical Officer (Ink Factory Research & Laboratory)
10.	J. N. Gupta	Technical Officer (Ink Factory Production).
		P. S. SHIVARAM General Manager.

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA**

New Delhi, the 16th March 1979

No. 383-CA.1/170-78.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint Shri P. Srinivasa Rao a Section Officer (Commercial) of the office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad at present on deputation on foreign service with the Electronics Corporation of India Limited, to officiate as Audit Officer (Commercial) under "Next Below Rule" with effect from 29.11.79 (F.N.), until further orders.

No. 384-CA-1/173-78.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 with effect from the dates mentioned in column 5 below, until further orders :—

Sl. No.	Name of the Section Officer (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as Audit Officer (Commercial)	Date of posting as officiating Audit Officer (Commercial)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1	R. C. Trehan	MAB & Ex-officio D.C.A., New Delhi	MAB & Ex-officio D.C.A., Bombay	29-12-1978 (F.N.)
2	Harshmay Mukherjee	MAB & Ex-officio, D.C.A., Ranchi	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi	14-12-1978 (F.N.)
3	Ranjit Chakraborty	Do	Do	27-12-1978 (A.N.)
4	K. C. Parmar	A.G., Gujarat, Ahmedabad	Do	23-1-1979 (F.N.)
5	Priya Brata Sen Majumdar	MAB & Ex-officio D.C.A., Calcutta	A.G., II, West Bengal, Calcutta	18-1-1979 (F.N.)
6	R. Nageswaran	A.G. II, Tamil Nadu	MAB & Ex-officio, D.C.A., Ranchi	3-2-1979 (F.N.)
7	Roop Chand Jain	A.G., Rajasthan	Do	12-2-1979 (F.N.)
8	V. Rama Chandra Rao	A.G. II, Andhra Pradesh	MAB & Ex-officio, D.C.A., Bombay	9-2-1979 (F.N.)

The 16th March 1979

No. 416-CA. 1/161-78.—Addl Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in Column 4 with effect from the dates mentioned in Column 5, below, until further orders :

Sl. No	Name of the Section Officers (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as Audit Officer (C)	Date of posting as Officiating Audit Officer (Commercial)
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	P. R. Samaddar	MAB & Ex-officio D.C.A., Calcutta	MAB & Ex-officio D.C.A., Calcutta	10-11-1978 (F.N.)
2.	K. A. Monian Kutty	A. G. Kerala	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi	15-12-1978 (F.N.)
3.	S. N. Prakasam	A. G. II (Tamil Nadu) Madras.	A. G. Orissa	29-11-1978 (F.N.)
4.	Chokkey Lal	On reversion from deputation with People's Action For Devp., India	A. G.-II, Bihar, Patna	12-12-1978 (F.N.)
5.	T. S. Seshadri	A.G.-II, Tamil Nadu, Madras	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi	13-12-1978 (F.N.)
6.	Virendra Pal Singh	A.G.-II, Madhya Pradesh, Gwalior	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi	28-12-1978 (F.N.)

1	2	3	4	5
7.	A. Satyanarayana Murthy	A.G.-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	A.G. Orissa	12-12-1978 (FN)
8.	Satish Kumar	On reversion from deputation with Nagaland Pulp & Paper Co., Ltd.	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	14-12-1968 (FN)
9.	J. P. Srivastava	A.G.-II, U.P., Lucknow.	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	12-12-1978 (FN)
10.	Gopal Chandra Dutta	A.G.-II, West Bengal, Calcutta.	A.G.-II, West Bengal, Calcutta.	10-11-1968 (FN)
11.	C. M. N. Swami	A. G. (S & CD), Bombay.	A.G. (S & CD) Bombay.	1-12-1978 (FN)
12.	M. Saptharshi	A.G.-II, Tamil Nadu, Madras.	MAB & Ex-officio D.C.A., Ranchi.	4-12-1978 (FN)
13.	Brij Mohan Mehta	A. G. Punjab	Do.	29-11-1978 (FN)
14.	Biswanath Chakraborty	On reversion from deputation with Director of Audit (Food)	MAB & Ex-officio D.C.A. Calcutta.	29-11-1978 (FN)
15.	Brij Raj Sharma	A. G., Rijishthan.	A.G., Gujarat	12-12-1978(FN)
16.	Shambunath Singh	A.G. II, Uttar Pradesh Lucknow.	A.G. II, Bihar, Patna.	27-11-1978 (FN)
17.	Y. V. V. Ramana Murthy	A.G. II, A.P., Hyderabad.	RAO (ONGC) Biroda under MAB & Ex-officio D.C.A., Dehradun.	5-1-1979 (FN)

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITORS, POSTS AND TELE-
GRAPHS

Delhi-110054, the 12th March 1979

No. Admn.III-21/23(A)(2).—Shri G. Nataraja a substantive Audit Officer in the Posts and Telegraphs Branch Audit Office Madras has retired from service w.e.f. 31.12.78 (A.N.) on superannuation.

S. KRISHNAN,
Sr. Dy. Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE
ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 17th March 1979

No. 23011(1)/66-AN-I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :

Sl. No	Name	Date of confirmation
1	2	3
1.	Shri Dheer Singh Meena	21-8-1978
2.	Shri Yashwant S. Negi	21-8-1978
3.	Shri Kuhau Vaiphei	1-6-1978

No. 86016(16)/79-AN-I.—The President is pleased to appoint Shri Stephen Lakra, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that Service with effect from the forenoon of 28th February 1979, until further orders.

R. L. BAKHSHI,

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)
14—6GI/79

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 9th March 1979

No. 11/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. DDGOF/Level-I with effect from the date shown against him, until further orders :—
Shri R. R. Wanchoo, Offg. DDGOF/Level-II—9th Feb. 1979.

No. 12/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Dy. Manager with effect from the date shown against them until further orders :—

- (1) Shri Gopallan Mullik, A.M. (Prob.)—9th Jan. 1979.
- (2) Shri S. N. Sarkar, A.M. (Prob.)—9th Jan. 1979.

No. 13/79/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. ADGOF/Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders :—
Shri K. Dwarakanath, Permt. ADGOF/Gr. II—4th Jan. 1979.

No. 14/G/79.—The following amendment is made to this Directorate General gazette notification No. 74/G/78, dated 3.11.78 forwarded under No. 381/A/G, dated 3/15-11-78 :—

At Serial No. 10.

For : Smt. Minakshi Seth, AM (Prob)—10th August, 1978.

Read : Smt. Minakshi Seth, Permt. A.M.—10th August, 1978.

The 12th March 1979

No. 16/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri M. B. Chaudhury, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt. Staff Assistant) retired from service with effect from 28th February, 1979 (A/N).

No. 17/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. N. Bose, Offg. Officer supervisor (Subst. & Permit. A.S.O.) retired from service with effect from 28th February, 1979 (A'N).

V. K. MEHTA,
Asstt. Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION**

(DEPARTMENT OF COMMERCE)
**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS**

New Delhi, the 16th March 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1087/75-Admn(G)/2315.—On attaining the age of superannuation, Shri V. S. Verma, an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished the charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 28th February, 1979.

RAJINDER SINGH,
Deputy Chief Controller of Imports & Exports.
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 8th March 1979

No. 12(133)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri J. K. De, an Officer permanent as Deputy Director (Industrial Management & Training) and officiating as Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st January, 1979.

2. Consequently, Shri J. K. De has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Solan, on the afternoon of 31st January, 1979.

No. A-19018/369/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Karunakaran, a Quasi Permanent Mechanical Engineer (Junior) in Geological Survey of India, Calcutta, as Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 23rd February, 1979 until further orders.

THE 16th March 1979

No. 12/709/72-Admn.(G).—Consequent upon his proceeding on deputation as Expert to the Small Industries Development Organisation, Tanzania, for two years, Shri M. Sundara Rajan, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Hyderabad with effect from the afternoon of 20th December, 1978.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 13th March 1979

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E 11(7) dated the 11th July, 1969.

Under Class 2—Nitrate Mixture

- (i) in the entry "MONOEX" for the figures "1979" the figure "1980" shall be substituted;
- (ii) in the entry "PF-I-AF" for the figures "1979" the figures "1980" shall be substituted;

- (iii) in the entry "PF-I-X" for the figures "1979" the figures "1980" shall be substituted; and
- (iv) in the entry "PULVEREX" for the figures "1979" the figures "1980" shall be substituted.

Under Class 3—Division 1

- (i) add 'DE SEGURIDAD (2O-SR)—Spanish Make provisionally upto 1st August, 1979 for use in underground coal/Gassi Mines" before the word "GFI ATINE".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th March 1979

No. A-1/1(485).—Shri C. A. Venkateswaran, Assistant Director (Supplies) (Grade I) in Grade III of the Indian Supply Service, in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay, has retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1979 on attaining the age of superannuation.

The 12th March 1979

No. A-1/1(1018).—S/Shri S. Nagarajan and S. K. Banerjee, Assistant Directors (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay have been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the afternoon of 28-2-1979.

2. S/Shri Ram Kishan, Balbir Singh and Sadhu Ram, Assistant Directors (Gr. II) in the Headquarters office have been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the afternoon of 28-2-1979.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 7th March 1979

No. A6/247(230)/59-III.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Babyloni, Asstt. Director of Inspection in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group A) to officiate as Dy. Director of Inspection in Met. Branch of Grade II of the Service w.e.f. 24-1-1979.

Shri Babyloni relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur and assumed charge of the post of Dy. Director of Inspection (Met.) in the same office on the forenoon of 24th January, 1979.

No. A6/247/(226)/76-III.—The President is pleased to appoint Shri H. Aranthapadmnabulu, Asstt. Director of Inspection in the Met. Chem. Branch of Grade III of Indian Inspection Service (Group A) to officiate as Dy. Director of Inspection in the Met.-Chem.-Branch of Grade II of the Indian Inspection Service on *ad hoc* basis for a period of one year w.e.f. 29th January, 1979.

Shri Aranthapadmnabulu relinquished the charge of the post of ADI(Met-Chem) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur and assumed charge of the post of DDI (Met-Chem.) in the same office from the forenoon of 29th January 1979.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 1st March 1979

No. 4-159/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri William Ekka to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Headquarters, Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th February, 1979, until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 19th March 1979

No. C-5473/594.—Shri T. C. Hansda, Technical Assistant, Sel. Gd. is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 25th January 1979.

No. C-5474/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post) Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad hoc* provisional basis :—

Sl. No.	Name and Design- No.	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1	Shri T. S. Rana Surveyor Selection Grade.	No. 15 Party Hyderabad,	26-9-1978 (F N)
2.	Shri S. B. Mangain, Surveyor Selection Grade	No. 67 (FSP) Party, (Sirsa) Coimbatore	3-10-1978 (F N)
3	Shri M. R. Bhande, Surveyor Selection Grade.	No. 31 Party (SCC) Hyderabad	27-10-1978 (F N)
4	Shri Ranjilal Draftsman Division I Selection Grade.	No. 2 D. O. (NC), Dehradun	18-1-1979 (F N)

No. C-5475/579-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' posts) are confirmed in their appointment with effect from 27th February 1979 :—

1. Shri M. P. Jain
2. Shri M. M. Chakrabarti
3. Shri J. P. Sharma
4. Shri K. C. Bhattacharjee
5. Shri S. L. Bikhchandani
6. Shri S. D. Kararia
7. Shri R. N. Sharma
8. Shri B. N. Naithani.

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTOR GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th March 1979

No. A-12026/1/78-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. H. Yusuf, Senior Adminis-

trative Officer, Doordarshan Kendra, Madras to officiate on *ad hoc* basis as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi w.c.f. the forenoon of the 12th March, 1979, until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th March 1979

No. A. 19019/13/78(HQ)Admn. I.—Consequent on his transfer to the Govt. Medical Stores Depot, Bombay, Shri Y. K. Agarwal relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 1st February, 1979.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

HEAD OFFICE

Faridabad, the 16th March 1979

No. A-31014/3-78-A. I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt of India, is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group III) in the Dte. of Marketing & Inspection, with effect from the date indicated against each :

S/Shri

- (1) S. S. Prasad Rao—15-7-1976.
- (2) A. K. Shstry—11-11-1977
- (3) C. V. Neelagreecavam—11-11-1977.

2. The term of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group III).

B. L. MANIWAR
Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(Personnel Division)

Bombay-400 085, the 28th February 1979

No. 7(7)/77-Confirmation/522.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Administrative Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from January 1, 1979.

Sl. No.	Name	Present Grade	Name of the Unit in which serving at present.	Permanent post held
1.	Sh. M. Mukundan	A.P.O.	B.A.R.C.	SGC in PPED Pool
2.	,, P. P. Pai	P.R.O.	Do. Asstt. in BARC	
3.	,, B. A. S. Prasad	A.P.O.	Do. Steno (Sr.) in BARC.	
4.	,, K. Subramanian	Do.	Do. Asstt. in BARC.	
5.	,, P. R. Rajgopalan	Do.	Do. Steno (Sr.) in BARC.	
6.	,, C. G. Sukumaran	Do.	Do. Do.	
7.	,, H. R. Renushe	Section Officer	D.A.E. Asstt. in BARC	

V. R. PATGAONKAR
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 23rd February 1979

No. PPED/3(235)/78-Admn. 2474.—On transfer from Rajasthan Atomic Power Project, Shri K. Sankaran Kutty, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Personal Officer in that Project is appointed as an officer in the Assistant Personnel Officer's grade (Rs. 650—960/-) in the Power Projects Engineering Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 13, 1979 until further orders.

The 6th March 1979

No. PPED/3(283)/78-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk and officiating Asstt. Accountant in this Division as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 5, 1979 to the afternoon of April 28, 1979 vice Shri M. K. Iyer, Asstt. Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 5th March 1979

No. NAPP/Adm/1(111)/79-S/2660.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power appoints Shri R. N. Bhardwaj a Quasi permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 15, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd January 1979

No. PAR/0704/240.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Shastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex, from 6-1-1979 to 22-1-1979.

The 5th February 1979

No. PAR/0704/388.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Shastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer in Nuclear Fuel Complex, from 30-1-1979 to 13-3-1979.

No. PAR/0704/389.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex, from 23-1-1979 to 29-1-1979.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 9th March 1979

No. MAPP/8(16)/78-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri K. G. Balachandran, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project vice Shri V. K. Santhanam, granted leave, with effect from October 7, 1978 to February 28, 1979.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A. 32012/1/78-M.—The President is pleased to appoint Dr. P. K. Das as Director General of Meteorology with effect from the 9th March, 1979 (Forenoon) until further orders in the pay scale of Rs. 2500—125/2—2750.

M. SURYANARAYANA
Under Secy,

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A. 32013/1/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. Sampath Kumar, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis w.e.f. 4-12-1978 to 3-2-1979 (FN) vice Shri S. Krishnaswamy, Senior Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras granted earned leave for 62 days, and posted at the same station.

No. A. 32013/3/78-EC.—In continuation of this Department Notifications No. A. 32013/3/78-EC, dated 18-10-78 and 6-2-79, the President is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of the following three Assistant Directors of Communications in D.G.C.A. (HQ) for a further period upto 31-3-1979.

S. No. and Name

1. Shri R. S. Ajmani.
2. Shri K. Ramalingam.
3. Shri H. V. Sudershan.

No. A. 32014/5/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri C. K. Sobti, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Asstt. Tech. Officer on regular basis w.e.f. 19-2-1979 (FN) and to post him in the same station.

No. A. 38013/1/77-EC : The following officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their Office on the date indicated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation : —

Sl. No.	Name, Designation & Station of posting.	Date of retirement
1.	Shri R. S. Raghavan, Asstt. Comm. Officer Aero. Comm. Stn. Mysore.	30-4-78 (AN)
2.	Shri N. V. Nair, Asstt. Technical Officer, Aero. Comm. Stn. Madras.	31-5-78 (AN)

S. D. SHARMA
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 8th March 1979

No. A-12032/3/78-EA.—The President has been pleased to accept the resignation from Government Service of Shri J. K. Barman, Aerodrome Officer, Calcutta Air port, Dum-Dum with effect from the 28th February, 1979 (AN).

The 9th March 1979

No. A-39013/3/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri B. K. Keswani, Asstt. Aerodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum with effect from the 4th March, 1979.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th March 1979

No. 1/183/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. S. Rao, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 23-5-1978 to 6-7-1978 (both days inclusive) against a short-term vacancy, on *ad hoc* basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th March 1979

No. 4/79.—On his retirement on superannuation, Shri V. N. Desai relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the West Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Bombay on 28-2-1979 (A.N.).

M. V. N. RAO
Director of Inspection

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bhubaneswar, the 5th March 1979

No. 4/79.—On promotion, Shri Surendra Nath Patra, Inspector (SG), Central Excise and Customs has assumed charge as Superintendent Central Excise and Customs, Group 'B' at Hdqrs. office, Bhubaneswar in the forenoon of 21-2-1979.

No. 5/79.—The undenoted officers of Central Excise and Customs of this Collectorate have retired from Government service on superannuation in the afternoon of 28-2-1979.

Name of the Officers, Designation and Place of Posting.

1. Shri Lingaraj Rath, Administrative Officer, Hdqrs. office, Central Excise, Bhubaneswar.
2. Shri Brahmananda Patra, Superintendent Group 'B', Hdqrs. office, Central Excise & Customs, Bhubaneswar.

H. VUMKHAWTHANG
Collector
Central Excise and Customs,
Bhubaneswar.

Patna, the 17th March 1979

No. II(7)2-EI/79/2793.—Shri C. D. Tewari, Officiating Chief Accounts Officer of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-1-1979 (A.N.).

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sattanathar Transports Private Limited*

Madras, the 14th March 1979

No. 4393/560(5)/79.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sattanathar Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act 1956
and*

of The Dakshin Bharat Alkali Corporation Limited

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the 14th March 1979

No. 4379/C.Liqn/445/77.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 24-11-1977 passed in C.P. No. 97 of 1976 the Company The Dakshin Bharat Alkali Corporation Limited was wound up.

Y. SATHYANARAYANA
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Pondicherry Chemicals Private Limited*

Pondicherry-I, the 13th March 1979

No. 134/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company Pondicherry Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies,
Pondicherry

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFAU ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-51/2662/78-79, 6717.—
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-55 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal Sehgal,
S/o Shri Bhagat Ramji Sehgal,
R/o House No. 1, Road No. 61,
Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh Kalsi,
S/o Sardar Bir Singh Kalsi,
R/o N-6, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storied Building built on a plot No. H-55, measuring 197.4/10 sq. yds. situated at Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. H-56

West : Plot No. H-54

North : Plot No. H-17 & 18

South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFAI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref No. IAC/Acq II/July-37/2712/78-79/6718.—

Whereas, I, R. B. I. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Chawla,
S/o Shri Nathu Ram Chawla,
R/o H. 60, Kirti Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Lady Dr. Saroj Gulati
w/o Dr. Jitendra Mohan Gulati,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of only ground floor bearing No. 60, Kirti Nagar, measuring 150 sq. yds. (Total 300 sq. yds.), New Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : House on Plot No. H-59
South : House on Plot No. H-61.

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sudha Rani,
w/o Shri Ram Lal Chawla
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Jitender Mohan Gulati,
S/o 1st Sh. G. L. Gulati,
r/o II-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-30/2711/78-79/6718.—
Whereas, I, R. B. I. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor of property No. H-60 measuring 300 sq. yds. situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : House on Plot No. H-59
South : House on Plot No. H-61

R. B. I. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1979
Sign :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFAU ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001 the 17th March 1979

Ref No IAC Acq II/July-35/78-79/2714/6718--

Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
15—6GI/79

(1) Shri Ved Parkash Gandhi, s/o
Shri Jai Ram Gandhi, r/o
16/25, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Rani,
w/o Shri Ram Lal Chawla,
r/o D-75, New Multan Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

III SCHEDULE

First floor of property No H-60, measuring 300 sq. yds situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : Plot No. H-59
South Plot No. H-61

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date . 17-3-1979
Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAIF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. JAC/Acq.II/July-36/78-79/6718.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H-60 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Lal Chawla,
s/o Shri Nathu Ram Chawla,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Jitendra Mohan Gulati,
s/o Shri G. L. Gulati,
r/o H-60, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{3}$ undivided share of only ground floor of property No H-60, Kirti Nagar, New Delhi and admeasuring 150 sq. yds
 East : Lane
 West : Road
 North : House on Plot No. H-59
 South : House on Plot No. H-61

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 17-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Atma Ram Garg,
s/o Shri Ram Sarup Garg,
r/o K-1/29, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi Gupta,
w/o Shri Dalip Singh Gupta,
r/o K-1/29, Model Town, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. JAC/Acq II/July-137/78x79/6718.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No K-1/29 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Delhi on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 29 in Block No. K-1, measuring 282 sq yds situated in the residential colony known as Model Town, Delhi and bounded as under :—

East : Building on Plot No. K-1/30

West : Building on plot No. K-1/28

North : Road

South : Building on Plot No. K-29

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAT ATT ROAD
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref No. IAC/Acq.II/July-82/2589/78-79/6718—
Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-2/9 situated at Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

(1) Shri J. M. Ganguli,
s/o Shri B. B. Ganguli
r/o House No. 49, Kalkaji.
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan,
s/o Shri Chander Bhan,
r/o H. No. 1346, Krishna Gali
Gali Gulyan, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri M. K. Aggarwal &
Smt. Illa Banerjee.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House No. F-2/9, measuring 227.57 sq. yds (272.22 sq. mts.), situated at residential colony known as Model Town, Delhi near Kingsway Camp, Mall Road, Delhi and bounded as under :—

East : Property No. F-2/10
West : Property No. W-2/8
North : Property No. F-3/9
South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Charlu Industries and Presently known as "White Field Industries, No 41-43, Lavello road, Bangalore-1, represented by its partner Sri Nagai Nagabhushan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 28th December 1978

C.R. No. 62 19202/78-79/ACQ/B—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing land Survey No. 132 situated at Pattandur Agrahara Village K.R. Puram Hobli Bangalore South Taluk 560048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Bangalore Doc No 1762/78-79 on 21-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely —

(2) M/s Yuken India Limited, White Field road, Bangalore-560048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1762/78-79 Dated 21-7-78]
 All that piece and parcel of converted land in survey No 143, Pattandur Agrahara village, K.R. Puram, Hobli Bangalore South Taluk, Bangalore District, totally measuring 3755.65 sq metres together with building thereon 393.50 sq mtrs bounded by
 C Property of Srinivasa Estates (P) Ltd being simultaneously purchased by M/s Yuken India Ltd by a separate sale deed
 W Property of Srinivasa Estates (P) Ltd being simultaneously purchased by M/s Yuken India Ltd by a separate sale deed
 N Survey No. 135
 S Survey No. 131

P. RANGANATHAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date 28-12-1978
 Seal

FORM IINS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th December 1978

C.R. No. 62/19204/78-79/ACQ/B.—Whereas, I,
P. RANGANATHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 132 situated at Pattandur Agrahara Village K.R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk-560048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South-Taluk, Bangalore, Doc. No. 1761/78-79 on 17-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Srinivasa Estates Private Limited., Represented by its Director, Sri M. Ramachandran No. 74, Nusimharnja Road, Bangalore-56 002, (Transferor)
- (2) M/s. Yuken India Limited, White Field road, Bangalore-560048. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'THE SCHEDULE'

[Registered Document No. 1761/78-79 Dated 17-7-78]
All that piece and parcel of converted land in survey No. 132, Pattandur Agrahar village, K.R. Puram, Hobli, Bangalore South Taluk, Bangalore District, measuring 19514.35 sq meters together with all trees thereon bounded by:

East : Village Road.
West : Property of Charlu Industries simultaneously purchased by M/s Yuken India Ltd. by a separate sale deed.

12,265.69 sq. meters
North : Survey No. 135
South : Survey No. 131.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Date : 28-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) C. Chandramouli, 2, C. Ashok,
No. 112-A, 11th Cross Road,
Malleswaram, Bangalore-560003

(Transferor)

(2) Smt. H. R. Sunanda,
W/o Sri Rangaswamy,
No. 116, Magadi Road-Chord Road,
Bangalore-560 040.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-560001, the 31st January 1979

C.R. No. 62/19412/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 98/1 situated at VI Main Road, Malleswaram Bangalore 560 003.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Document No. 1543/78-79
on 5-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1543/78-79 Dated 5-7-78]
All that piece and parcel of house bearing old No. 696/B
New No 98/1, VI Main Road, Malleswaram, Bangalore-
560003. (Division No. 4).

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 31-1-1979
Seal :

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st January 1979

C.R. No. 62/19973/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/4 10th Cross, situated at Magadi Road, Bangalore-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 1132/78-79 on 4-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Desu Ramanjanayalu,
No. 770, V Block, Rajajinagar,
Banagalore-560010.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Satish Babu,
Minor by guardian Smt. D. R. Aswathamma,
No. 770, V Block, Rajajinagar,
Banagalore-560010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1132/78-79 Dated 4-7-78]
Southern half of Eastern portion of House property No 79/4, 10th Cross, Magadi Road, Divn. No. 13 Bangalore-23

P. RANGANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 31-1-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Desu Ramanjaneyulu,
s/o Desu Narayanaswamy Chetty,
No. 770, V Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Sri D. R. Natesh Babu,
s/o Desu Ramanjaneyulu,
Minor by Guardian, Smt. D. Aswathamma,
No. 770, 5th Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31st January 1979

C.R. No. 62/19988/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, R. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/4 situated at 10th Cross, Magadri Road, Bangalore Dn. 13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 1191/78-79 on 11-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1191/78-79 Dated 11-1-78]
Western portion of house property bearing Municipal No. 74/4, 10th Cross, Magadri Road, Bangalore Dn. 13.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—6GI/79

Date : 31-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. H. M. Khatarya,
S/o Heerachand,
No. 226/39, 1C, Cross,
5th Block, Jayanagar,
Bangalore.
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Jayalakshmi Krishnan,
W/o Sri K. C. Krishnan,
No. 130, Suvena Street,
Abbasabad, Teharan, Iran.
Rept. by her GPA holder
M. A. Venkateswaran,
S/o Appadurai Iyer,
Layout, 4th Block, East, Jayanaar,
Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 1st February 1979

C.R. No. 62/20360/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, R. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site bearing No. 2272/6, situated at 30th 'C' Cross, V Block, Jayanagar, Bangalore (Dlvn. No. 35) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 1170/78-79 on 10-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1170/78-79 Dated 10-7-78]
Vacant site bearing No. 227/26, 39th 'C' Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundries :
North : Road,
South : Site No. 238
East : Site No. 228 and
West : Road.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-2-1979
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th February 1979

C.R. No. 62/20060/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, R. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1389/A/52, situated at Bull Temple Road, East, Bangalore-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 1044/78-79 on 3-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nijaguna Swamygalu,
Matadhipathi Jangamutt (Sunkenahalli),
Gavipuram Extension, II Main Road,
Bangalore-19.

(Transferor)

(2) Akhila Bharatha Sri Raghavendra Seva Samithi
(Regd.) No 101, R. V. Road, Basavanagudi,
Bangalore-4, Reptd. by Shri H. R. Subramanya Iyer
and Shri Y. V. Keshavamurthy, President and Hon
Secretary of the Purchaser Samiti, respectively
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1044/78-79 Dated 3-7-78]
Property bearing site No. 1389/A/52 Bull Temple Road East, Bangalore-19.

Boundaries :

East=Bull Temple Road,
West=Site No. 1388 and B. M. S. College,
North=Road and
South=B.M.S. Engineering College.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th February 1979

C.R. No. 62/20056/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing old Municipal No 556 and New No 17, situated at Sajjan Rao Road, V.V. Puram, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 1145/78-79 on 11-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. V. Padmavathama,
W/o Sri Ramaiah Setty,
No. 17, Burgal Mutt Road, V.V. Puram,
Bangalore-4.

(Transferee)

(2) Shri Balukishna,
S/o Sri S. Doddananjappa,
No. 5 Narayana Setty Pet,
Bangalore.

(Transferee)

(3) 1. Shri P. R. Muniratnam, Manager,
Subiamanyeswara Co-operative Bank Ltd.,
Gandhinagar, Bangalore.
2. D. T. Narayana Murthy
3. Krishnamurthy,
4. T. S. Subbiah Setty,
Booking Clerk, Abhinaya Theatre,
B. V. K. Iyengar Street,
Bangalore.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri T. R. Srikantiah Setty,
2. Shri T. S. Parimala
(D/o Shri V. Ramaiah Setty)
W/o T. R. Srikantiah Setty.

[Person(s) whom the undersigned
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 1145/78-79]

Dated 11-7-1978]

Property bearing old No. 556 and New No. 17, Sajjan Rao Road, V.V. Puram, Bangalore-560 004.

Boundries :

East=Road,
West=Sri Venkatananjaniah Setty's house
North=Mrs. Girijamma's property and
South=Sri Rudraiah Setty's house.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-2-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhailalbhai Jimjibhai Patel,
Nagarvada, Gate Faliya,
Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDI DOME
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 22nd January 1979

P.R. No. 645/Acq-23-1220/6-1/78-79.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 65, Open land situated at Nagarvada, Karelibaug area, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-7-1978 & 4-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) President,
Adhyapaknagar Co-Op. Housing Society Ltd.,
C/o Decolyte,
Baroda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing R.S. No. 65 admeasuring Acre-1 and Gunthas 31 (Paiki) situated at Nagarvada, Karelibaug area, Baroda duly registered by Registering Officer, Baroda, vide sale-deeds No. 2458/1-7-78 and 2478/4-7-78 and property as fully described in the sale deeds.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-1-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd January 1979

No. Acq 23-I-1799(773)/16-6/78-79 —Whereas, I,
S. C. PARIKH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Three storeyed building known as "Bimal House" situated at Gondal Road, Opp : Bombay Garrage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gnisikumar Kakubhai,
 Warden Road, Surya Apartments,
 Block No. 34, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Smt. Kamladevi Govinddas Udeshi,
 "Bimal House" Opp : Bombay Garrage,
 Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Bimal House", situated at Gondal Road, Opp : Bombay Garrage, Rajkot standing on land adm 285-5-85 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2756/6-7-78 and as fully described therein.

S. C. PARIKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 23-1-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

P.R. No. 646Acq.23-1253/19-2-/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No 15, Shri Chalthan Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd. situated near Chalthan Rly. Station, Chalthan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Shri Khedut Sahakari Ginning & Pressing Society Ltd.
President :
Shri Mangubhai Tallubhai Desai,
Palsana.
Manager :
Shri Maganbhai Bhikhabhai Patel,
Valan.

(Transferor)

(2) Shri Chalthan Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandali Ltd.
President :
Shri Thakorbhai Narottambhai Patel,
Khambasala, At present : Surat.
Managing Director :
Shri Bhanuprasad Chhotalal Jha,
Chalthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building standing on land bearing Block No. 15, admeasuring 6 Acre & 06 Gunthas situated near Chalthan Rly. Station, Chalthan, Dist. Surat, duly registered by registering Officer, Kamrej vide Sale-deed No. 183/78 duly recorded in the fortnight ending 15-7-78 and as fully described in the sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

Ref. No. P.R. No. 647Acq.23-1254/19-7/78-79.—
 Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 96-97 out of Sur. No. 127 situated at Sultanabad, Near Dumas, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chimanlal Mulchand Reshamwala;
 Shri Chandrakant Mulchand Reshamwala;
 Nava Para, Golval, Fakira Pujani Shevi,
 Surat.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Dahyabhai Patel;
 Village : Bhimpur,
 Chorasai, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lnd situated at Sultanabad, near Dumas Survey No. 96 & 97, out of Survey No. 127, Dist. Surat, duly registered by Registering Officer, Surat vide Registration No. 3084 in the month of July, 1978 and as fully described in the sale deed.

S. C. PARIKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-2-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Mangala Poonamchand Shah
Bates Hill, 41, Pali Hill Road,
Bandra (West), Bombay-400 050

(Transferor)

(2) Shanti Park Co-op Housing Society Ltd
c/o Nirmal Consultants,
17 Gokul Society Pratapnagar Baroda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1979

Ref. No. P.R. No. 648Acq.23-1255/6-1/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARikh,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 335/1B situated Sidhwai, Mata Road,
Pratapnagar, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 21-7-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17--6GT/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 335/1B situated at Sidhwai Mata
Road, Pratapnagar, Baroda in Baroda Karsa admeasuring
1 Acre and 1 guntha or thereabouts equivalent to 43 674 sq.
ft. and fully described in the sale-deed registered at the office
of Registering Officer, Bombay vide No R-671/78.

S. C. PARikh,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Muktagauri
w/o Shri Jethalal Kacharabhai,
Kailash Kunj Society,
Behind Lal Bungalow,
Ellisbridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arvind Chandulal Shah;
2. Shri Hemendra Chandulal Shah;
Panjara Pole, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 5th February 1979

Objections if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

No. Acq.23-I/1889/1-1(PR.777)/78-79.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 66-2-2, T.P.S. No. 20, F.P. No. 167 paiki Plot No. 2 situated at Mithakhali *alias* Changispur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A building standing on land admeasuring 419 sq. yds. bearing S. No. 66-2-2, F.P. No. 167 paiki Sub-plot No. 2, of T.P.S. No. 20, situated at Mithakhali *alias* Changispur, Ellisbridge, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered *vide* Registration No. 4437 in the month of July, 1978.

S. C. PARikh,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Harilal Thakershi;
Limda Sheri, Harihpura,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Arunkumar Narandas Trivedi;
Shri Ashvin Nagindas Shah;
Shri Vasant Gandabhai Chapatvala;
11-Kiran Apartment, Athwa Gate,
Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th January 1979

Ref. No. P.R. No. 644 Acq.23-1195/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 195, Udhna, Dist. Surat situated at Mugat Dyeing Lane, Opp. West Channels, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building situated at Survey No. 195 at Udhna, Dist. Surat (about 4 kms. from Udhna, near Mugat Dyeing Lane, Opp. West Channels) admeasuring 1076-90 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 3031 in the month of July, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 15-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Mehendi Hadibhai Budhwani,
Khakharapar, Dhoraji, Dist. Rajkot.
(Transferor)
- (2) Lilavanti Hirji Rabhiya,
C/o Vira Store, Crawford Market,
Bombay.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1979

No. Acq.23-I-1806(779)/16-1/78-79.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 26,000/- and bearing
Plot No. 56, Cinema Theatre known as Ganga Cinema (15% share) with shops situated at Bhakumbhijpara, Dhoraji, Distt. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dhoraji, on 7-7-1978
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building known as Ganga Cinema with shops in Plot No. 56 (Paiki land adm. 3562-7-6 sq. yds.) (15% share) situated at Bhakumbhaji Para, Dhoraji Dist. Rajkot, duly registered by Registering Authority, Dhoraji vide sale deed No 489' 7-7-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date. 9-2-1979
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt Kulsum S Tharani
C/o Galaxy Cinema, Dhoraji
Dist Rajkot

(Transferor)

(2) Shri Narendra Lalchand
C/o Vira Stores, Crawford Market
Bombay

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE ASITKAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009 (the 9th February 1979)

No Acq 231 1807(780) 16 1/78-79—Whereas I
S C PARIKH,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act.'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and being No
Plot No 56 Cinema Theatre known as Ganga Cinema
(15th share) with shops situated at Bhakumbhajipura
Dhoraji, Dist Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Dhoraji on 7-7-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Building known as Ganga Cinema with shops in Plot No
56 (Palki 1nd adm 3562 7 6 sq yds) (15th share) situated
at Bhakumbhajipura Dhoraji Dist Rajkot duly registered
by Registering Authority, Dhoraji vide sale deed No 482/
7778 i.e. property as fully described therein

S C PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date 9 2 1979
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal, Nareshibhai Tankaria,
R/o Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Ramagauri Mansukhbai Tank,
7, Laxmiwadi, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-280 009, the 23rd February 1979

No. Acq. 23-I-1800(784)/16-6/78-79.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Open plot in Nalah situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Open plot of land in Nalah adm. 243 sq. yds. situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer of Rajkot, vide sale deed No. 2767/July, 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Mohanlal Nareshbhai Tankaria,
of Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mansukhlal Narshibhai Tank,
7, Laxmiwadi, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-280 009, the 23rd February 1979

No. Acq.23-I-1800(785)/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot in Nalah situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rajkot in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land in Nalah adm. 245 sq. yds. situated at Kewdawadi Main Road, Nr. Canal Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer of Rajkot, vide sale deed No. 2766/July, 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-2-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

FORM ITNS

(1) Smt. Dahiben
wd/o Shri Maneklal Chhotalal
Lalbawano Timbo, Dariapur,
Ahmedabad

(Transferee)

(2) Jangiram Co. Op. Hops. Soc. Ltd
through :

1 Chairman
Shri Girishbhai Maganlal Manani,
Pathik Society, Naranpura,
Ahmedabad

2 Secretary :
Shri Bhukhalal Kantilal Shah,
Jatin Pole, Sankadisheri,
Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferee
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open land adm 2100 sq. yds. bearing F.P. No. 94,
Sub-Plot No. 3, of T.P.S. 19, situated at Usmanpura, Behind
Narang High School, Ahmedabad and as fully described in
the sale-deed registered vide R. No. 7511 dated 31-7-1978

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated : 13-3-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the of this notice under sub-section
(1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely : —

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411 005**

Pune-411 005, the 6th March 1979

Ref. No. CA5/SR.KARVEER/Nov'78/419 —
Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C S No. 1325/204 situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karveer on 3-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) New United Engineering Works :

Partners :

1. Shri Gopal Dattatraya Chavan,
Plot No. 8, Pratibhanagar,
E-Ward, Kolhapur
2. Shri Pandurang Govind Patil,
II. No. 2508, A-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

- (2) Shri Chandrakant Keshavrao Jadhav,
2267, B-Ward, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Tukadi Jilha, Kolhapur, Pottukadi, Tahsil, Karycer, Ward, Udayam Nagar, Kolhapur C.S No. 1325/204.

Area : 245 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2795 dated 3-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pooni

Date : 6-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—6GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CAS/SRSolapur/Nov'78/418.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 8636 i.e. House No. 98, situated at Solapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solapur on 1-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Shri Abdul Wari, 2. Shri Abdul Waris, 3. Shri Abu Bakar, 4. Shri Ahmedsaheb Aziz Shaikh, 5. Railway Lines, Solapur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nandkumar, 2. Shri Rajaram, 3. Shri Prakash Bhikaji, 4. Shri Suntosh Vyankatesh Bhikaji, 5. Smt. Ratnabai Bhikaji Revankar, 98, Gold Finch Peth, Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 8636, i.e. house No. 98, Gold Finch Peth, Solapur.

Area : 461.4 sq.m.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2438 dated 1-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Solapur).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Dated : 7-3-1979.

Seal ;

FORM ITNS(1) Shri Phutermal Saremal Jain & others, Bhiwandi,
Tal. Thane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
BHANKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH GHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Bhiwandi/Sep'78/423.—Whereas, I,

SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 131, Hissa No. 1 situated at Bhiwandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhiwandi on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 131, Hissa No. 1, at Bhiwandi.
Area : 1780 sq. yds.

(Property as described in the sale deed registered under No. 739 dated 1-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Bhiwandi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-3-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajendrakumar Futermal By Futermal Satmalji, 172, Manisha, Jain Park, Block No. 301-A, M. H. No. 27, Byculla.

(Transferor)

(2) M/s Kamal Dyeing and Printing Works, Narpoli, Bhiwandi, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

ACQUISITION RANGE, PUNA-411004.

Poone-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Bhiwandi/Sep'78/421.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 131, Hissa No. 1, situated at Kamatghar, Tal. Bhiwandi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwandi on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

S. No. 131, Hissa No. 1, Kamatghar, Tal. Bhiwandi, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 737 dated 1-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Bhiwandi).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Dated : 7-3-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

FORM ITNS—

(1) Shri Anant Ganesh Jamsandekar, 1113, E-Ward, Skyes Extension, Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE.

Pune-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Karveer/Nov'78/420.—Whereas, I,

SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T. S. No. 2094, situated at Kolhapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Kolhapur on 9-11-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) M/s. Tembe Steel Industries Pvt. Ltd. Kolhapur, Shri Mandar Madbav Tembe, C-Ward, C.T.S. No. 1355, Laxmi Puri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot at C.T.S. No. 2094, E-Ward, Kolhapur.

Area : 31400 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2873 dated 9-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Dated : 7-3-1979.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Popatil Futermal, By Futermal Sermal Jain,
172, Manisha Jain Park, Block No. 301A, m. H.
No. 27, Byculla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,

Poone-411005, the 7th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Bhiwani Sept/422.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 131 H. No. 1 situated at Kamatghar, Tal. Bhivandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhivandi on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

S. No. 131, H. No. 1, Kamatghar, Tal. Bhivandi.
Out of 7381 sq. yds. 4933 sq. yds.

(Property as described in the sale deed registered under No. 738 dated 1-9-78 in the office of the Sub-Registrar, Bhivandi).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-3-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kausalyadevi Verma, 15, Mayfair, Vir Nariman Road, Bombay-20.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.**

Poone-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec.'78/426.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 situated at Mouje Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd. Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2, part Area : 3.38 out of which 1'12 hissa in Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 498 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 16-3-1979,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Pune-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Decr'78/425.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Gat No. 56, S. No. 42, situated at Mouje Panchpakhadi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Thane on 4-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Deepak Tekchand Varma,
6, Ravindra Mansion, Dinesh Vacha Road,
Bombay-20.
(Transferor)
- (2) Shri W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd.
Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 part area 3.38 out of
which 1/6 hissa, at Mouje Panchpakhadi, Tol. & Dist. Thane,
(Property as described in the sale deed registered under
No. 499 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar,
Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated : 16-3-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Dharmendra Tekchand Verma,
Vir Nariman Road, 15, Mayfair, Bombay-20.
(Transferor)
- (2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Lt. Thane.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

Poone 411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec'78/428.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 56, S. N. 42/12 situated at Mouje Panchpakhadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42/12, part area 3.38 out of which 1/2 Hissa, at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 497 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poone.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—6GT/79

Dated : 16-3-1979
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Savitri Hardayal Varma,
through Deepak Tekchand Varma,
6, Ravindra Mansion, Dinesh Vachha Road,
Bombay-20
(Transferor)
- (2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd.
Thane.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Poone-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR.Thane/Dec'78/430—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 situated at Mouje
Panchpakhadi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thane on 4-12-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 part area 3.38 out of
which 1/6 hissa. at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No.
503 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated 16-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Veerabala Reddy,
15, Mayfair, Vir Nariman Road,
Bombay-20.

(Transferor)

(2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd. Thane.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Poona-411005, the 16th March 1979

Ref. No. CA5/SR/Thane/Dec'78/431.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 56, S. No. 42, Hissa No. 1/2 situated at Mouje Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gat No. 56, S. No. 42, Hissa No. 1/2 part area 3.38 out of which 1/6 Hissa, at Mouje Panchpakhadi, Tal. and Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 500 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona)

Dated : 16-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagawan Lala Bulbule,
202/7, Shukrawar Peth,
Solapur.

(Transferor)

(2) 1 Fakir Ahmed Mohamed Sharif Nadewale, 2. Smt.
Zubedabai Pasha Miya Haji, 612, Mangalwar Peth,
Solapur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Poone 411005 the 16th March 1979

Ref No CA5/SR.Solapur/Sept'78/424 —Whereas, I,
SMT P LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
No C T S No 4148, situated at Solapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Solapur on Sept 78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at C T S No 4148 at Solapur.

Area 68 6 sq. mts

(Property as described in the sale deed registered under
No 2273 in the office of the Sub-Registrar Solapur)

SMT. P LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poone

Dated 16 3 1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1 Smt Savitri Hardayal Varma,
 2 Shri Deepak Tekchand Varma,
 Ravindra Mansion Devesh Vanka Road, Bombay-20
 3 Smt Kausalyadevi Tekchand Varma
 15, Mayfair Vir Naikman Road, Bombay-20

(Transferor)

- (2) W. G. Forge and Allied Industries Ltd Co Thane
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

Poone-411005, the 16th March 1979

Ref No CA5/S R Thane/Dec 78/427 ~ Wheres J,
 SMT P LALWANI,
 being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Gat No 56 S No 42 H No 1/2, situated at Mouje Panchpakhadi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gat No 56 S No 42 H No 1/2 part area 338 out of 1 12 Hissa at Mouje Panchpakhadi, Tal & Dist Thane

(Property as described in the sale deed registered under No 502 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar Thane)

SMT P LALWANI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poone

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 16-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA.**

Poona, the 16th March 1979

Ref No. C A5/SR.Thane/Dec.'78/429.—Whereas, I, SMT P LALWANI, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 situated at Mouje Panchpakhadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 4-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Deepak Tekchand Varma,
Ravindra Mansion, Vaccha Road, Bombay.
2. Koushaladevi T. Varma,
15, Mayfair, Veer Nariman Road, Bombay-20.
3. Savitribai Haidayal Varma,

(Transferor)

- (2) W. G. Forge and Allied Industries Co. Ltd, Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Gat No. 56, S. No. 42, H. No. 1/2 part area 3.38 out of which 1/6 Hissa at Mouje Panchpakhadi, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under No. 503 dated 4-12-78 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 16-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ratnaprabha Vishwasrao Ghorpade,
Ward E-334, Dattawad House,
New Shahupuri, Kolhapur

(Transferor)

(2) 1. Bhingappa Ratnappa Hemgire,
2. Ramchandra Mahadeo Magdum,
3. Shripal Kallappa Chougule,
4. Charitra Kallappa Chougule,
3/4, Dattawad, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, POONA.

Poona, the 17th March 1979

Ref. No. CAS/SR.Karveer/Nov.78/423.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Gat No. 609, situated at Shirol Dist. Kolhapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Karveer on Nov. 78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gat No. 609,

Area : H. R. 7-58 at Tahsil Karveer Shirol, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under No
66 dated Nov. 78 in the office of the Sub-Registrar, Karveer).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 17-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Kumari Rashmi Bansal D/o Sh. Krishan Bansal Plot No. A-27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Maseshkumar E-8 Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

(27 of 1957);

(3) M/s. Podar Spinning Mills, Jaipur (Tenant).

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/514.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Godown No. 1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 1-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One flat upon Godown No. 1 situated at Gulab Path Chomu House Sardarpatel Marg, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1785 dated 1-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 29-1-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Kumari Rashmi Bansal D/o Sh. Krishan Bansal Plot No. A-27 Kantichandra Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Dinesh Kumar s/o Sh. Gopaldass Khandelwal L-8 Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/515.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No. 1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor portion of Godown No. 1 Situated at Gulab Path Chomu House Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1784 dated 1-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 29-1-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Kumari Rashmi D/o Sh. Krishan Bansal, Plot No. A-27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)
- (2) Sh. Om Prakash and Damodar ss/o Shri Bilasrai Bagoria 114E Maharani Gyatri Devi Market, Jaipur.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/516.—Whereas, I,
HARI SHANKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Godown No. 2 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 24-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One flat upon Godown No. 2 situated at Gulabpath Chomu House Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1693 dated 24-7-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 29-1-79
Seal .

FORM ITNS

(1) Kumari Rashmi D/o Sh. Kushan Bansal, Plot No. A 27 Kantichander Road, Bani Park, Jaipur
(Transferor)

(2) Sh. Bilastrai Bagoria and Sh. Rajesh Kumar S/o Sh. Bilastrai Bagoria E 144 Maharani Gayatri Devi Market, Jaipur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/517—Whereas, I,
HARI SHANKER,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Godown No 2 situated at Jaipur
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 24-7-78
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor portion of Godown No 2 situated at Gulab
Path, Chomu House Sardar Patel Marg, Jaipur and more
fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide
registration No 1694 dated 24-7-78

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said
Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'Said Act', to the following per-
sons namely :—

Dated 29-1-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sh Manphool Ram S/o Chetan Ram Kumar Chak
6 E Chhoti, Tehsil Sriganganagar
(Transferor)
- (2) Sh Chhaganlal Nagauri S/o Kalu Ram C/o Nagauri
Iron Store, Dhan Mandi, Sriganganagar
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No Raj/IAC(Acq)/530—Whereas, I,
HARI SHANKER
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 22-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

One Bigha and 17 Bishwas of Agricultural Land situated at 6-E Chhoti and more fully described in the sale deed, registered by S R Sriganganagar vide registration No 1536 dated 22-8-78

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 6-3-1979
Seal ·

FORM ITNS

(1) Shri Manphool Ram S/o Shri Chetan Ram Kumhar
Chak 6-E Chhoti, Sriganganagar (Raj.)

(Transferor)

(2) Sh. Pradeep Kumar S/o Shri Chhaganlal Agrawal,
C/o Nagauri Iron Store, Dhan Mandi, Sriganganagar
(Raj.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.**

Jaipur, the 6th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/531.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at Sriganganagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 14-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Bigha of Agricultural land of Khata No. 31, situated at 6-E Chhoti and much more fully described in Sale Deed registered by S.R. Sriganganagar vide his registration No. 1745 dated 14-8-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 6-3-79
Seal :

FORM ITN5—

(1) Sh. Manphool Ram S/o Chetan Ram Kumhai Chak
6-E Chhoti, Sriganganagar (Raj.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

(2) Smt. Meena Devi W/o Chhaganlal Agarwal C/o Nagauri Iron Store, Dhan Mandi, Sriganganagar (Raj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/532.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 6-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Bigha of agricultural land of Kila No. 16 situated at Chak 6-E Chhoti, Sriganganagar and much more fully described in the Sale Deed registered by S.R. Sriganganagar vide his registration No. 1744 dated 6-9-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manphool Ram S/o Chetan Ram Kumhar Chak
6-E Chhoti, Sriganganagar (Raj).

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar S/o Chhaganlal Agarwal C/o
Nagauri Iron Store, Chan Mandi, Sriganganagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 6th March 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/78-79/533.—Whereas, I, HARI SHANKER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 27-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under in the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One Bigha of Agricultural land of Kila No. 15 situated at 6-E Chhoti, Sriganganagar and much more fully described in the Sale Deed registered by S.R. Sriganganagar vide his registration No. 1535 dated 27-7-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1979

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 19th March 1979

Ref. No. RAJ/IAC(Acq)/537.—Whereas, I,
HARI SHANKER
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
situated at Hanumangarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 9-8-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banwarilal S/o Shri Badri Chand Caste Agarwal-Resident of Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

(2) Smt. Santo W/o Shri Dule Singh caste Rajput, resident of Rodowali, Teh. Hanumangarh Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Bighas of Agricultural land situated at Chak No. 11 L.L.W. Teh. Hanumangarh, and much more fully described in the sale deed, registered by S.R. Hanumangarh vide registration No. 1228 dated 9th Aug. 1978.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-3-79
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th March 1979

Ref. No. Raj/JAC(Acq)/537.—Whereas, I,
HARI SHANKER
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Hanumangarh
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 9-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Banwarilal S/o Shri Badri Chand Caste Agarwal resident of Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Dule Singh S/o Shri Khoom Singh Resident of Rodawali, Teh. Hanumangarh Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Bighas of Agricultural land situated at Chak No. 11 L.L.W., Teh. Hanumangarh and much more fully described in the sale deed registered by S. R. Hanumangarh vide registration No. 1227 dated 9-8-78.

HARI SHANKER,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 19-3-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Kamla Devi Sharma, Widow Bhagwati Prasad Sharma, 13/387, Civil Lines, Distt Kanpur
(Transferor)

(2) Shri Ram Kumar Gupta W/o Dwarika Pd Gupta, Avadhesh Kumar Gupta, Sudhir Kumar Gupta (both Minors) Through his mother Smt Phoolmati Devi Widow Dwarika Pd and Smt Phoolmati Devi W/o Late Dwarika Pd Gupta R/o Vill & P O Koda, Jahanabad, Distt Fatehpur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th September 1978

Ref No Acq/175/Kanpur/78 79 — Whereas, I,
B C CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4/7/1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building bearing No C-21, Sarvodaya Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 70,000/-.

B C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 29-9-78
Seal ;

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Dr. V. Ranganathan,
S/o Late G. Vanikarama Iyer,
C-198 Defence Colony, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Khanna,
Smt. Rita Khanna,
7/62 Tilak Nagar, Kanpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Kanpur, the 8th February 1979

Ref. No. 699-A/Kan./78-79.—Whereas, I, B C CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 573 Kakadev, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 74,200/-.

B C CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 8-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th February 1979

Ref. No. 626-A/Haridwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 25-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Krishna Chandra s/o Amichand
R/o Village & Post Nihalkhera, Rajalka Distt.
Firozpur Mukhtar-Am Minajanib
Jamuna Devi w/o Amichand
R/o Unat Village, Nihalkhera through
Mukhtar Nama registered,
Surajmal, Advocate s/o Chaudhary Khetaram,
Mukhtar-Am Minajanib Laxmi Chand S/o Hariram,
Unat Village, Nihalkhera, Distt. Firozpur.
(Transferor)

(2) Gujar Bhawan Dharamshala Haridwar registered
Distt. Saharanpur through Chaudhary Bhairat Singh,
Secretary, Unat Bhawan s/o Chaudhary Prithvi
Singh r/o village & Post Jhabrera Tele, Tah. Roorkee
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at village Ahampur Karad, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 17,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 38,200/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 9-2-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th February 1979

Ref. No. 647-A/Haridwar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 13-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Durga Prasad Khosala
s/o Late Ganga Prasad Ji
R/o Tenal Halt, Kashipura, Haridwar
Parg. Jwalapur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur,
(Transferor)
- (2) Ganga Sabha registered Haridwar Distt. Saharanpur through Sardar Anand Prakash Sharma Secretary
Ganga Sabha S/o Sardar Kripa Ram R/o Moh.
Chaklan, Jwalapur Teh. Roorkee Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house property situated near Railway Lines near Ratan Cinema the apparent consideration for which has been shown at Rs. 125,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 160,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 9-2-1979

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th February 1979

Ref. No. 725 A/Haridwar/78 79—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCH DULF (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 25/8/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Surajmal, Advocate s/o Kheta Ram R/o Village & Post Nihalkhera Teh Fajlaka Distt Firozpur Mukhtar Am Min Janib Raja Ram s/o Chaudhary Ramaram r/o Vill Unat Post Nihalkhera Teh Fajlaka Distt Firozpur.

(Transferor)

(2) Gujar Bhawan Dharamshala, Haridwar registered Distt Saharanpur through Chaudhary Bhau Singh, Secretary Unat Bhawan s/o Chaudhary Prithvi Singh r/o vill & Post Jhabrera-Tele, Roorkee Distt. Saharanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House property situated at village Ahampur Karad, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 17,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 38,200/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated 9-2-1979
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

FORM ITNS

(1) S/Shri Som Datt, Madan Singh, Mangal Singh
Sons of Amin Singh
R/o Post Mumma Pargana Bhu Sa. Tehsil Jansath
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Vedpal s/o Malkhan Singh,
Raghuvir w/o Vedpal Singh, Sohan Pal, Om Vir,
Chandra Pal s/o Ved Pal Singh
R/o Hal Post Mumma (Muzaffarnagar).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd February 1979

Ref. No. 593-A.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEULE situated at AS PER SCHEULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 14-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEULE

Agricultural land situated at Village Mumma (Muzarnagar) sold for an apparent consideration of Rs. 35,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 8,51,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 22-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd February 1979

Ref. No. 499-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kairana on 4-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Phullu s/o Sri Dallu
R/o village Bhaju, Parg. Shamli
Tehsil Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Narain and Ram Rattan
S/o Ram Swaroop
R/o Village Bhaju Parg. Shamli,
Teh. Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Bhaju Parg. Shamli Teh Kairana Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 67,500/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd February 1979

Ref. No. 596-A/M.Naga/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 28-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-6G/79

(1) Shri Jagendra Singh s/o Rameshwari Dayal
1/o Sambalheda
Post Khas Distt. Muzaffarnagar
(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh s/o Pratap Singh
Mustappa Amar Khan w/o Kartar Singh,
Sadhu Singh, Ujagar Singh, Mahendra Singh,
s/o Kripa Singh, Bhagwandas, Shiv Lal, s/o Khushi
Ram 1/o Sambal Heda Post Khas Distt. Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sambal Heda sold for Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 23rd February 1979

Ref. No. 595-A/M.Nagar.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 15-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surendra Singh s/o Rameshwari Dayal R/o Samyal Heda Teh. Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Sardar Kartar Singh s/o Pritam Singh Smt. Amar Kaur w/o Sardar Kartar Singh, Sadhu Singh, Ujagar Singh, Mahendra Singh S/o Kripal Singh, Bhagwandas, Shiv Lal s/o Khushi Ram R/o Samval Heda Teh. Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sahval Heda sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at 76,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 23-2-1979

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd February 1979

Ref. No. 663-A/Mussoorie.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mussoorie on 27-7-78

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala Rani, Ravi Kumar, Vijai Kumar, Surendra Pal, Vinod Kumar s/o Om Prakash Sabarwal r/o 1 Mount View Kulari, Mussoorie.

(Transferor)

(2) Shri Sriyana Prasad Jain s/o Kamal Pd. Jain
R/o Longh-Singh, Kulari, Mussoorie.
At present Manager, Allahabad Bank, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property "long-Singh, Mussoorie sold for an apparent consideration of Rs. 55,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,100/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 23-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST'L. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th February 1979

Ref. No. 589-A/M. Nagar.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitsath on 4-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhan
s/o Shri Khiman
r/o Samval Heda
Post Khas Pargana Mumma Samval Heda
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mool Chandra,
Shri Tirlok Chandra,
Shri Ram Chandra
r/o Samval Khera Post Khas,
Pargana Mumma Samvalkhera
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Samval Heda sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 74,300/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asst'l. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 24-2-1979
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Virendra Singh
S/o Shri Rameshwari Dayal
r/o Samyal Heda Post Khas
Distt. Muzaffarnagar

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh
s/o Shri Pritam Singh,
Mst. Amar Kaur
w/o Shri Kartar Singh,
S/Shri Sadhu Singh, Ujagar Singh, Mahendra Singh
S/o S/Shri Kripa Singh, Bhagwan Das, Shiv Lal
s/o Shri Kashiram
r/o Samval Heda Post Khas Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th February 1979

Ref No 594-A/M. Nagai—Whereas, I,
B. C. CHATURVLDI
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jansath on 28-7-78
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said ins-
trument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Samval Heda sold for
an apparent consideration of Rs 48,000/- the fair market
value of which has been determined at Rs 76,800 -

B. C. CHATURVLDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 24-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th February 1979

Ref. No. 685-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 4-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Ramanand
S/o Sh. Chitar Lal
r/o 188 Mohalla Kanhiya Lal,
Delhi Gate, Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Winod Kumra
s/o Shri Shyam Sunder Lal
r/o House No. 74 Mohalla Chatta,
Delhi Gate, Gaziabad,
Smt. Sarla Devi
w/o Late Vishwa Nath
r/o Kasba Cadri, Haduiyat Matawalia Kudari
under guardianship of Sri Gauri Shanker urf
Ajay Kumar, age 15-16 years
s/o Shri Vishwanath.
r/o Dadri Pargana and Teh, Dadri Distt,
Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No 189-190 Delhi Gate, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 293,094/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th February 1979

Ref. No. 686-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 10-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Updesh Obroy
w/o Shri R. S. Obroy
r/o C-480 Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Kewal Kishan Mittal,
Shri Subhash Chandra Mittal
r/o 1716 Gali Madarsa Mir Jumla,
Lal Kunwa, Delhi-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Factory building situated at 128 Parkash Industrial Estate G.T. Road, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 110,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 132,400/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-2-1979
Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th February 1979

Ref. No 864-A Mitt—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Maya Devi
d/o Chaudhary Khan Chandra
w/o Dr. Hari Krishna Khurana
r/o Jali Kothi Colony,
Patel Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar Rastogi (1/1th share)
Shri Subhash Rastogi (1/2 share)
Smt Chandravati Rastogi (1/4th share)
w/o Sri Vishambhar Sahai Rastogi
r/o 20-A Patelnagar, Meerut

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house property No. 20-A, B Municipal No. 111 near Jali Kothi, Patel Nagar Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 214,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 358/Acq/Kannauj/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kannauj on 21-7-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23--6GI/79

(1) S/Shri Anulraja, Ashan Raja
 S/o Shri Aliraja
 r/o Vill. Baikhapur Patti
 Post Kalikapur Pargana &
 Tahsil Kannauj Distt. Farrakhabad.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar
 s/o Shri Shiv Kumar
 r/o Mohalla Chapati
 Post Chapati Pargana &
 Tahsil Kannauj, Distt. Farrakhabad

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Bairanapur Patti Post Kalikapur Pargana & Tah. Kannauj, Distt. Farrakhabad sold for an apparent consideration of Rs. 31,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 81,070/-

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range Kanpur.

Date : 28-2-1979

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 384/Acq/Bharthana/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bharthana on 12-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajaram
s/o Shri Buti Lal
r/o Puravali Pargana Bharthana,
Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Madho Prasad
s/o Shri Prabhu Dayal,
Smt. Sri Devi
w/o Madho Prasad,
Shri Mantri
s/o Shri Chotu,
S/Shri Premram, Chotey
ss/o Shri Thundey
r/o vill. Puravali Pargana Bharthana,
Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Puravali Pargana Bharthana Distt. Etawah sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 129,700/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref No 385/Acq/Bharthana/78 79 —Whereas I,
 B C CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharthana (Etawah) on 13-7-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shyam Behari
 s/o Shri Rupai
 r/o Bahera Post Maheva, Pargana Bharthana,
 Distt Etawah

(Transferor)

(2) Shri Badan Singh
 s/o Shri Hamir Singh
 r/o Bahera Post Maheva, Pargana Bharthana,
 Distt. Etawah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Agricultural land situated at village Pargana Bharthana District Etawah sold for an apparent consideration of Rs 63,500/- the fair market value of which has been determined at Rs 107,000/-

B C CHATURVEDI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1979
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref No 391/Asq /Ch Mau/78-79 —Whereas, I,
B C CHATURVEDI
being the Competent Authority under section 269B of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs 25000/- and bearing No
number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Chibramau on 4-7-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Smt Ram Kunwar
w/o Shri Har vilas
r/o Arahi Pargana Sakanpur
Tah Chibramau, Distt Farrakhabad

(Transferor)

(2) S/Shri Ramesh Chand, Ram Prakash
Chatubhuji, Manoj Kumar, Ajay Kumar
minor ss/o Shri Ram Chandra
r/o Araho Pargana Sakatpur,
Tah Chibramau, Distt Farrakhabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) or section 269D of the said Act to the following persons
namely —

Agricultural land situated at village Araho Pargana Sakatpur Tahsil Chibramau Distt Karakhaba sold for an apparent consideration of Rs 22,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 55,100/-

B C CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 28-2-1979
Seal .

FORM NO. IT.N.S.—

(1) Shri Kaushal Kishore Tandon
s/o Shri Jugal Kishore Tandon
r/o Kunj, Distt. Etawah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) S/Shri Ajay Kumar, Vijay Kumar,
Major Vinod Kumar, Pramod Kumar
minor under guardianship of Ram Lekhan Gupta
and wife Smt. Shakuntala Devi
w/o Sri Ram Lekhan Gupta
r/o Homganj Pargana Bharthana,
Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 412/Acq/Bharthana/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Bharthana on 8-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Takpura Pargana
Bharthana Distt. Etawah sold for an apparent consideration
of Rs. 24,000/- the fair market value of which has been
determined at Rs. 95,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 28-2-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1979

Ref. No. 451/Acq/Hathras78-79.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 26-8-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Prasad
s/o Shri Rameshwar Dayal
r/o Sadabad, Hathras,

(Transferor)

(2) Shri Vishan Swarup
Shri Laxmi Narain,
S/Shri Radhey Shyam, Ram Babu, Dinesh Kumar
ss/o Shri Vishan Swarup
r/o Sadabad, Hathras,
Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house property situated near Dwarkadish Ji Mahara, Sadabad Tahsil Hathras Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 1,53,800/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Nand Kishore Bajoria, Badri Pd Bajoria,
S. N. Bagla, Shiv Shanker Bajoria,
125 Shyam Prasad Mukherjee Road, Calcutta
(Transferor)
- (2) M/s. Star Paper Mills Ltd.
27 Brabourne Road, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th March 1979

Ref. No. 488-A/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as in schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur on 25-7-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land, Bungalow, Godown and staff quarters situated at Jawalapur Road, Hardwar Road, Jwalapur Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 700,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 9,81,670/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 7th March 1979

Ref. No. F. No. 295/Acq./Mathura/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Met (Mathura) on 31-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Bakshi Singh, r/o Mat Mula Post Mat Distt. Mathura, present 17/18 Windsor Mansions, Janpath Lane, New Delhi.

(1) S/Shri Bhudhar Singh, Uday Singh, Shyam Babu s/o Shri Chirmoli r/o Mat Mula Parg. & Tah. Mat, Distt. Mathura.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Mat Mula Bangar Tahsil Mat, Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,290/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kumar s/o Shri Bhagwan Singh
r/o Nagia Harram Majra Khanda,
Post Khanda Pargana Etmadpur, Distt. Agra.
(Transferor)

(2) Shri Rajvir Singh s/o Shri Bhuri Singh Adult and
Turfa Singh minor ss/o Sri Choba Singh
Shri Vilayat Choba Singh s/o Shri Angada Singh
r/o Nagala Dhokal Majra village Khanda
Post Khanda Pargana Etmadpur, Distt. Agra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th March 1979

Ref. No. F. No. 428/Acq./Etamadpur/78-79.—
Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Etmadpur (Agra) on 15-7-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Khanda Pargana Etmadpur Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 69,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur,

Date : 7-3-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—6GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref No 278/Etmadpur/78-79—Whereas I, B C CHATURVEDI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etmadpur on 17-7-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Inshwar Chandra Singh,
 Kishan Chandra Singh, Onkar Singh
 & Sri Darshan Singh
 r/o Garhi Pithi Tahsil Etmadpur Hil
 r/o Baseti Sikandar Tah. Kuavali
 Post Fatehpur Sikri Distt. Agra

(Transferor)

(2) Shri Banshidhar
 s/o Sri Pitambar Singh,
 Shri Ravindra Kumar
 s/o Sri Banshidhar
 r/o Piparia Mauja Ghauta
 Post & Tah. Etmadpur Distt. Agra

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauja Khairani Tahsil Etmadpur Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 47,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 91,500/-.

B C. CHATURVEDI.
 Competent Authority.
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range Kanpur

Date : 9-3-1979
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 695-A/B.Shahar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding number as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 10-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Syed Fariduddin
s/o Jamshed Shah Mohammad Khan
1/o Village Kayarit Mukhtar-ai-aam
Markar Jadi Nihal Aligarh
Dudhpur Post Khas village Kathirit
Pargana Arhat, Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Nadira Aria
w/o Shri Arif Bashir
1/o Bulandshahar Mohalla Kothi Talab,
Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kayrith sold for an apparent consideration of Rs. 33,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 584-A/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jansath on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joga Singh
s/o Shri Pyara Singh
r/o Kaval Pargana Jauli Jansath
Tah. Jansath, M. Nagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ishhaq Hussain, Asaf Hussain,
Akbar Hussain s/o Shri Hussain
r/o Kaval, Pargana Jauli, Jansath,
Tah. Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Kaval Pargana Jauli Tah. Jansath sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 81,200/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 602-A/B.Shahar/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
 being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the said Act)
 have reason to believe that the immovable property, having
 a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.
 number as per Schedule situated at as per Schedule
 (and more fully described in the
 schedule annexed hereto), has been transferred
 under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
 of the Registering Officer at Hapur on 12-7-1978
 for an apparent consideration which is
 less than the fair market value of the aforesaid prop-
 erty and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the appa-
 rent consideration therefor by more than fifteen per-
 cent of such apparent consideration and that the con-
 sideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Shri Karnail Singh
 s/o Shri Phavat Singh
 S/Shri Bachan Singh, Gurlux Singh
 ss/o Shri Karnail Singh
 r/o Vill. Nikosara,
 Smt. Maya Devi
 d/o Shri Narain Singh
 r/o Vill. Novping Barki Balan
 Tah. Bastara Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S. Shri Gurdip Singh, Gandhara Singh
 Darshan Singh ss/o Shri Adam Singh,
 Shri Mahendra Singh
 s/o Shri Maya Singh,
 Smt. Jagir Kaur
 d/o Shri Navab Singh,
 S/Shri Balwant Singh Kulpant Singh
 ss/o Shri Mahendra Singh
 r/o Vill. Basar Ki Galli,
 Tah. & Distt. Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sadabad sold for an apparent consideration of Rs. 95,475/- the fair market value of which has been determined at Rs. 140,000/-

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S Shri Mangal Singh, Teja Singh
ss/o Shri Jawahar Singh
j/o Village Kuwan Tah Ramrala
Distt Iudhiana Hal
r/o Vill Asadnagar Majara Madia
(Muzaffarnagar)

(Transferor)

(2) S/Shri Jaspal Singh, Harbans Singh, Bhagat Singh
Upkai Singh, Surjit Singh
ss/o Shri Bachana Singh
j/o Asadnagar Majara Mandura
(Muzaffarnagar)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGI, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref No 665 A/M Nagar/78-79.—Whereas, 1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarnagar on 6-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Mandura, Asadnagar, Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 66,600/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 9 3-1979
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 678-9.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kairana on 19-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Janka Dulati
Shri Sitaram Gupta
1/o N-184 Panchsheel Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mainpal
1/o Sri Kedai Singh,
1/o Hard Fatehpur, Tah. Kairana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Hard Fatehpur Tah. Kairana sold for an apparent consideration of Rs. 24,502.50 (the fair market value of which has been determined at Rs. Rs. 78,000/-).

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Shyam Lata
w/o Shri Krishna Kumar Jauhari
r/o 21 Jauhari Tola Allahabad
(Transferor)

(2) Shri Jhanak Pal Singh
s/o Sri Kedar Singh
r/o Hard Fatehpur Tah Kairana
Distt Muzaffarnagar
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref No 679-A —Whereas I B C CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 19-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Harad Fatehpur Pargana Thana Bhawan sold for an apparent consideration of Rs 26,865/- the fair market value of which has been determined at Rs 85,000/-

B C CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 720-A. - Whereas, I. B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoband on 26-7-78 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—
25-GI/79

(1) Shri Rajendra Kumar
s/o Pala Prakash Chand
r/o Saharanpur, Moh. Chaudhian,
Mukhtu-ni-am Aj Janib
S/Shri Santosh Kumar, Subodh Kumar
s/o Shri Jambu Prasad,
Shri Pramod Kumar
s/o Shri Mahendra Kumar
r/o Nanita,
Shri Mukut Kumar
s/o Shri Jambu Prasad
r/o Kaswa Nagla, Moh. Shekhjad,
Pargana Rampur Post Khas,
Distt. Saharanpur.

(Transferer)

(2) S/Shri Abhaya Ram, Munshi Lal, Kiran Ram
Puran Chandra s/o Shri Harbans Lal
r/o Kasba Shamli, Mohalla Ramshala,
Tah. Kairana, Distt. Muzaffarnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Dadaipur Pargana Rampur Tah. Deoband District Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 142,520/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 9th March 1979

Ref. No. 580-A/G.bad/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 24-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kalyan Singh
s/o Shri Surajmal
r/o Nihapur Modinagar pargana Palababad,
Tah. Hapur, Distt. Gaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kasturi Devi
w/o Shri Mula
r/o Madhuri Post Dimagar,
Pargana Jalalabad, Tah. Hapur,
Distt. Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Agricultural land situated at Machari Jalalabad Tah Hapur, Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 27,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th March 1979

Ref. No. 581-A/G.bdu/78-79—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hapur on 24-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nathu Singh
s/o Shri Badami Singh
1/o Vidyapur Modinagar Pargana Jalalabad,
Tah. Hapur, Distt. Gaziabad

(Transferor)

(2) Smt. Kasturi Devi
w/o Shri Mula
1/o Madhuri Post. Modinagar,
Pargana Jalalabad, Tah. Hapur,
Distt. Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Machari Jalalabad Tah. Hapur, Distt. Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 27,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-3-1979

Seal :

FORM J.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th March 1979

Ref. No. 582-A/G/bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 24-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vijay Kumar
s/o Shri Risal Singh
r/o Vidyapur Medinagar Pargana Jalalabad,
Tah. Hapur, Distt. Gaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kasturi Devi
w/o Shri Mula
r/o Madhuri PostDinagar,
Pargana Jalalabad, Tah. Hapur,
Distt. Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Machai Pargana Jalalabad Tah. Hapur, Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration at Rs. 16,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 27,333/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-3-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/S. Vishwa Estates Pvt. Ltd.
B-6, Asaf Ali Road, New Delhi
(Transferor)

(2) Shri Ram Babu Gupta (3/4th share)
S/o Late Sh. Hari Shanker &
Smt Narmada Devi (1/4th share),
w/o Sh. Shanker,
R/o 1124, Kucha Natwan, Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFAI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 17th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-118/78-79/6717.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-7 situated at 3-Metcalf Road, Shankracharya Marg Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Second floor flat of Block No. 7, measuring 2072 (covered area) sq yds situated at 3-Metcalf Road, known as 3-Shankracharya Marg, Civil Lines, Delhi and bounded as under :—

East : Bloc No. 8
West : Open space
North : 30' wide Road
South : Others Bungalow

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1979

Seal :

